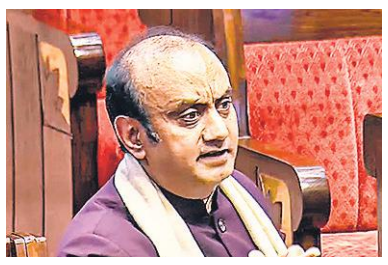

- कांग्रेस तो 20 साल में भी एसआईआर के लिए तैयार नहीं हुई - 12

- एफटीए वार्ता में केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बोले- कुछ मुद्दे पर सहमति बननी बाकी- 12

- नोबल पुरस्कार के लिए ट्रंप ने भारत से शत्रुता ठान ली यह हास्यास्पद - 13

- टी-20 विश्व कप 2026 के टिकट की बिक्री शुरू - 14

आज का मौसम

22.0⁰ अधिकतम तापमान

10.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.55

सूर्यास्त 05.17

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष अष्टमी, 02:57 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 18, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

मोदी ने ट्रंप से द्विपक्षीय संबंधों और वैश्विक मुद्दों पर की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

- साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने पर हुए सहमत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत की, जिसमें दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के प्रयासों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि नेताओं ने व्यापार, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा, रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं ने साझा चुनौतियों का समाधान करने और साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई। उन्होंने बताया कि मोदी और ट्रंप ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति की भी समीक्षा की। दोनों नेताओं ने सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के लगातार मजबूत होने पर संतोष व्यक्त किया। अधिकारियों ने बताया कि मोदी और ट्रंप ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के साझा प्रयासों में गति बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि नेताओं ने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा, रक्षा और सुरक्षा तथा अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया, जो 21वीं सदी के लिए भारत-अमेरिका 'कॉम्पैक्ट' (सैन्य साझेदारी, त्वरित वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के लिए अवसरों को उत्प्रेरित करना) के कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

यूपी समेत छह राज्यों में बढ़ी एसआईआर की समयसीमा

नई दिल्ली, एजेंसी

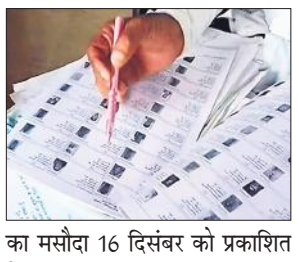

- निर्वाचन आयोग ने जारी किए आदेश, उप्र में अब 26 दिसंबर तक चलेगी प्रक्रिया
- तमिलनाडु व गुजरात में 14 और मप्र, छत्तीसगढ़ और अंडमान में 18 तक

निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को यूपी समेत छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की समयसीमा बढ़ा दी है। संबंधित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के अनुरोध पर यह कदम उठाया गया है।

निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और उत्तर प्रदेश में एसआईआर के लिए संशोधित कार्यक्रम जारी किया। इन छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के लिए गणना प्रपत्र की अवधि गुरुवार को समाप्त होनी थी और मतदाता सूचियों का मसौदा 16 दिसंबर को प्रकाशित किया जाना था।

तमिलनाडु और गुजरात के लिए एसआईआर प्रक्रिया की अवधि 14 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है और मतदाता सूची का मसौदा 19 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लिए ये अवधि 18 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है और मतदाता सूची का मसौदा 23 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। इसी तरह, उत्तर प्रदेश के लिए एसआईआर की अवधि 26 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है और मतदाता सूची का मसौदा 31 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। बयान के अनुसार, गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में एसआईआर गुरुवार को समाप्त हो जाएगी और मतदाता सूची का मसौदा 16 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। केरल के लिए कार्यक्रम में पहले संशोधन किया गया था। राज्य में एसआईआर 18 दिसंबर को समाप्त होगी और मतदाता सूची का मसौदा 23 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा।

यूपी में मृतक, शिफ्टेड व अनुपस्थित वोटर्स के पुनः सत्यापन के लिए समय बढ़ाने का किया था अनुरोध

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने तथा शुद्ध मतदाता सूची को बनाने के लिए निर्वाचन आयोग से दो सप्ताह का समय और बढ़ाने का अनुरोध किया गया था ताकि जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा मृतक, अन्यत्र चले गए तथा अनुपस्थित मतदाताओं का पुनः सत्यापन कराया जा सके। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि संशोधित तिथि के अनुसार 26 दिसम्बर, 2025 तक गणना अवधि निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि अंतरिम मसौदा सूची अब 31 दिसंबर, 2025 को प्रकाशित होगी। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 31 दिसम्बर, 2025 से 30 जनवरी, 2026 तक निर्धारित की गई है।

ब्रीफ न्यूज

आर्किटेक्ट्स ऑफ एआई को पर्सन ऑफ द ईयर किया नामित

न्यूयॉर्क। टाइम पत्रिका ने गुरुवार को आर्किटेक्ट्स ऑफ एआई को 2025 के लिए पर्सन ऑफ द ईयर नामित किया। पत्रिका ने 2025 को वह वर्ष बताया जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता की क्षमता तेजी से सामने आई और अब पीछे मुड़ने का सवाल ही नहीं है। टाइम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, सोचने वाली मशीनों का युग लाने, मानवता को विस्मित और चिंतित करने, वर्तमान को रूपांतरित करने और संभावनाओं से परे जाने के लिए, आर्किटेक्ट्स ऑफ एआई को टाइम पत्रिका द्वारा 2025 का पर्सन ऑफ द ईयर चुना गया है। पत्रिका ने चर्चा कर उन लोगों का चयन किया वह व्यक्ति जिन्होंने एआई की कल्पना की, डिजाइन किया और बनाया न कि तकनीक को, हालांकि इसके लिए कुछ पूर्व उदाहरण भी थे।

दो कुख्यात नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बालाघाट। मध्यप्रदेश में बालाघाट जिले के बिरसा थानाक्षेत्र में कोरका के केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) शिविर में गुरुवार को दो कुख्यात नक्सलियों दीपक और रोहित ने आत्मसमर्पण कर दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दीपक पर 29 लाख रुपये और रोहित पर 14 लाख रुपये का इनाम घोषित था तथा दोनों ने मुख्य धारा में लौटने की इच्छा जताते हुए आत्मसमर्पण किया है।

गायब मतदाताओं के सत्यापन को फील्ड में निकलें जनप्रतिनिधि : योगी

एसआईआर समीक्षा के दौरान अनुपस्थित मतदाताओं के आंकड़ों पर जताई चिंता

- मुख्यमंत्री बोले-सरकार के विरोधी दल वोट बनवाने का काम मदरसों और मस्जिदों से करवा रहे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

बरेली में जनप्रतिनिधियों के साथ मंडलीय समीक्षा करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को सर्किट हाउस में बरेली मंडल में किए जा रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा की। मतदाता सूचियों के सत्यापन के दौरान अनुपस्थित मतदाताओं के आंकड़ों पर चिंता जताते हुए सख्त लहजे में कहा कि ये आप सभी कि जिम्मेदारी है कि एक भी घुसपैठिये का वोट न बने। भारत का व्यक्ति ही भारत की सरकार चुने। जनप्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि जो वोटर अनुपस्थित हैं, जिनकी मैपिंग नहीं हो पा रही है, उनके सत्यापन के लिए स्थानीय कार्यकर्ताओं को लगाएं और वह भी खुद फील्ड में निकलें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार प्रत्येक विधानसभा में आठ से 10 प्रतिशत मतदाता अनुपस्थित हैं, ऐसे में भाजपा के लोगों के ज्यादा से ज्यादा वोट बनवाएं। यह हो सकता है कि विपक्षी दल आपका वोट डेथ या अनुपस्थित में डलवा दें, जब हम बूथ जीतते हैं तभी हम जीतते हैं। इसकी बूथ वार मॉनीटरिंग करें। योगी ने समीक्षा में यह भी कहा कि कहीं ऐसा न हो जाए कि एसआईआर में लाभ की जगह हमें नुकसान हो। हमें मौका है कि बोगस वोटों के नाम मतदाता सूचियों से कटवाएं। ऐसा न हो कि विपक्ष अपने लोगों के वोट ज्यादा बनवा ले और हमारे ओरिजनल लोगों के वोट कट जाएं। इससे आने वाले चुनावों में हमारी चुनौती बढ़ जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो सरकार के विरोधी लोग हैं, वे लोगों के वोट बनवाने का काम मदरसों और मस्जिदों से करवा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने मंडल की एक-एक विधानसभा में एसआईआर के कार्य की समीक्षा की। बरेली जनपद में कैंट और शहर विधानसभा में अनुपस्थित मतदाताओं की संख्या सर्वाधिक है। मुख्यमंत्री ने भाजपा के अध्यक्षों, जनप्रतिनिधियों को लगकर वोटरों को खोजने और उनके फार्म जमा करवाने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान सीएम के साथ वित्तमंत्री सुरेश कुमार खन्ना, जिला प्रभारी जेपीएस राठौर, कैबिनेट मंत्री दयाशंकर सिंह, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, वनमंत्री डॉ अरुण कुमार, गन्ना राज्यमंत्री संजय गंगवार आदि उपस्थित रहे।

घुसपैठियों को बर्दाश्त नहीं करेगी सरकार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में घुसपैठ किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।आजमगढ़ और वाराणसी में आयोजित एसआईआर की मंडलीय समीक्षा बैठकों में उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करने और घुसपैठियों तथा फर्जी मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना लोकतंत्र की मूलभूत शर्त है, जबकि अपात्र और संदिग्ध नामों को हटाना चुनावी पारदर्शिता की अनिवार्यता है। उन्होंने बूथ टीमों को सक्रिय करने, मृतक, अनुपस्थित और शिफ्टेड मतदाताओं की विशेष श्रेणी में पहचान के लिए दो-दो टीमों के गठन और बीएलओ को समय पर प्रपत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सही मतदाता सूची ही निष्पक्ष चुनाव और भाजपा की सुनिश्चित जीत की आधारशिला बनेगी।

बहराइच हिंसा : रामगोपाल के हत्यारे सरफराज को फांसी

संवाददाता, बहराइच

- एडीजे (प्रथम) कोर्ट ने 13 माह 26 दिन में सुनाया फैसला, तीन आरोपी बरी

रामगोपाल मिश्रा

हत्यारोपी सरफराज

अमृत विचार : बहराइच सांप्रदायिक हिंसा मामले में कोर्ट ने गुरुवार को बड़ा फैसला दिया है। पिछले साल दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान मारे गए रामगोपाल मिश्रा की हत्या के दोषी सरफराज को एडीजे (प्रथम) कोर्ट ने फांसी की सजा तथा नौ दोषियों को सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इन सभी दोषियों पर एक -एक लाख रुपये का अर्थ दंड भी लगाया गया है। कोर्ट ने तीन आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। यह सजा अपर सत्र न्यायाधीश(एडीजे) पवन कुमार शर्मा ने सुनाया है। बहराइच हिंसा मामले का फैसला 13 माह 26 दिन में आया है। फैसले को लेकर कोर्ट परिसर छावनी में तब्दील रहा।

बहराइच जिला स्थित थाना हरदी क्षेत्र के महाराजगंज बाजार में 13 अक्टूबर 2024 को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान हिंसा भड़क उठी थी। पहले डीजे पर गाने बजाने को लेकर विवाद हुआ। दरअसल, विसर्जन के जुलूस के दौरान समुदाय विशेष के इलाके से गुजरते समय डीजे पर बजाए जा रहे गानों को लेकर विवाद गहराया। इस दौरान मुस्लिम पक्ष ने डीजे बंद करने की मांग की। इस पर हिंदू पक्ष की ओर से आपत्ति जताई गई और विवाद बढ़ता गया। विवाद उस समय और गहरा गया जब मुस्लिम पक्ष की ओर से डीजे का तार निकाल दिया गया। डीजे का तार निकालने के बाद भीड़ अनियंत्रित हो गई और भगदड़ मच गई। इस दौरान रामगोपाल मिश्रा एक छत पर चढ़ गया, जहां उसे गोली मार दी गई। गोली लगने से रेहुआ मंसूर गांव के 22 वर्षीय रामगोपाल की मौके पर ही मौत हो गई थी। आक्रोशित भीड़ ने कई दुकानों, घरों और वाहनों में आगजनी और तोड़फोड़ की थी। स्थिति को काबू में करने के लिए प्रशासन ने कई दिनों तक इंटरनेट सेवा बंद रखी और भारी पुलिस बल तैनात किया था। हालांकि, बहराइच पुलिस ने मामले में एक्शन शुरू किया। 87 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। 100 से अधिक पर केस दर्ज किया गया। मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद के घर पर बुलडोजर चलाने की नोटिस जारी की गई थी।

नौ दोषियों को आजीवन कारावास की सजा

सरकारी वकील प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि कोर्ट ने जिन नौ दोषियों को उम्रकैद की सजा दी है, उनमें फहीम, सैफ अली, जावेद खान, अब्दुल हमीद, तालिब उर्फ सबलू, ईसान, सुएब खान, ननकऊ और मारूफ हैं। कोर्ट ने तीन आरोपियों अर्थात शकील अहमद, बबलू अफजल उर्फ कल्लू और खुर्शीद को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है।

हमेशा राष्ट्र के हित के अधीन होते हैं व्यक्ति के अधिकार : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- अनुच्छेद 21 के तहत दिए गए अधिकारों की हमेशा रक्षा की जानी चाहिए
- जहां देश की सुरक्षा या अखंडता का सवाल उठता है, वह जमानत एकमात्र आधार नहीं हो सकता

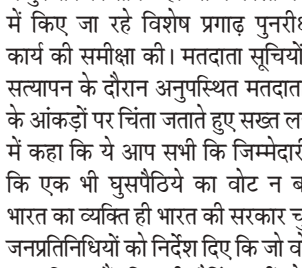

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि किसी व्यक्ति के अधिकार हमेशा राष्ट्र के हित के अधीन होते हैं, और इस बात पर जोर दिया कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत दिए गए अधिकारों की हमेशा रक्षा की जानी चाहिए, लेकिन ऐसे मामलों में जहां देश की सुरक्षा या अखंडता का सवाल उठता है, वह जमानत देने का एकमात्र आधार नहीं हो सकता।

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने ये टिप्पणियां केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा पश्चिम बंगाल के पश्चिम मिदनापुर जिले में 2010 में ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के पटरी से उतरने के मामले में कुछ आरोपियों को मिली जमानत के खिलाफ दायर अपील की सुनवाई करते हुए की। मुंबई जा रही ट्रेन झारग्राम के पास पटरी से उतर गई थी और फिर सामने से आ रही एक मालगाड़ी से टकरा गई, जिससे 148 यात्रियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया था कि 28 मई, 2010 को हुई यह दुर्घटना माओवादियों की साजिश का परिणाम थी। यह घटना भाकपा (माओवादी) द्वारा बुलाए गए चार दिवसीय बंद के दौरान हुई थी। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि इस स्तर पर आरोपियों की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करना, विशेषकर तब जब उनके खिलाफ कोई अन्य सबूत न हो, उचित नहीं होगा। अदालत ने कहा कि सीबीआई उसके संज्ञान में ऐसा कोई घटनाक्रम नहीं ला सकी जिससे यह हस्तक्षेप किसी सार्थक उद्देश्य की पूर्ति साबित कर सके।

पीठ ने कहा, इस बात में कोई संदेह नहीं है कि अनुच्छेद 21 के अधिकार सर्वोच्च महत्व रखते हैं, और यह उचित भी है। हालांकि, साथ ही, व्यक्ति हमेशा ध्यान का केंद्र नहीं हो सकता। उसने कहा, कुछ मामले, जैसे कि यह मामला, अपनी प्रकृति और प्रभाव के कारण यह मांग करते हैं कि प्रस्तुत मुद्दे को व्यापक दृष्टिकोण से देखा जाए, यानी राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में।

वंदे मातरम् को नहीं मिला उचित सम्मान : नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी

- राज्यसभा में कहा- देश संकल्प ले कि इसे वही दर्जा मिले जो राष्ट्रगान को मिला

राज्यसभा में गुरुवार को सदन के नेता एवं भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने दावा किया कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को वह सम्मान एवं स्थान नहीं मिला जो उसे मिलना चाहिए तथा देश को संकल्प लेना चाहिए कि इसे वही दर्जा मिले जो राष्ट्रगान या राष्ट्रीय ध्वज को मिला है।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष होने पर उच्च सदन में हुई चर्चा के अंत में सदन के नेता नड्डा ने कहा कि पिछले दो दिन में 80 से अधिक सदस्यों ने इस चर्चा में भाग लिया, जो बताता है कि यह विषय कितना सम-सामायिक है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् देश की आत्मा को जगाने का मंत्र है। उन्होंने कहा कि यह गीत आजादी के आंदोलन के दौरान बहुत सी घटनाओं का गवाह रहा है। यह गीत मां भारती की आराधाना है। ब्रिटिश शासक जब देश में अपना राष्ट्रगीत थोपना चाहते थे, उस समय बंकिम चंद्र चटर्जी ने वंदे मातरम् गीत लिखकर पूरे भारत को जागृत कर दिया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यह गीत रूपी मंत्र इतना कारगर साबित हुआ कि ब्रिटिश शासकों ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया और जो कोई इसे गाता था उसे जेल के सीखचों के पीछे भेज दिया जाता था। उन्होंने कहा कि वीडी सावरकर को जिन आरोपों में दो उम्रकैद की सजा पर काला पानी भेजा गया, उनमें वंदे मातरम् के नारे लगाना शामिल था। महर्षि अरविन्द को भी वंदे मातरम् के कारण जेल जाना पड़ा था।

जौनपुर में चाइनीज मांझे से टीचर की गर्दन कटी

जौनपुर। यहां चीनी मांझे से गर्दन कटने के कारण निजी स्कूल में शिक्षक 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष ने बताया कि घटना गुरुवार सुबह आठ बजे शास्त्री ब्रिज पर कोतवाली क्षेत्र में हुई, जब संजीव तिवारी अपनी बेटी को स्कूल छोड़कर वापस जा रहे थे। बताया कि उमरपुर हरिबंधनपुर के निवासी तिवारी ने जैसे ही ब्रिज पार किया, सड़क के ऊपर लटक रहा धारदार मांझा उनकी गर्दन में फंस गया और उन्हें गहरी चोट लग गई। इससे वह मोटरसाइकिल से नियंत्रण खो बैठे और घटनास्थल पर ही गिर पड़े। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

अरुणाचल में खाई में गिरा ट्रक, 18 की मौत

तिनसुकिया/डिब्रूगढ़ (असम), एजेंसी

- 22 लोग थे सवार, तीन अभी भी लापता, जिंदा बचे एक श्रमिक ने खाई से निकलकर दी जानकारी

अरुणाचल प्रदेश के एक सुदूर इलाके में एक ट्रक के खाई में गिरने से उसमें सवार असम के तिनसुकिया जिले के कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग लापता हैं।

रक्षा मंत्रालय के लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने दुर्घटना में एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति से प्राप्त सूचना के आधार पर बताया कि राज्य के पूर्वी हिस्से में स्थित अंजॉ जिले के हयूलियांग-चागलागम रोड पर यह दुर्घटना आठ दिसंबर को हुई। इस ट्रक पर तिनसुकिया जिले के 22 मजदूर सवार थे। रावत ने कहा कि यह दुर्गम इलाका चागलागम से लगभग 12 किलोमीटर दूर है और वहां संपर्क सीमित है तथा दुर्घटना की जानकारी किसी भी स्थानीय एजेंसी, ठेकेदार या नागरिक को नहीं थी। एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति ने जब आपबीती सुनाई तभी इसकी जानकारी मिली। उन्होंने कहा, 18 शव देखे गए हैं और उन्हें निकाला जा रहा है। रावत ने कहा कि 'चिपरा जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स' शिविर तक पहुंचने में कामयाब रहने वाले मजदूर से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तिनसुकिया से 22 मजदूरों को ले जा रहा एक ट्रक आठ दिसंबर की रात खाई में गिर गया। पीआरओ ने बताया कि यह इलाका घने वृक्षों वाला है इसलिए वाहन न तो सड़क दिखाई दे रहा था और न ही हेलीकॉप्टर से। वे एक डंपर में यात्रा कर रहे थे जो सड़क से लगभग 1,000 फुट गहरी खाई में गिर गया। बचाव अभियान जारी है।

राहत डीजीसीए के अधिकारियों ने विमानन कंपनी के परिचालन और पैसा लौटाने की निगरानी की शुरू

इंडिगो प्रभावित यात्रियों को देगी 10,000 मूल्य का यात्रा वाउचर

नई दिल्ली, एजेंसी

परिचालन संबंधी व्यवधानों से जूझ रही विमानन कंपनी इंडिगो उड़ानें रद्द होने या विलंब के कारण प्रभावित यात्रियों को 10,000 रुपये के यात्रा वाउचर देगी। यह वाउचर तीन से पांच दिसंबर के दौरान उड़ानें रद्द होने से प्रभावित यात्रियों को दिया जाएगा।

यह डीजीसीए के मानदंडों के तहत उड़ान रद्द होने पर यात्रियों को प्रदान की जाने वाली राशि के अतिरिक्त होगा। वहीं, डीजीसीए के अधिकारियों ने गुरुवार से इंडिगो के मुख्यालय से विमानन कंपनी के संचालन, रिफंड और अन्य प्रक्रियाओं की निगरानी शुरू कर दी।

इंडिगो ने बयान में खेद जताते हुए कहा कि तीन, चार और पांच दिसंबर को यात्रा करने वाले उसके कुछ ग्राहक कई घंटों तक कुछ हवाई अड्डों पर फंसे रहे और उनमें से कई भीड़भाड़ से बुरी तरह प्रभावित हुए। हम ऐसे गंभीर रूप से प्रभावित ग्राहकों को 10,000 रुपये मूल्य के यात्रा वाउचर प्रदान करेंगे। इन यात्रा वाउचर का उपयोग अगले 12 महीनों के दौरान इंडिगो की किसी भी यात्रा के लिए किया जा सकता है। देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी को नियामकीय दबाव का भी सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों ने परिचालन को स्थिर करने के लिए इसे शीतकालीन उड़ानों में 10 प्रतिशत की कटौती करने का निर्देश दिया है।

अधिकारियों को देनी होगी दैनिक रिपोर्ट

डीजीसीए से जुड़े सूत्रों ने कहा कि अधिकारियों से विमानन कंपनी की स्थिति पर दैनिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने की अपेक्षा की गई है। इंडिगो पायलट एवं चालक दल के नए ड्यूटी मानदंडों के कार्यान्वयन से संबंधित योजनागत विफलताओं के कारण महत्वपूर्ण परिचालन बाधाओं से जूझ रही है। डीजीसीए ने बुधवार को इंडिगो के गुरुग्राम मुख्यालय में एक निगरानी समिति के दो सदस्यों को तैनात करने का फैसला किया था ताकि रद्द उड़ानों की स्थिति, कर्मचारियों की तैनाती, अनियोजित अवकाश एवं कर्मचारियों की कमी से प्रभावित मार्गों की निगरानी की जा सके।

बेंगलुरु से 60 उड़ानें रद्द

मुंबई। इंडिगो ने गुरुवार को भी बेंगलुरु हवाई अड्डे से 60 उड़ानें रद्द कर दीं। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब डीजीसीए ने ड्यूटी के मानदंडों के कार्यान्वयन से संबंधित योजनागत विफलताओं से सेवाओं में बड़े पैमाने पर व्यवधान के बाद जांच कड़ी कर दी है।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025

सिटी ब्रीफ

बच्चा सकुशल बरामद परिजनों को सौंपा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार पुलिस ने चार साल के लापता बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला बहादुरगंज निवासी रविंद्र ने चौकी बहादुरगंज में सूचना दी कि उसका चार साल की पुत्र विराज दोपहर दो बजे से घर लापता हो गया है। परिजनों ने बच्चे की तलाश किया और बच्चा नहीं मिला। उप निरीक्षक प्रमोद कुमार सिपाहियों के साथ बच्चे की खोजबीन की। सिपाही उमंग कुमार को बच्चा एक स्थान पर रोता हुआ मिला। सिपाही बच्चे को लेकर चौकी पर आया और परिवार वालों ने बच्चा को पहचान लिया। परिवार वालों को सुपुर्द कर दिया।

मत्स्य सहकारी समिति की बैठक होगी

पुवायां, अमृत विचार : मत्स्य पालन और उसकी देखरेख को लेकर बनाई जाने वाली समिति की बैठक सोमवार को होगी। मत्स्य विभाग के मुख्य प्रवर्तक अनिल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया है कि ग्राम सदापुर में एक नवीन मत्स्य जीवी सहकारी समिति लिमिटेड, सदापुर का गठन किया जाता है कि जिसके लिए 15 दिसंबर दिन सोमवार को गांव सदापुर में सुबह 11 बजे बैठक आयोजित की जायेगी, जिसमें उन्होंने तमाम ग्राम व न्याय पंचायत निवासी मछुआ समुदाय के सदस्यों को आमंत्रित किया है।

कोहरे में ट्रेनें देर से पहुंची

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कोहरे के कारण ट्रेनों की लेटलतीफी शुरु हो गई है। डाउन व अप लाइन की गंगा सतजल एक्सप्रेस समेत एक दर्जन ट्रेनें विलंब से पहुंची है। ट्रेनों के लेट होने से रिजर्वेशन यात्रियों को दिक्कत हुई। डाउन लाइन की गंगा सतलज एक्सप्रेस दो घंटे, दून एक्सप्रेस एक घंटे, चंडीगढ़ एक्सप्रेस, पौन घटे, बेमम्पुरा एक्सप्रेस एक घंटे, जनता एक्सप्रेस एक घंटे और अप लाइन की प्रयागराज-बरेली एक्सप्रेस दो घंटे, गुवाहाटी एक्सप्रेस एक घंटे विलंब से पहुंची है। इससे रिजर्वेसन वाले यात्रियों को दिक्कत का सामना करना पड़ा और ट्रेन के इंतजार में सुबह स्टेशन पर बैठे रहे।

संदिग्ध हालात में कमरे में मिला ग्रामीण का शव

शाहजहांपुर, अमृत विचार : थाना रौजा क्षेत्र के लोधीपुर निवासी रतिपाल (44) यहां मिश्रीपुर में किराये के मकान में रहते थे। वे ग्राम बाड़ी गांव में खेत पर मजदूरी कर गुजर बसर कर रहे थे। सुबह खेत मालिक ने फोन कर न आने का कारण पूछा तो तबियत खराब होने की बात कही। काफी देर तक जब कमरे से बाहर नहीं निकले तो लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक थाना रामचंद्र मिशन मौके पर आ गए। पुलिस ने कमरे से शव को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

अमृत योजना-1 : आपत्तियां दूर जल्द हैंडओवर होगी सीवर लाइन

सीवर लाइन की गुणवत्ता में कई तरह की कमियां मिलने की है शिकायत, जांच कमेटी बनाई

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : महानगर में लोगों की प्यास बुझाने के लिए शासन की ओर से अमृत योजना वन अभी नगर निगम ने जल निगम से हैंड ओवर नहीं ली है। योजना के कार्य और गुणवत्ता में कई तरह की खामियां होने के कारण नगम निगम ने आपत्तियों की जांच के लिए कमेटी बनाई है। योजना को हैंडओवर लेने की प्रक्रिया चल रही है।

महानगर में अमृत योजना वन के तहत दो चरणों में ओवरहेड टैंक का निर्माण और जलापूर्ति लाइन बिछाई गई थी। वर्ष 2017 में अमृत योजना वन की शुरुआत की गई थी। इसमें सीवरेज स्कीम के तहत एसटीपी बनाने, एमपीएस और सीवर लाइन बिछाकर हाउस कनेक्शन का कार्य होना था। जल निगम के अधिकारी हालांकि यही दावा कर रहे हैं कि अमृत वन योजना का कार्य पूरा हो चुका है। लेकिन नगर निगम के अधिकारी इससे संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि जल निगम ने योजना का कार्य भले ही पूरा कर दिया हो, लेकिन अभी कई तरह की खामियां हैं। जिनके कारण अभी

एसटीपी के लिए मघईटोला में खोदा जा रहा गड्ढा। ● अमृत विचार

- **वर्ष 2017 में अमृत योजना वन की शुरुआत की गई थी**
- **घरों से कनेक्शन जुड़े न होने पर निगम ने लगाई आपत्ति**

अमृत वन योजना को हैंड ओवर नहीं लिया जा सकता है।

अमृत वन योजना यूं तो 2024 में पूरी होने का विभाग दावा करते हुए लक्ष्य के अनुरूप 27, 500 कनेक्शन घरों तक पहुंचाने की बात कह रहा है। यानी, डेढ़ लाख से ऊपर (आंशिक रूप से शाहजहांपुर की आधी आबादी) लोगों की प्यास बुझाने का काम अमृत वन योजना में पूरा होने की बात जल निगम के अधिकारी कह रहे हैं। वहीं नगम निगम के अधिकारियों का मानना है कि जल निगम ने योजना का काम पूरा करके नगम निगम के पास फाइल भेज दी है। जब नगर निगम ने योजना की हकीकत अपने स्तर ये परखी तो तमाम खामियां सामने आईं। इनमें तमाम कनेक्शन ठीक ढंग से काम नहीं कर रहे थे। कहीं पानी नहीं पहुंच रहा था। लीकेज की तमाम शिकायतें भी नगर निगम के पास आईं। कई जगह पर कार्य की गुणवत्ता भी फेल मिली, कहीं सड़क काटने के बाद उसे ठीक नहीं किया गया। ऐसे में इतनी खामियों के साथ नगर निगम ने दर्जनों आपत्तियों के साथ फाइल जल निगम को वापस भेज दी। जल निगम के अधिकारियों ने जमीन पर उतर

> अमृत योजना वन के कार्यों में तमाम खामियां थीं। जिन्हें जल निगम को बता दिया गया था। आपत्तियों की जांच के लिए कमेटी बनी है। जो गुणवत्ता की जांच कर रही है। इस योजना को नगम निगम ने अभी हैंड ओवर नहीं लिया है। **-एस के सिंह,** अतिरिक्त नगर आयुक्त नगर निगम

> अमृत योजना वन के तहत सीवर लाइन का काम पूरा कर लगभग 27,500 घरों में नए पेयजल कनेक्शन दिए गए हैं, जो सुचारू हैं। योजना को हैंडओवर करने के लिए नगम निगम को भेज दिया गया है। कुछ आपत्तियां थीं, जिन्हें दूर करा दिया गया है। **-मोहम्मद अयाज,** अधिशासी अभियंता जल निगम

कर आपत्तियों की हकीकत जांची। कर्मचारियों और तकनीशियनों को लगाकर खामियों का दूर करने के लिए जुटाया गया। कई सप्ताह के बाद जल निगम ने नगर निगम की आपत्तियों का निरस्तारण कर दोबारा फाइल भेजी। नगर निगम ने अब उन आपत्तियों की स्थिति की जांच के लिए कमेटी बनाई है। जो चिन्हित खामियों को किस हद तक दूर किया गया है। इसकी पड़ताल में माथापच्ची कर रही है। अगर सब कुछ ओके मिला तो जनवरी में नगर निगम इस योजना को अपने हैंडओवर लेकर महानगर वासियों को शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुचारू करा सकेगा।

मारपीट में गर्भपात हो जाने के मामले में रिपोर्ट दर्ज

तिलहर, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला मुस्तफाबाद निवासी गुड्डी देवी पत्नी मुरारी लाल ने कोर्ट के आदेश पर दर्ज की गई रिपोर्ट में कहा है कि बीती 22 अगस्त को उसके परिवारी अखलेश व अवधेश पुत्र गण तौलेराम ने सार्वजनिक निकास में लैट्रीन बनवाने के लिए ईटो को उखाडना शुरू कर दिया था। जिस पर उसके पति मुरारीलाल व देवर श्याम सुन्दर व अखलेश, अवधेश, कल्पना व सरोजनी ने आपस में बैठकर पंचायत में तय किया था कि निकास में कोई भी लैट्रिन निर्माण नहीं करेगा। उसी दिन शाम करीब 6 बजे अखलेश और उसकी पत्नी सरोजनी व अवधेश और उसकी पत्नी कल्पना घर के बाहर गाली देते हुए बोले कि देखें लैट्रिन बनाने से कौन रोकेगा। उसने, बेटे जयदीप व देवर शयामसुन्दर ने उन्हें समझाने की कोशिश की। जिस पर सभी ने मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में गर्भपात हो जाने के मामले में रिपोर्ट दर्ज उसकी पुत्रवधू सरस्वती उन्हें बचाने आईं तो सरोजनी ने उसे भी सडक पर पटक कर पेट में लात मार दी। इससे सभी के छोटे आईं। आरोप है कि पुत्रवधू सरस्वती के चोट लगने से उसका पांच माह का गर्भपात हो गया। घटना में पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही न किए जाने पर उसने कोर्ट की शरण ली। कोतवाल राकेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की विवेचना की जा रही है।

पंचायत सहायकों का प्रदर्शन, सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी

ब्लॉक मुख्यालय पर ज्ञापन सौंपते पंचायत सहायक। ● अमृत विचार

- **मानसिक शोषण और दबाव का आरोप, समस्याओं के समाधान की मांग**
- **मानदेय 8 से 12 महीने लंबित उपकरण भी घोषित किए गए अनुपयोगी**

संवाददाता, जैतीपुर

अमृत विचार : क्षेत्र के पंचायत सहायकों ने गुरुवार को ब्लॉक मुख्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और खंड विकास अधिकारी मनीष दत्त को ज्ञापन सौंपा। पंचायत सहायकों ने आरोप लगाया कि उन पर मानसिक शोषण और अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने अपनी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की।

ब्लॉक अध्यक्ष अवनीश कुमार ने बताया कि पंचायत सहायकों को दिए जा रहे दायित्वों को लेकर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है। फार्मर रजिस्ट्री के लिए उपलब्ध कराई गई सूची गलत और अधूरी है, जिसके कारण गांव में लाभार्थी नहीं मिल पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश लगातार दिए जा रहे हैं, जबकि कई पंचायत सहायकों के पास ऑपरेटर आईडी उपलब्ध नहीं है और फिंगरप्रिंट डिवाइस भी एक्सपायर हो चुकी हैं। कई पंचायत सहायकों ने बताया कि उनका 8 से 12 महीने का मानदेय लंबित है, जिससे मानसिक और आर्थिक तनाव बढ़ता जा रहा है। पंचायत सहायकों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो वे सामूहिक इस्तीफा देने को बाध्य होंगे। ज्ञापन सौंपने के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष अवनीश कुमार, शिल्पी सिंह, आसमीन अंसारी, दीपक कुमार, प्रशांत, बृजेश, पूनम, राखी, प्रीति सहित कई पंचायत सहायक मौजूद रहे।

धान क्रय केंद्र पर लटका ताला, किसान परेशान

संवाददाता, खुदागंज

- **सिमौरा क्रय केंद्र पर किसानों को नहीं मिलते प्रभारी**

अमृत विचार : सरकार द्वारा किसानों से सीधे धान खरीदे जाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत खुदागंज क्षेत्र में आधा दर्जन से अधिक सरकारी क्रय केंद्र संचालित किए गए हैं। साधन सहकारी समिति अकबरी द्वारा सिमौरा गांव में स्थापित धान क्रय केंद्र भी इन्हीं में शामिल है, लेकिन किसानों का आरोप है कि यह केंद्र पूरी तरह निष्क्रिय पड़ा है।

किसानों के मुताबिक सिमौरा क्रय केंद्र पर प्रतिदिन सुबह से शाम तक ताला लटका रहता है। न तो कोई प्रभारी मौजूद रहता है और न ही धान की तुलवाई की जाती है। उनका कहना है कि केंद्र पर वास्तविक खरीद न होकर केवल कागजों में खरीद दिखाई जा रही है। शाम होते ही कुछ लोगों के अंगूठे लगवा दिए जाते हैं, जबकि किसानों का धान बिना तुले ही घरों में पड़ा रहता है। गांव सुराही निवासी किसान मदनपाल ने बताया कि वह कई बार अपना धान तुलवाने क्रय केंद्र पहुंचे, लेकिन हर बार ताला लटकता मिला, जिसके कारण उन्हें बैरंग लौटना पड़ा। उन्होंने कहा कि धान घर पर पड़ा खराब होने की कगार पर है, परंतु खरीद शुरू न होने से किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। किसानों ने मांग की है कि जांच कराई जाए और सीधे धान की खरीद सुनिश्चित कराई जाए, ताकि सरकारी व्यवस्था का लाभ मिल सके।

संगोष्ठी में विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए 50 से अधिक शोध पत्र

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : स्वामी शुकदेवानन्द विधि महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन 11 दिसंबर 2025 को हुआ। कार्यक्रम के समापन सत्र में प्रो डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी, डॉ. अंजुम परवेज, प्रो. डॉ. अनिरुद्ध राम, प्रो. डॉ. अपर्णा शर्मा, प्रो. डॉ. अवनीश कुमार मिश्र और प्रो. डॉ. जय शंकर ओझा मंच पर उपस्थित रहे।

प्रो. डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी ने बताया कि भारत में लागू किए गए नए आपराधिक कानूनों का मानवाधिकारों पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि इन कानूनों ने महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा को और प्रभावी बनाया है। डिजिटल

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में छात्रा को प्रमाण पत्र देते शिक्षकगण। ● अमृत विचार

माध्यमों का उपयोग और प्रक्रियाओं के सरलीकरण के जरिए भारतीय दंड व्यवस्था को नए स्वरूप में सुदृढ़ किया जा रहा है। संगोष्ठी में विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा भौतिक व आभासी माध्यम से 50 से अधिक शोध-लेख प्रस्तुत किए गए, जिनमें नए कानूनों से उत्पन्न चुनौतियों और प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की गई। डॉ. अंजुम परवेज ने कहा कि नए आपराधिक कानून भारत में लागू हुए एक वर्ष से अधिक समय हो चुका है। ये कानून अत्याधुनिक, व्यवहारिक और भारतीय मूल्यों पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि इनका सफल

- **आपराधिक न्याय प्रणाली पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ**

क्रियान्वयन केवल सरकार का नहीं, बल्कि हर नागरिक का दायित्व है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. डॉ. अवनीश मिश्रा ने कहा कि दो दिवसीय संगोष्ठी में देशभर से आए विद्वानों ने आपराधिक कानून और मानवाधिकार मुद्दों पर गहन विमर्श किया। उन्होंने कहा कि यह संगोष्ठी विधि व्यवसाय से जुड़े विद्यार्थियों के लिए भविष्य में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन का कार्य करेगी।

समापन सत्र में डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि उद्घाटन सत्र के बाद आयोजित भौतिक तकनीकी सत्र में 43 प्रतिभागियों ने शोध-पत्र प्रस्तुत किए।ऑनलाइन सत्र में डॉ. जेएस सिंह, कुलपति राजीव गांधी नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी पटियाला, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. कालिंद्री, डॉ. अनूप कुमार तथा प्रो. संतोष तिवारी सहित अन्य 25 विशेषज्ञों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। प्राचार्य प्रो. जय शंकर ओझा, प्रो. अभिषेक तिवारी, डॉ. अनिल कुमार शाह, मृदुल शुक्ल, डॉ. प्रेम सागर, डॉ. पवन कुमार गुप्ता, डॉ. अमित कुमार यादव, डॉ. अमरेन्द्र सिंह, सचिन कुमार, अजीत कुमार, विजय सिंह, अरविंद कुमार, डॉ. ज्योत्स्ना गुप्ता, प्रदीप कुमार सिंह, प्रियंक कुमार वर्मा, चंद्रशेखर मिश्रा, अभिलाष पाण्डेय, अमित सैनी, गौरव गुप्ता, शिवओम शर्मा, सुनील चौहान, सर्वेश शर्मा, रोहित कुमार, भानू, अरुण, हरीश, शिवम आदि मौजूद रहे।

पीआरडी का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

- **परेड में जवानों ने प्रस्तुत किया कौशल और अनुशासन**

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

आईटीआई रोजा ग्राउंड में आयोजित स्थापना दिवस कार्यक्रम में उपस्थित पीआरडी जवान। ● अमृत विचार

अमृत विचार : युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में प्रांतीय रक्षक दल का 77वां स्थापना दिवस आईटीआई रोजा स्थित ग्राउंड में पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया।

स्थापना दिवस पर आयोजित परेड का संचालन परेड कमांडर सोनू कुमार ने किया, जबकि टोली कमांडर हिमांशु, सुमन, सौरभ और सीमा देवी रहीं। कार्यक्रम में जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी तथा क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारियों ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले जवानों को पुरस्कृत एवं प्रोत्साहित किया। समारोह के मुख्य अतिथि ददरौल विधानसभा के विधायक अरविंद सिंह रहे, जिन्होंने परेड की सलामी ली और टोली कमांडरों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि जिले की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए सरकार से 400 से 500 प्रांतीय रक्षक दल जवानों की भर्ती का अनुरोध किया जाएगा। कार्यक्रम में आईटीआई रोजा के प्रधानाचार्य भी उपस्थित रहे। आयोजन प्रभारी सतेंद्र कुमार ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और आगामी वर्षों में इसे और बेहतर तरीके से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रांतीय रक्षक दल के जवान ईमानदार, निष्पक्ष और साहसी होते हैं, जो अपने निजी और आधिकारिक जीवन में सत्यनिष्ठा बनाए रखते हुए सभी नागरिकों के प्रति सम्मान प्रकट करते हैं। अंत में जिला युवा कल्याण अधिकारी ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

राहगीरों से पैसे मांग रहीं पांच युवतियां हिरासत में

सिंधौली, अमृत विचार: हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं की सूचना पर पुलिस ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर राहगीरों से पैसे मांग रहीं पांच युवतियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। सूचना मिलते ही हिंदू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष दीपक त्रिपाठी मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने पहुंचकर सभी युवतियों को थाने ले जाकर पूछताछ की। पूछताछ में युवतियों ने बताया कि वे शहर के मोहल्ला खिरनी बाग स्थित धर्मशाला में परिवार सहित रहती हैं। पुलिस ने धर्मशाला प्रबंधक से जानकारी कर आधार कार्डों का सत्यापन किया।

प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र सिंह ने बताया कि युवतियों का पेशा भीख मांगना है। सत्यापन के बाद उनके विवरण दर्ज किए गए और उन्हें स्वजन की सुपुर्दगी में छोड़ दिया गया।

न्यूज डायरी

सहकारी समिति पर यूरिया वितरण से कृषकों के चेहरे खिले

कुर्रिया कला, अमृत विचार : क्षेत्र की बहुउद्देशीय ग्राम सहकारी समिति टाडा पर्वतपुर में गुरुवार को यूरिया खाद का वितरण शुरू होते ही किसानों के चेहरे खुशी से खिल उठे। समिति द्वारा 1000 बोरी यूरिया खाद उपलब्ध कराए जाने पर गांव में राहत की लहर दौड़ गई। डीएपी के बाद इस समय खेतों में यूरिया की जरूरत तेजी से बढ़ गई है, जिसके चलते सुबह से ही किसानों की लंबी कतारें लग गईं। काफी इंतजार के बाद जब वितरण प्रारंभ हुआ तो किसानों ने राहत की सांस ली। सहकारी समिति सचिव कमलाकांत त्रिपाठी ने बताया कि किसानों को 1000 बोरी यूरिया खाद वितरित की गई है। प्रत्येक किसान को आधार के आधार पर पांच बोरी खाद दी गई, जिससे फसल कटाई से पूर्व किसानों को आवश्यक पोषण उपलब्ध हो सके।

सीएमओ ने निगोही में पोषण पोटली का वितरण किया

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सरकार की मंशानुरूप क्षय रोगियों को पोषण पोटली समय समय पर सीएचसी पीएचसी पर वितरण कराई जाती है। इसी क्रम में गुरुवार को निगोही सीएचसी में सीएमओ डा .विवेक मिश्रा द्वारा क्षय रोगियों को पोषण पोटली का वितरण किया गया। उन्होंने क्षय रोग से बचाव को टिप्स दिए। पोषण पोटली वितरण मेलब्रार्स इंटरनेशनल लिमिटेड की ओर से कराया गया। इस दौरान डीटीओ डॉ .ओमेंद्र, एमओआईसी डॉ .नितिन चौधरी, सिद्धार्थ गुप्ता, पवन गुप्ता, आरती सिंह आदि मौजूद रहे।

दिन और रात के तापमान में गिरावट, गलन से लोग परेशान

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जिले में बृहस्पतिवार को गलन महसूस होने से लोग परेशान नजर आए। दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। दिन का न्यूनतम तापमान लगभग 13 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान करीब 25 डिग्री सेल्सियस रहा, जिससे हल्की ठंड और धुंध का असर पूरे दिन महसूस किया गया। मौसम विभाग के अनुसार हवा हल्की और परिवर्ती बनी रहेगी, जबकि अधिक आर्द्रता के कारण वातावरण में नमी और ठंडक का एहसास बढ़ रहा है। विभाग के वैज्ञानिकों ने बताया कि आसमान मुख्यत: साफ रहेगा, लेकिन सुबह और शाम धुंध छाई रहेगी। हल्की हवाओं और ऊंची आर्द्रता के चलते लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ रहा है। आने वाले दिनों में भी ऐसी ही स्थिति बनी रहने की संभावना है। दिन में धूप निकलने के बावजूद सुबह और रात के समय कोहरा या धुंध का असर रहेगा और नमी के कारण हल्की ठंड महसूस होती रहेगी।

गुमराह कर फर्जी मुकदमा लिखवाने का आरोप

शाहजहांपुर, अमृत विचार : वर्कजई निवासी फरहान ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि कोतवाली क्षेत्र में दर्ज कराए गए मुकदमे में उसे और उसके परिवार को बिना किसी आधार के फंसाया गया है। फरहान का कहना है कि

- **एसपी से निष्पक्ष विवेचना और कार्रवाई की मांग**
- **लेन-देन विवाद को बताया मनगढ़ंत**

20 अक्टूबर को वह मोटरसाइकिल से घर जा रहा था, तभी थाना क्षेत्र के ही कुछ लोगों ने उसे रास्ते में रोककर धमकाया और झूठा विवाद खड़ा कर दिया। उसके अनुसार दुकान पर लेन-देन का कोई मामला नहीं था और पूरा आरोप मनगढ़ंत है। फरहान ने आरोप लगाया कि कोतवाली पुलिस ने बिना मौके की स्थिति जांचे एकतरफा रिपोर्ट दर्ज कर दी। उसने बताया कि कई बार स्पष्ट करने के बावजूद कि न तो घटना स्थल पर झगड़ा हुआ और न ही दुकान पर किसी प्रकार की हाथापाई, पुलिस ने उसकी बात न सुनकर उस पर दबाव बनाते हुए मनमर्जी का बयान लिख लिया। उसका कहना है कि झूठी बात मानने से इंकार करने पर उसके खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। फरहान ने दावा किया कि जिस विवाद के आधार पर उसे आरोपी बनाया गया है, वह दुकान की सीसीटीवी फुटेज में भी नहीं दिखता और न ही किसी गवाह ने उसके खिलाफ आरोप की पुष्टि की है। उसके मुताबिक फेसबुक आदि पर प्रसारित दुकान की तस्वीरें भी घटना से संबंधित नहीं हैं, फिर भी पुलिस ने विपक्षियों के दबाव में उसके खिलाफ फर्जी मुकदमा दर्ज कर दिया। फरहान ने पुलिस अधीक्षक शाहजहांपुर से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष विवेचना कराई जाए और उसके खिलाफ दर्ज फर्जी मुकदमा निरस्त किया जाए। उसने कहा कि वह बेगुनाह है और उसे अनावश्यक रूप से फंसाया जा रहा है।

वैज्ञानिक प्रदर्शनी में शिजा रही प्रथम

मंडल स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में प्रथम शिज़ा खान का उत्साहवर्द्धन करतीं शिक्षिका। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- **मंडल स्तर पर आयोजित हुई थी बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी**

अमृत विचार : नेशनल गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्रा शिज़ा खान ने राजकीय इंटर कॉलेज, बरेली आयोजित मंडल स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में प्रथम स्थान हासिल कर किया है। कालेज की विज्ञान शिक्षिका फौज़िया जलील के मार्गदर्शन में शिजा खान ने सफलता अर्जित की है। विजेता छात्रा का चयन 53वीं राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रतियोगिता के लिए हुआ। शिजा खान ने चिरस्थायी कृषि पर अपना मॉडल प्रस्तुत किया। इसकी प्रशंसा मंडलीय प्रतियोगिता के सभी जजों ने की। शिजा की इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर नेशनल गर्ल्स इंटर कॉलेज की समिति के अध्यक्ष, प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य ने छात्रा और उनकी मार्गदर्शक शिक्षिका फौजिया जलील को बधाई दी है।

बहादुरगंज में नए पुरुष शौचालय पर जताई आपत्ति

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- **मेयर ने दिया आश्वासन पुराने शौचालयों का होगा जीर्णोद्धार**

अमृत विचार : बहादुरगंज में प्रस्तावित नए पुरुष शौचालय को लेकर व्यापारियों ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश के महानगर अध्यक्ष मो सलाउद्दीन अख्तर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में व्यापारी मेयर अर्चना वर्मा से मिले और बताया कि पिंक शौचालय से मात्र 10 मीटर की दूरी पर गोलगंज में पहले से एक पुरुष शौचालय संचालित है। दूसरा पुरुष शौचालय गल्ला मंडी में स्थित है। ऐसे में किसी नए शौचालय की आवश्यकता नहीं है।

व्यापारियों ने कहा कि मौजूदा दोनों शौचालयों की स्थिति काफी खराब है। यदि नगर निगम इनका जीर्णोद्धार करा दे तो व्यापारियों सहित बाजार में आने वाले लोगों को भी सुविधा मिलेगी। मेयर अर्चना वर्मा ने व्यापारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि बहादुरगंज में कोई नया पुरुष शौचालय नहीं बनेगा। पहले से संचालित शौचालयों का ही जीर्णोद्धार कराया जाएगा। इस दौरान जिला कोषाध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष सैयद अनवर मिया, महानगर महामंत्री रफी खान, संयुक्त महामंत्री मो नदीम, बहादुरगंज इकाई अध्यक्ष पवन गुप्ता, महामंत्री जुबैर खान, फैज खान, एहतेशाम मंसूरी आदि रहे।

न्यूज ब्रीफ

बंटवारे के विवाद में लाठी डंडे चले

कलान, अमृत विचार : थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी वाराकलां के अंतर्गत ग्राम दारानगर अर्थरी निवासी राम बहादुर ने थाने पर तहरीर देकर बताया कि परिवार में बृहस्पतिवार सुबह बंटवारे के दौरान दूसरे पक्ष के जयवीर और रामबहादुर यादव में कहासुनी होने लगी। गाली गलौज होने के बाद दोनों पक्ष लाठी डंडा आदि लेकर आ गए और मारपीट करने लगे। उधर, दूसरे पक्ष की मालादेवी पत्नी जयवीर यादव ने थाने पर प्रार्थना पत्र देकर बताया कि बंटवारे में पति विवाद के दौरान गए थे। दोनों पक्ष गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों से मारपीट करने लगे।

पेड़ काटने के विवाद में दंपती घायल

कलान, अमृत विचार : थाना क्षेत्र गांव नया गांव कुदरासी निवासी शेर सिंह यादव ने थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसका भाई सर्वेश यादव 23 नवंबर को साझेदारी का बाबुल का पेड़ काट रहा था। तभी उसको भाई नरवेश ने मना किया। तभी सर्वेश की पत्नी गुड्डी देवी लाठी डंडा लेकर आ गई। मारपीट कर उसे घायल कर दिया। घायल ने भाभी गुड्डी देवी की के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। उधर, सर्वेश ने भी रिपोर्ट दर्ज कराई है।

उप निरीक्षक प्रियवृत दुर्हूण का तबादला

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी के निर्देशन में स्थानीय थाना में तैनात उप निरीक्षक प्रियवृत दुर्हूण का स्थानांतरण कर उन्हें कोतवाली क्षेत्र की पुलिस चौकी बेरी का प्रभारी बनाया गया है। स्थानांतरण आदेश मिलते ही थाने में संक्षिप्त विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी उमेश कुमार मिश्र, अनेक उप निरीक्षक और थाना स्टाफ मौजूद रहा। सभी ने माल्यार्पण कर उप निरीक्षक प्रियवृत दुर्हूण को भावभीनी विदाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

युवक लापता, पुलिस से शिकायत

पुवायां, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला कसभरा तकिया निवासी नीरज मिश्रा पुत्र उमाशंकर मिश्रा कल शाम लगभग पांच बजे से घर से बिना बताए लापता हैं। परिवार के अनुसार नीरज बिना किसी सूचना के घर से निकले और वापस नहीं लौटे। परिजन नीरज की शीघ्र बरामदगी को लगातार खोजबीन में लगे हुए हैं। पुलिस को भी घटना की जानकारी दे दी गई है।

घातक हुआ कोहरा : अलग-अलग हादसों में दो की मौत, दो घायल

सेहरामऊ दक्षिणी और मदनापुर में बाइक सवारों की मौत, रिश्तेदार घायल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : कोहरा अब रफ्तार पर भारी पड़ने लगा है। जिले में कोहरे के चलते दृश्यता कम होने के कारण सेहरामऊ दक्षिणी में ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जबकि मदनपुर में अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक ने दम तोड़ दिया।

सेहरामऊ दक्षिणी कस्बा निवासी अंबुज दीक्षित (19) गुरुवार की सुबह घर से अपनी बहन सुधा को हाई स्कूल का प्रैक्टिकल परीक्षा दिलाने हरदोई जिले के गांव हुसैनापुर में स्थित इंटर कालेज बाइक से जा रहा था। बिशाप कला गांव के नाम से रेलवे फाटक के निकट ट्रैक्टर-ट्राली ने पीछे से बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार अंबुज की मौके पर मौत हो गयी और उसकी बहन सुधा घायल हो गयी। चालक ट्रैक्टर-ट्राली छोड़कर भाग गया। सूचना पर सेहरामऊ दक्षिणी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल सुधा को अस्पताल भेज दिया।

रोते बिलखते परिजन। ● अमृत विचार

● बहन को परीक्षा दिलाने जा रहा था युवक

विजय ने बताया कि उसका भाई अंबुज तबला वादक थे और वृंदावन में रहते थे। कई जगह कार्यक्रम करने के बाद पांच दिन पहले यहां आए थे।

उन्होंने सोचा था कि बहन को प्रैक्टिकल दिलाकर दोपहर बाद घर आ जाएगे। उसको आज ही वृंदावन जाना था।

मृतक चार भाइयों में तीसरे नंबर का था और उसकी मां का नाम सिम्मी देवी है। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, युवक की मौत

मदनापुर : थाना क्षेत्र के गांव नरहा निवासी जावेंद्र (25) अपने रिश्तेदार अमरपाल के साथ बुधवार की गांव दौलतपुर में नामकरण संस्कार की दावत खाने के लिए गए थे। दोनों लोग देर रात दौलतपुर गांव से बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। बुधवाना-मदनापुर मार्ग पर गैस एजेंसी के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों लोग घायल हो गए। मदनापुर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को सीएचसी पर भेज दिया। जहां डाक्टर ने जावेंद्र को मृत घोषित कर दिया। घायल को जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक खेतीबाड़ी करता था। उसके परिवार में पत्नी चांदनी, डेढ़ साल की एक बेटी, दो भाई रामविलास व उमेश तथा अविवाहित बहन वंदना है। माता का नाम संस्कार देवी है। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रुपये के लेनदेन को लेकर युवक से मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

मिर्जापुर, अमृत विचार : मिर्जापुर निवासी अरुणा देवी ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि मंगलवार शाम उनके बेटे श्यामसुंदर को रुपये के लेनदेन को लेकर मारपीट का शिकार बनाया गया। श्यामसुंदर ब्लॉक के पास एक मैरिज लान में डी जे का काम कर रहा था, तभी लगभग शाम सात बजे कलान कस्बा और थाना क्षेत्र के आयुष पुत्र प्रमोद वहां पहुंचा। आरोप है कि पैसे के लेनदेन को लेकर हुए विवाद के चलते आयुष पुत्र प्रमोद, प्रमोद, ओमप्रकाश पुत्रगण रामस्वरुप और चार अज्ञात लोग रघुवंशी पैलेस पहुंचे, जहां श्यामसुंदर काम कर रहा था। पीड़िता के अनुसार आरोपियों ने उसके बेटे को पकड़कर बुरी तरह पीटा और धमकी दी कि जब तक पैसे नहीं दोगे, ऐसे ही मारते रहेंगे और जान से मार देंगे। घटना में श्यामसुंदर को कई स्थानों पर गंभीर चोटें आई हैं। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की अग्रिम जांच शुरू कर दी है।

● मैरिज लान में काम कर रहे युवक पर हमला कई स्थानों पर गंभीर चोटें

घने कोहरे और कड़ाके की ठंड से जैतीपुर क्षेत्र प्रभावित

जैतीपुर क्षेत्र में छाया घना कोहरा। ● अमृत विचार

संवाददाता, जैतीपुर

अमृत विचार : क्षेत्र में गुरुवार मौसम का सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया।

सुबह घना कोहरा छा जाने से तिलहर-दातागंज स्टेट हाईवे पर वाहनों की रफ्तार काफी धीमी हो गई। दृश्यता कम होने के कारण वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर सावधानीपूर्वक चलना पड़ा।

क्षेत्र में तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे कड़ाके की ठंड और गलन महसूस हुई। कोहरे की घनी चादर के चलते दोपहर तक सूर्य के दर्शन नहीं हो सके।

ठंड बढ़ने से ग्रामीणों ने बचाव के लिए अलाव का सहारा लिया। आवश्यक कार्यों के लिए ही लोग घरों से बाहर निकले, जबकि अधिकांश समय लोग घरों में रहकर ठंड से बचते नजर आए।

● तापमान में भारी गिरावट, स्टेट हाईवे पर वाहनों की रफ्तार थमी

कुंडे से लटका मिला महिला का शव

● मृतका के भाई ने लगाया आरोप उत्पीड़न से परेशान होकर बहन पिंकी ने की आत्महत्या

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : महिला ने फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। खेत से रात को वापस आने पर पति समेत जब परिजनों ने महिला के शव को कुंडे से लटका देखा तो उनकी चीख निकल गई। महिला के मायके पक्ष ने आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए थाना मिर्जापुर में तहरीर दी है।

मिर्जापुर थाना क्षेत्र के गांव पहाड़पुर निवासी शिवम कुमार ने बताया कि पांच साल पहले उसकी शादी फर्रूखाबाद जिले के थाना राजेपुर के गांव पूरनपुर निवासिनी पिंकी (25) से हुई थी। बुधवार को वह व घर के अन्य लोग खेत पर पानी लगाने के लिए चले गए। रात 8 बजे जब वे लोग खेत से वापस आए तो देखा कि पिंकी का शव घर के बरामदे में कुंडे पर लटका है। शिवम व अन्य परिजनों ने आनन फानन में उसे फंदे से उतारा और डॉक्टर के पास ले गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंचे पिंकी के भाई दिनेश बताया कि शिवम शराब पीकर उसकी बहन को आए दिन मारता पीटता था और खर्चे के लिए पैसे नहीं देता था। आरोप है कि ससुराल वाले पांच दिन से पिंकी से फोन पर बात नहीं करायी। आरोप है कि पति व ससुराल पक्ष के लोगों के उत्पीड़न से परेशान होकर पिंकी ने फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली है।

पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतका के गमगीन परिजन। ● अमृत विचार

पिंकी के ढाई साल की बेटी है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सड़क हादसों में दो लोग घायल

खुटार, अमृत विचार : अलग-अलग सड़क हादसों में गुरुवार को दो लोग घायल हो गए। हालत गंभीर होने पर दोनों को हायर सेंटर भेजा गया है। गांव कोल्हूगाढ़ा निवासी इंद्रजीत सिंह (35) गुरुवार दोपहर करीब ढाई बजे बाइक लेकर खुटार मार्केट आ रहे थे। तभी खुटार-मैलानी रोड पर बाबा चौराहा के समीप वाहन को बचाने के फेर में वह सड़क पर गिर गए और घायल हो गए। परिजनों ने लोगों की मदद से घायल इंद्रजीत सिंह को खुटार सीएचसी में भर्ती कराया। उधर, गांव नगरा के रहने वाले लालजीत (50) साइकिल से खुटार में सामान खरीदकर वापस घर लौट रहे थे। गांव की मोड़ के पास अज्ञात वाहन ने उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी और घायल हो गए। परिजन उन्हें खुटार सीएचसी ले गए। यहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

कीचड़ में मिला अज्ञात युवक का शव

● पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा मौत का कारण, नहीं हो सकी शव की शिनाख्त

संवाददाता, रोजा/शाहजहांपुर

अमृत विचार : रोजा मंडी के पीछे रेलवे की जमीन पर पानी से भरे गड्ढे में एक अज्ञात युवक का शव मिला है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि नशे की हालत में कीचड़ में गिरने से दम घुटने से मौत हुई होगी।

रोजा मंडी के पीछे गुरुवार की सुबह 8 बजे लोग निकल रहे थे। लोगों ने देखा कि रेलवे की जमीन पर पानी भरे गड्ढे में एक युवक का शव पड़ा है। लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर प्रभारी निरीक्षे राजीव कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कीचड़ से शव को बाहर निकलवाया। उसके शरीर में कही चोट के निशान नहीं थे। मृतक की उम्र करीब 35 साल होगी और हरी रंग की पैंट व चारखाना रंग की शर्ट पहने हुए था।

मौके पर जांच करती पुलिस की टीम। ● अमृत विचार

पुलिस लाइन से फोरेसिंक टीम मौके पर पहुंची और जांच करके नमूना एकत्र किए। आंशका व्यक्त की जा रही है कि युवक शराब के नशे में होने से गड्ढे में कीचड़ में गिर गया होगा।

उसकी दम घुटने से मौत हो सकती है। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया और शव की शिनाख्त नहीं हो पायी है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा।

महिला ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

● फॉरेंसिक टीम के आने के बाद कमरा खोलकर शव उतारा

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचार : संदिग्ध परिस्थितियों में कमरा बंद करके महिला फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर जांच पड़ताल की। देर शाम फॉरेंसिक टीम आने के बाद कमरा खोल कर महिला के शव को उतारा गया।

बिलहरी गांव निवासी राकेश गंगवार ने बताया कि उनका पुत्र जितेंद्र गंगवार चीनी मिल में संविदा कर्मचारी हैं और उसकी शादी लगभग 4 वर्ष पहले पूरनपुर की छाया के साथ हुई थी। बुधवार की रात 2 बजे वह ड्यूटी पर चला गया था और घर पर उसकी पत्नी मुन्नी, जितेंद्र की पत्नी छाया, तीन वर्षीय पोती आरुषि थे। उन्होंने बताया कि गुरुवार की सुबह खाना बनाने के बाद छाया कमरे में चली गई थी। छाया देवी लगभग 11 तक जब कमरे से नहीं निकली तो उनकी पत्नी मुन्नी ने आवाज लगाई लेकिन कोई कमरे के अंदर से आवाज नहीं आई। इस पर उन्होंने पड़ोस के कमरे में जाकर रोशनदान से दूसरे कमरे में झांक कर देखा तो छाया कमरे के कुंड में फांसी से लटकी थी। इससे पहले भयभीत हो गए और उन लोगों ने सूचना अपने पुत्र जितेंद्र को दी। चीनी मिल से जितेंद्र घर आया लेकिन कई घंटे तक इसकी सूचना पुलिस को नहीं दी। गांव में चर्चा होने के बाद सूचना पुलिस को दी गई। प्रभारी कोतवाल सुनील कुमार यादव पुलिस टीम के साथ जितेंद्र के घर पहुंचे। कमरा अंदर से बंद होने के कारण अधिकारियों के निर्देश पर देर शाम फॉरेंसिक टीम ने पहुंचकर कमरा खोलकर शव को उतारा। उधर प्रभारी कोतवाल सुनील कुमार यादव ने बताया कि उसके परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को पीएम के लिए भिजवाया जा रहा है

मौके पर जांच पड़ताल करते पुलिस अधिकारी। ● अमृत विचार

मृतका छाया।

कमरे में फंदे से लटका मिला महिला का शव

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● पिता ने दहेज के लिए हत्या करने का लगाया आरोप

अमृत विचार: मिर्जापुर थाना क्षेत्र में एक महिला का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। ससुराल वालों ने उसका शव उतार लिया। मृतका के मायके वाले पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मृतका के मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाया है।

मिर्जापुर थाना क्षेत्र के कुतुलपुर निवासी सत्येंद्र की चार साल पहले शादी 24 वर्षीय नीलेश निवासी पंचायत वार्ड 11 थाना उसावां जिला बदायूं के साथ हुई थी। उसकी पत्नी गुरुवार की सुबह एक कमरे में कुंडे से दुप्ट्टे का फंदा गले में डालकर आत्महत्या कर ली है। मृतका के पति ने ससुराल में सूचना दी। सुनील कुमार दोपहर बाद अपनी बेटी की ससुराल पहुंचे ओर बेटी नीलेश का शव जमीन पर रखा पाया। उन्होंने थाना पर सूचना दी। थाना प्रभारी सोनी शुक्ला सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंची। मृतका के पिता ने आरोप लगाते हुए बताया कि उसने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था और दहेज से ससुराल वाले संतुष्ट नहीं थे। उसकी पुत्री को परेशान करते थे। उनका आरोप है कि दहेज के चक्कर में उसकी पुत्री को मारकर शव कुंडे से लटका दिया है। फोरेसिंक टीम मौके पर पहुंची ओर साक्ष्य जुटाए। थाना प्रभारी ने बताया कि मायके वालों की तरफ से कोई तहरीर नही मिली है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

न्यूज डायरी

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में महिला गिरफ्तार

संवाददाता, पुवायां, अमृत विचार : आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में पुलिस आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिय है। पुलिस ने बताया कि 25 नवंबर को ग्राम भिलावा निवासी करण सिंह ने थाना में तहरीर देकर ग्राम उदारा निवासिनी सरोजनी, बब्लू, अवधेश तथा शिव सिंह ने मुकदमे में राजीनामा न करने पर उनके पुत्र देवेश की गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। विवेचना में मामला आत्महत्या के लिए उकसाने का सामने आया। इस प्रकरण में पुलिस ने सरोजनी देवी को गिरफ्तार कर लिया।

हादसे में घायल किसान की मौत

बंडा, अमृत विचार : गांव उदरा निवासी 27 वर्षीय रामदयाल सिंह बीती 10 दिसंबर सोमवार को खेत से काम करके लौटकर पैदल घर जा रहे थे। जैसे ही वह गैस गोदाम के समीप पहुंचा, तभी पीछे से जा रहे नीले-सफेद रंग के ट्रॉली लगे स्व-ट्रैक्टर ने तेज रफ्तार में उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। ट्रैक्टर का चालक राजीव यादव निवासी उदरा (टिकरी) बताया जा रहा है, जो घटना के बाद वाहन सहित मौके से फरार हो गया। टक्कर लगने से रामदयाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को पास में मौजूद गांव के नन्हे सिंह ने देखा और परिजनों को सूचना दी। परिजन तत्काल घायल को बरेली स्थित प्रिया अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी खुशबू ने थाने पर प्रार्थना पत्र देकर आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की जान गई

निगोही/शाहजहांपुर, अमृत विचार : मिश्रीपुर गांव के सामने ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार घायल हो गया। पुलिस ने घायल को सीएचसी पर भेज दिया। जहां डॉक्टर ने घायल को मृत घोषित कर दिया। निगोही थाना क्षेत्र के गांव गुरगवां निवासी 32 वर्षीय प्रवीण कुमार गुरुवार की दोपहर बाद निगोही बाजार किसी काम से आया था। वह शाम 7 बजे निगोही से अपने गांव बाइक से जा रहा था। रास्ते में मिश्रीपुर गांव के सामने ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार घायल हो गया। पुलिस ने घायल को सीएचसी पर भेज दिया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। चालक ट्रैक्टर-ट्राली लेकर भाग गया। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग को ले जाने वाला पकड़ा

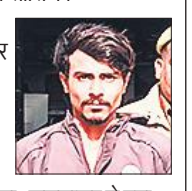

संवाददाता, पुवायां, अमृत विचार : किशोारी को बहलाफुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। किशोरी को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। 30 अक्तूबर 2025 को महिला ने थाना पुवायां में तहरीर देकर बताया था कि उनकी 15 वर्षीय पुत्री को अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर ले गया है। मामले में थाना में मुकदमा दर्ज कर उच्चाधिकारियों के निर्देश पर जांच टीम गठित की गई थी। पुलिस को जानकारी मिली कि किशोरी और आरोपी युवक कहीं जाने की फिराक में मोहम्मदी मोड़ पर खड़े हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया। किशोरी ने बताया कि आरोपी भूपेन्द्र ने मंदिर में उसके साथ शादी कर ली है और उसके साथ सम्बन्ध भी बनाए हैं। वहीं युवक ने बताया कि उसका नाम भूपेन्द्र पुत्र मुंशीराम, निवासी गांव छव्वा, थाना कोसली, जनपद रेवाड़ी (हरियाणा) हैं। पुलिस आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर थाने ले आई।

पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार थाना क्षेत्र के गांव चिनौर स्थित गुलमर्ग कालोनी निवासी रमनदीप कौर ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसकी शादी दो साल पहले अमृत पाल सिंह निवासी सिकलापुर थाना खुटार के साथ हुई थी। शादी के बाद ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे थे। उसने पति तथाअन्य लोगों पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़िता ने बताया कि बीस दिन पूर्व वह अपने पिता बलविन्दर के साथ कचहरी में तारीख पर गयी थी। कचहरी रोड पर पति और अन्य लोगों ने धमकी देते हुए कहा मुकदमा वापस नहीं लिया तो जान से मार देगे और लाश का पता नहीं चलेगा। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गोवंश से टकराने पर बाइक सवार दंपती घायल, अस्पताल में भर्ती

तिलहर, अमृत विचार : पत्नी को मायके छोड़ने जा रहे युवक की बाइक सड़क पर गौवंश से टकरा गई। जिससे गर्भवती महिला व उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनो को सीएचसी से जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। कलान निवासी अमित कुमार पुत्र श्रीपाल 25 अपनी आठ माह की गर्भवती पत्नी रेखा 25 को बाइक से लेकर फतेहगंज पूर्वी थाना क्षेत्र के गांव सौलिया स्थित ससुराल छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान गुरुवार शाम 7 बजे मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव हैदलपुर के पास सड़क पर गोवंश आ जाने से बाइक टकरा गई। जिससे रेखा व अमित दोनों गम्भीर रूप से घायल हो गए। 108 एंबुलेंस से सीएचसी लाया गया। जहां से गंभीर अवस्था में दोनों को जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहीं दूसरी तरफ अंकित नामक युवक नगरिया मोड़ के समीप शाम सात बजे हाईवे क्रॉस करते समय बाइक डिवाइडर से जा टकराई। जिससे अंकित गम्भीर रूप से घायल हो गया। नगरिया मोड चौकी इंचार्ज विशेष कुमार ने बताया घायल को जिला अस्पताल एंबुलेंस की सहायता से भेज दिया गया है।

आईजीआरएस में प्रथम स्थान पाने पर सिपाही सम्मानित

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर थाना में आईजीआरएस मासिक मूल्यांकन में लगातार छह माह से उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान पाने वाले सिपाही अरविंद सिंह को एसपी राजेश द्विवेदी ने पांच हजार रुपये की नगद राशि देकर सम्मानित किया है। सिपाही अरविंद सिंह ने थाना सदर बाजार में मई 2025 से अक्टूबर 2025 तक लगातार तक छह माह तक प्रदेश में प्रथम रैंक प्राप्त करने का रिकार्ड बनाया है। सिपाही ने सभी शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और नियमबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया है। उनकी कार्यशैली को लेकर थाना पर कोई भी शिकायत लंबित नहीं रही है। सिपाही अरविंद सिंह ने प्रत्येक प्रकरण का निर्धारित समय सीमा में निस्तारण और तथ्यों की सटीक जांच की है। एसपी ने अपने कार्यालय में सिपाही को सम्मानित करते हुए कहा कि ऐसे प्रोत्साहन से अन्य पुलिस कर्मी भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे। यह सम्मान सभी पुलिस कर्मियों को उत्तरदायित्व, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण और जनता से संवाद सुधार के लिए प्रेरित करने वाला संदेश है। इस अवसर एएसपी सिटी, सीओ सिटी आदि स्टाफ मौजूद रहा।

सिपाही को सम्मानित करते एसपी।

जेब काटकर निकाले 44 हजार रुपये

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● मिर्जापुर का रास्ता पूछने के बहाने व्यक्ति को कार में बैठाया

● जेब काटकर कार से उतारा और फरार हो गया चालक, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : मिर्जापुर जाने का रास्ता पूछने के बहाने एक व्यक्ति को कार में बैठा लिया। रास्ते में उसकी जेब काटकर 44 हजार रुपये निकाल लिए। चालक ने कहा कि उतरकर देखो कार क्यों लहरा रही है। व्यक्ति कार से उतरा और चालक कार लेकर निकल गया।

रोजा थाना क्षेत्र के मोहल्ला सिटी पार्क कालोनी निवासी अनुराग त्रिवेदी ने रोजा थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि 9 दिसंबर को सुबह 10 बजे बरेली मोड़ ओवरब्रिज के नीचे तहसील जलालाबाद जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रहा था। उसके पास एक कार आकर रुकी। चालक ने मिर्जापुर जाने के लिए रास्ता पूछा। कार में आगे दो लोग और एक व्यक्ति पीछे बैठा था। चालक ने उससे पूछा कि कहां जाएंगे। उसने चालक को बताया कि जलालाबाद जाना है। चालक ने उससे कहा कि कार में बैठकर साथ में जलालाबाद निकल चलो। अनुराग ने चालक से कहा कि पीछे बस आ रही है, उससे निकल जाऊंगा।

चालक ने आत्मीयता दिखाते हुए बार-बार कार में बैठने के लिए कहा था। वह कार में पीछे वाली सीट पर बैठ गया। चालक ने उससे कहा कि शाकर सही नहीं है, इसलिए आगे की सीट पर आकर बैठ जाओ। उसने चालक से कहा कि आगे बैठने में नहीं बनेगा। चालक ने झांसे में लेते हुए कार में अगली सीट पर बैठा लिया। चालक ने जलालाबाद रोड पर केमिकल फैक्ट्री के सामने उससे कहा कि साइड मिरर का शीशा सेट कर दो। पीड़ित ने उचक-उचककर तीन बार शीशा सेट किया। जब तक कार इण्डेन गैस प्लांट के सामने पहुंची तो चालक ने कार की स्पीड कम की और कार को लहराने लगा। चालक ने उससे कहा कि उतरकर देखो पहिये में कोई कमी है, जो लहरा रही है। पीड़ित कार से उतरा तो चालक ने कार को स्पीड में दौड़ा कर ले गया। पीड़ित ने देखा कि उसकी जेब कटी हुई थी और 44 हजार रुपये निकल चुके थे। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज कर ली है और विवेचना की जा रही है।

एकता पर हमलावर तत्वों को जगह नहीं

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की विशेष बैठक में बोले जिलाध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

प्रेस वार्ता में शिक्षक संघ की एकजुटता प्रदर्शित करते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की प्रेसवार्ता और विशेष बैठक महानगर के एक रेस्टोरेंट में हुई। इस दौरान जिला अध्यक्ष मुनीश मिश्र ने कहा कि संगठन प्रांतीय निर्देशों और संविधान के अनुसार संचालित होता है तथा किसी भी स्तर पर अनुशासनहीनता स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि कुछ पदलोलुप शिक्षक प्रतिदिन संगठन बदलते रहते हैं, लेकिन ऐसे लोग शिक्षक एकजुटता को कमजोर करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश नेतृत्व डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा और संजय सिंह के मार्गदर्शन में शिक्षक वर्षों से एकजुट होकर आंदोलनों में भाग लेते रहे हैं, जिससे संगठन की साख और ताकत बनी है। विभिन्न विकास खंडों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने स्पष्ट संकेत दिया कि जिले में संघ मुनीश मिश्र और देवेश बाजपेई के नेतृत्व में मजबूत और एकजुट स्थिति में है। जिला मंत्री देवेश बाजपेई ने बताया कि कुछ लोग शिक्षकों को भ्रमित कर रहे हैं कि आठ ब्लॉक शाखाएं उनके नियंत्रण में हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि अनुशासनहीनता की वजह से निष्कासित व्यक्तियों का न तो संगठन से कोई संबंध है और न ही वे किसी पद पर हैं। उन्होंने कहा कि संघ संविधान के अनुसार आठों विकास खंडों में संघ संयोजकों के नेतृत्व में तदर्थ समितियां बनाई गई हैं, जो सदस्यता सूची तैयार कर रही हैं। उन्होंने बताया कि 15 दिनों के भीतर पूर्णतः वैधानिक और पारदर्शी निर्वाचन कराकर नई कार्यकारिणी का गठन कर दिया जाएगा। प्रेस वार्ता में जिला मीडिया प्रभारी और अध्यक्ष भावलखेड़ा, राजकुमार तिवारी ने कहा कि संघ के सभी चुनाव प्रांतीय कार्यकारिणी के निर्देशों और संविधान के अनुरूप ही कराए जाते हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में प्रांतीय आदेश पर जिले में निर्वाचन प्रक्रिया शुरू की गई थी और तैयारी भी पूरी हो चुकी थी, लेकिन बाद में प्रांतीय निर्देशानुसार चुनाव स्थगित कर दिए गए। उन्होंने कहा कि जैसे ही नया आदेश मिलेगा, जिले में निष्पक्ष, पारदर्शी और 100 प्रतिशत संवैधानिक चुनाव कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि तदर्थ समिति वाले विकास खंडों में भी संघ संयोजकों के नेतृत्व में निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यशपाल सिंह यादव को जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद से हटाते हुए उन्हें प्राथमिक सदस्यता से छह वर्ष के लिए निष्कासित किया जाए।

- **संघ जिले के सभी ब्लॉकों में सक्रिय, तदर्थ समितियों के माध्यम से जल्द होंगे निर्वाचन**
- **संगठन के सिद्धांतों पर अडिग शिक्षक संघ, अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं**

संघ जिले के हर विकास खंड में सक्रिय

प्रेस वार्ता में जिले के सभी विकास खंडों के अध्यक्ष, मंत्री, संयोजक और सह–संयोजक उपस्थित रहे। सभी ने क्रमवार परिचय देते हुए बताया कि सभी ब्लॉकों में संघ की अधिकृत कार्यकारिणी सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। उपस्थित प्रमुख पदाधिकारियों में रविन्द्र पाल प्रजापति, राजकुमार तिवारी, डॉ. विनय गुप्ता, प्रदीप सिंह, शिवकिशोर मिश्रा, अश्विनी अवस्थी, नवेन्दु मिश्रा, संजय मिश्रा, उमेश चन्द्र सक्सेना, देवेन्द्र सिंह, अभिनय मिश्रा, विकास मिश्रा, आलोक अवस्थी, सुनील सिंह, संजीव सिंह, आनंद गंगवार, इमरान सईद सहित अन्य विकास खंडों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष मुनीश मिश्र ने कहा कि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ वह वटवृक्ष है जिसकी छांव में शिक्षकों ने सम्मानजनक जीवन प्राप्त किया है। संगठन विरोधी गतिविधियों में संलग्न व्यक्ति को संघ से तत्काल बाहर किया जाएगा।

> मुनीश मिश्रा को कोई अधिकार नहीं है। पहले ही इनकी पूरी कमेटी को निष्कासित किया जा चुका है। हमारा संगठन पूरी तरह से मान्य है। जल्द ही संगठनात्मक चुनाव हैं और पदाधिकारी चुन कर आएंगे।
>
> **–यशपाल सिंह,** शिक्षक नेता

अजामिल चरित्र का वर्णन सुन श्रोता हुए भाव विभोर

खुटार, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव चांदपुर में चल रही सात दिवसीय श्री राम कथा कार्यक्रम के चतुर्थ दिवस पर श्रद्धा और भक्ति का माहौल छाया रहा। नैमिष धाम से पधारे कथा व्यास पंडित सुरेश चंद्र अवस्थी महाराज के कृपा पात्र शिष्य कथा व्यास पंडित शिवा शुक्ल जी महाराज ने अपने मधुर वाणी से अजामिल चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा पंडाल में अवधेश पांडे, आशाराम शुक्ला, शिवराम सहित बड़ी संख्या में श्रोता रहे।

यातायात नियमों की दी जानकारी

संवाददाता, खुटार

कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे व अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: क्षेत्र के गांव रामपुर कलां में स्थित शहीद उधम सिंह इंटर कॉलेज में गुरुवार को मिशन शक्ति व यातायात गोष्ठी को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता थाना प्रभारी आरके रावत ने की।

कॉलेज के कक्षा 6 से 12 तक के बच्चों को मिशन शक्ति के बारे में बताया गया। थाना प्रभारी आरके रावत ने कहा कि कहीं भी किसी प्रकार की कोई समस्या हो तो सरकार द्वारा संचालित आपातकालीन सेवा 112 डायल कर तत्काल सुरक्षा पाए व साइबर अपराध के बारे में भी छात्र-छात्राओं को बारीकी से जानकारी दी। उसके बाद उन्होंने यातायात माह के चलते यातायात नियमों के पालन करने के भी नियम बताए। थाना प्रभारी ने कहा कि कोई भी छात्र बाइक स्कूटर स्कूटी बगैर ड्राइविंग लाइसेंस के ना चलाएं। बाइक चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें। महिला दरोगा जागृति आर्या ने भी छात्राओं को मिशन शक्ति की योजनाओं की विस्तृत रूप से जानकारी दी। कॉलेज के प्रधानाचार्य सर्वजीत सिंह सिद्धू ने विचार व्यक्त किए।

- **छात्र-छात्राओं को मिशन शक्ति व यातायात नियमों के बताए गए नियम**

सूची से कट सकते दो लाख से अधिक नाम

पीलीभीत : जनपद में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत गुरुवार तक 99.92 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के बाद पीलीभीत में मतदाता सूची में दो लाख से अधिक लोगों के नाम पर कैंची चल सकती है। यह ज्यादातर वोटर या तो यहां से कहीं अन्य शिफ्ट हो चुके हैं या फिर उनकी मृत्यु हो चुकी हैं। वहीं बरखेड़ा विधानसभा को छोड़कर शेष बची तीन विधानसभा क्षेत्र में 1206 लोग बीएलओ को ढूंढे नहीं मिल रहे हैं। हालांकि जिम्मेदारों का दावा है कि इन सभी को जल्द ढूंढ लिया जाएगा। अफसरों का दावा है कि जनपद में 1467985 वोटरों के सापेक्ष 1466782 वोटरों की जांच पूरी हो चुकी है।

अंजुमन इदरीसिया की बैठक में हुए कई अहम फैसले

राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मो नफीस इदरीसी का स्वागत करते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : सामाजिक संस्था अंजुमन इदरीसिया की जिला इकाई की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मो नफीस इदरीसी ने कई अहम फैसले लिए। जिला कोषाध्यक्ष सलीमुद्दीन इदरीसी के आवास पर हुई बैठक में हाजी मो नफीस इदरीसी ने कहा कि अगर हम सबने मिलकर बिरादरी के उत्थान की जिम्मेदारी ली है तो इस जमीन पर उतरने के लिऐ सबको मिलकर मेहनत करना होगी।

हाजी मो नफ़ीस ने शाहजहांपुर की नवगठित जिला यूनिट के पदाधिकारी हाजी जलालुद्दीन इदरीसी संरक्षक नौशाद हसन इदरीसी जिला अध्यक्ष, फैजान हुसैन इदरीसी उपाध्यक्ष, सलीमुद्दीन इदरीसी कोषाध्यक्ष, मुबीन अहमद इदरीसी सचिव और मो हारून इदरीसी नगर सयोजक से मुलाक़ात की। प्रदेश सचिव मो नकी इदरीसी, अहमद मुबीन इदरीसी ने विचार व्यक्त किए। वहीं प्रदेश कोषाध्यक्ष हाजी हफीजुद्दीन इदरीसी ने बताया कि जल्द ही शहर में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जायेगा। ज़िला सचिव मुबीन अहमद इदरीसी ने कमेटी गठन करने की बात कही।

- **राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मो नफ़ीस इदरीसी ने दिए पदाधिकारियों जरूरी दायित्व**

समय से परीक्षा फार्म भरने के दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

बैठक में मदरसा संचालकों को सम्बोधित करते प्रधानाचार्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद द्वारा संचालित मुंशी, मौलवी एवं आलिम परीक्षा वर्ष 2026 के फॉर्म भरने की प्रक्रिया को सुचारू एवं मानक के अनुरूप सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मदरसा संचालकों की बैठक मदरसा फैज़-ए-आम बाड़ूजई में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ सहायक ज़ीशान इलाही ने की। बैठक में जिले भर के सभी मदरसा संचालकों को समय से एवं निर्धारित मानकों के अनुसार परीक्षा फॉर्म भरने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि परिषद द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों में किसी प्रकार की त्रुटि या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विद्यार्थियों के दस्तावेज, कोर्स के अनुसार विषय चयन, एवं ऑनलाइन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण को सही जानकारी के साथ पूरा करने को कहा। बैठक में अनुपस्थित मदरसा संचालकों से स्पष्टीकरण तलब जाएगा। इस मौके पर मदरसा प्रशासन से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा हुई, जिनमें छात्र पंजीकरण, वार्षिक परीक्षा की समय-सारिणी, तथा ऑनलाइन पोर्टल पर तकनीकी समस्याओं के समाधान जैसे विषय शामिल रहे। बैठक में मौलाना इमरान,खान, हाफिज इमरान रजा, जावेद अख्तर कासमी, सरताज, इब्ने अली खान, इकबाल हुसैन उर्फ फूल मियां, डॉ आसिम, रिज़वान, मोहम्मद इरफान आदि मौजूद रहे।

NSSH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन
डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन
डॉक्टर्स पैनल

डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन	डा. ओमवती एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ	डा. अहमद अली अंसारी एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ	डा. कुन्दन कुमार एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन	डा. अमन अग्रवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन	डा. निशान्त गुप्ता एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. प्रिया सिंह एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. रहबर इदरीश बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ	डा. राजा गुप्ता बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.

उपलब्ध सुविधायें :
● सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज ● दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। ● छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण ● घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध ● नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन ● बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज ● वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU
डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीर वाले ऑपरेशन की सुविधा
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर
डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
सुविधायें
● सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
● रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
● ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
● दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
● सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
● दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
● गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
● रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
● बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
● अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
● रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
● लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रातः 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट)
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)
निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षो का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

न्यूज ब्रीफ

चीनी मिल ने किया 1.10 करोड़ का भुगतान

बदायूं, अमृत विचार : बिसौली चीनी मिल ने चालू गन्ना पेराई सत्र का भुगतान शुरू कर दिया है। गुरुवार को मिल द्वारा गन्ना किसानों को एक करोड़ दस लाख का भुगतान किया है। यह भुगतान 241 किसानों को किया गया है। बिसौली चीनी मिल इससे पहले भी गन्ना किसानों को भुगतान कर चुकी है। जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने बताया कि बिसौली की चीनी मिल पर पिछले साल का गन्ना किसानों का करीब 18 करोड़ का बकाया है जिसका जल्द ळी भुगतान करा दिया जाएगा। मिल प्रशासन द्वारा चालू पेराई सत्र का भुगतान शुरू कर दिया गया है जिससे गन्ना किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो।

महिला की मौत हत्या का आरोप

बदायूं, अमृत विचार : कोतवाली बिसौली क्षेत्र के गांव कमालपुर निवासी पुष्पा (24) पुत्र जगपाल की शादी तकरीबन छह साल पहले उघैती थाना क्षेत्र के गांव गन्दरौली निवासी रामबाबू के साथ हुई थी। महिला का कोई बच्चा नहीं था। गुरुवार को महिला की मौत हो गई। सूचना मिलने पर परिजन पहुंचे। अतिरिक्त दहेज के लिए महिला की हत्या करने का आरोप लगाया। मायका पक्ष ने कहा कि ससुरालीजन पांच लाख रुपये और बाइक की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न करने पर उन्होंने विषाक्त पदार्थ खिलाकर हत्या की है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में युवक की जान गई

बदायूं, अमृत विचार : बिसौली कोतवाली क्षेत्र में गांव बसई निवासी देवेंद्र बुधवार रात खाना खाने के बाद दुकान पर पैदल जा रहे थे। इस दौरान वाहन ने टक्कर मार दी। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस और परिजन पहुंचे। पुलिस ने गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

लेखपाल समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बदायूं, अमृत विचार : सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नाहर खां सराय निवासी राशिद हुसैन ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर हल्का लेखपाल, उर्मिला देवी, गौरव मिश्रा और सौरभ मिश्रा के खिलाफ आरोप लगाया था। इसमें उन्होंने उनके साथ जमीन संबंधी धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया था। सहसवान पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है।

श्वांस के मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत

सर्दी से बचाव के लिए जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने दी सलाह, बरतें सावधानी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सर्द मौसम मरीजों को जानलेवा साबित होता है। लापरवाही बरतने पर लोगों को कई तरह की परेशानियां होती हैं, लेकिन चिकित्सकों का कहना है कि सर्द मौसम में घर से बाहर कम निकलें। हर समय गर्म कपड़े पहने और गर्म पानी पीते रहे। श्वांस और टीबी के मरीजों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए जिससे उनके फेफड़े जीवित रहें और काम करते रहें।

सर्द मौसम में मुख्य रूप से श्वास रोगी हर समय परेशान रहते हैं। दमा रोगियों को ठंड में बड़ी परेशानी होती है। इस समय दिन में धूप और रात को गहरी सर्द हवा से लोगों को बीमारियां पनपती हैं इसलिए इन दिनों में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। जिला अस्पताल के फिजीशियन डॉ. एसएम कमल ने गुरुवार को बताया कि बढ़ती ठंड से श्वांस रोगियों को अधिक परेशानी होती है। उनके फेफड़े पूरे नहीं खुल पाते हैं जिससे उन्हें श्वांस की समस्या बढ़ जाती है। इसलिए ऐसे मरीजों को बहुत कम बाहर निकलना चाहिए। हर समय गर्म कपड़े ही पहनें और गर्म पानी लेते रहें। अधिक समय बाहर काम करते रहने से शरीर का तापमान काफी नीचे आ जाता है इसलिए हल्का कार्य करें और दिनचर्या को अपने स्वास्थ्य के अनुसार बनाएं। उन्होंने बताया कि सर्दी से बचाव को सुबह शाम घर से बाहर न निकलें। गर्म और ताजा भोजन ही लें। ठंडा पानी कतई न लें। हार्ट, शुगर के मरीजों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। रात को अधिक देर तक न जागें। सर्द मौसम में ब्लड प्रेशर धीमा रहता है इसलिए शारीरिक श्रम भी करते रहें। सोते समय गर्म पानी लें।

जिला अस्पाल में मरीजों को देखते डॉ. एसएम कमल। ● अमृत विचार

अधिक सर्दी से निमोनिया होने का खतरा

बाज रोग विशेषज्ञ डॉ. कप्तान सिंह ने बताया कि इस मौसम में छोटे बच्चों को मुख्य रूप से छह से एक साल तक के शिशुओं को अधिक सर्दी निमोनिया होने का खतरा रहता है इसलिए छोटे बच्चों को गर्म कपड़े में ही रखें, गर्म पानी से नहलाएं। बार-बार कपड़े बदलते रहे जिससे शिशु को गर्माहट मिलती रहे। श्वास तेज चलने पर डॉक्टर को दिखाएं। डॉक्टर की सलाह से ही दवा लें। एक से पांच साल तक के बच्चों को नियमित नहलाएं और उन्हें धूप में अधिक समय तक रहने को कहें। बच्चों की त्वचा मुलायम होती है जिससे सर्द हवा से उनको खतरा रहता है। बच्चों की देखभाल में लापरवाही न बरतें।

तले हुए भोजन से करें परहेज

चिकित्सकों का कहना है कि तैलीय भोजन से परहेज करें। हल्का हरा साग सब्जी का सेवन अधिक मात्रा में करें। नमक तेज न लें। यदि संभव हो तो दिन में एक बार अंडे का सेवन जरूर करें। पालक की दाल खाने से शरीर में गर्मी रहती है। फलों का सेवन करते रहें। कोई भी फल ठंडा न लें। कीवी और पपीता का सेवन करते रहें। भोजन करने का समय निर्धारित करें जिससे अपच की समस्या से बचा जा सके। रात को भोजन न करें।

मोतियाबिंद के मरीजों की बढ़ रही संख्या, बचाव नहीं कर रहे मरीज, ऑपरेशन कराने की सलाह

मरीज की आंख देखते डॉ. पीयूष मोहन अग्रवाल। ● अमृत विचार

बदायूं, अमृत विचार : मोतियाबिंद के मरीजों की संख्या अब लगातार बढ़ती जा रही है। मरीज मोतियाबिंद का समय पर ऑपरेशन नहीं करा रहे हैं जिससे आंख में काला पानी बनने का खतरा बढ़ जाता है। काले पानी से आंख की रोशनी खत्म होने की संभावना रहती है। गुरुवार को जिला अस्पताल स्थित नेत्र चिकित्सालय में मोतियाबिंद के 37 मरीजों ने ऑपरेशन कराए। साथ ही 81 मरीजों को मोतियाबिंद पकने की दवा दी गयी जिससे उनका ऑपरेशन किया जा सके। नेत्र चिकित्सक डा. पीयूष मोहन ने बताया कि अब मोतियाबिंद के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है इसलिए हर दिन 30 से 40 मरीजों के ऑपरेशन करने पड़ रहे हैं। कहा कि मोतियाबिंद बनने के बाद मरीज लापरवाही बरतते हैं जिससे समस्या और जटिल हो जाती है। समय पर ऑपरेशन न कराने पर नौ लोगों की आंख में काला पानी बन चुका है। पिछले तीन महीने से उनकी दवा जारी है अब ऑपरेशन कराने की बात कह रहे हैं इन मरीजों की आंख की रोशनी खत्म होने के कगार पर है। उन्होने कहा कि मोतियाविंद का आपरेशन समय पर करा लेना चाहिए। जिससे आंख ठीक रहे।

13 को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

बदायूं, अमृत विचार : अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शिव कुमारी ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जनपद न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष विवेक संगल के मार्गदर्शन में 13 दिसंबर को सुबह 10 बजे से न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में आकर लाभ पक्षी के मध्य आपसी सुलह समझौते के आधार पर विवाद का निस्तारण, पक्षकार व्यक्तिगत स्तर पर खुद पहल कर सकता है। लोक अदालत में निस्तारण के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क देय नहीं है। सिविल प्रकृति को लंबित मामलों के लोक अदालत में आपसी सुलह के आधार पर निस्तारित वाद पर न्याय शुल्क की वापसी की व्यवस्था, लोक अदालत में निर्णय के विरुद्ध कोई अपील नहीं कानूनी जटिलताओं से परे लोक अदालत की प्रक्रिया सहज एवं सुलभ और आपसी समझौते पर आधारित होती है।

वार्डों में लगेंगे हीटर, खिड़की पर जाली

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मरीजों को ठंड से बचाने को सरकारी अस्पतालों के वार्डों में हीटर लगाने शुरू कर दिए गए हैं। वार्डो की बिंडों बंद कर उसमें जाली लगाई जा रही है। जिला अस्पताल में बुद्धवार को पहले दिन सोलह हीटर लगाए गए।

शासन के आदेश के बाद मुख्य चिकत्सा अधिकारी डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने आदेश दिया कि अब सर्दी शुरू हो चुकी है। मरीजों को ठंड से बचाने के लिए सभी वार्डों में हीटर लगाए जाएं। खिड़की बंद रखी जाएं। उन पर जाली लगा कर मरीजों को आराम दिया जाए। आदेशों के बाद बुधवार को जिला अस्पताल में काम शुरू कर दिया गया। जिला अस्पताल में गुरुवार को पहले दिन 16 हीटर लगाए गए। सभी खिड़की बंद कर दी गई। उनके ऊपर जाली लगाई गई है। पहले दिन 14 वार्डों में काम किया गया। इमरजेंसी में दो हीटर लगाए गए हैं। जिससे यहां पर भर्ती मरीजों को किसी तरह की दिक्कत न हो। इतना ही नहीं, अस्पताल प्रशासन की ओर से सभी वार्डों में प्रतिदिन धुलाई करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला असपताल के सीएमएस कार्यालय को नया बनाया जा रहा है। कार्यालय के अंदर का पूरा नक्शा बदल दिया गया है। पुर्नीचरी और अन्य सामान नया लगाया जा रहा है। कार्यालय के पर्दे, टेबल कुर्सियां और कम्प्यूटर आदि नए लगाए गए हैं। पूरा कार्यालय की रंगाई पुताई की जा रही है। पुराना प्लास्तर हटा कर नया पेंट किया जा रहा है। जिला अस्पताल में फायर सिस्टम नया किया गया है। बुधवार को करीब दो दर्जन नए सिलेंडर लगाए गए।

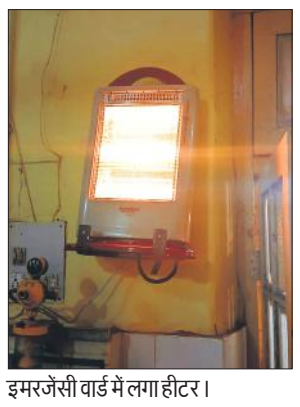

इमरजेंसी वार्ड में लगा हीटर।

- मरीजों को ठंड से बचाने के लिए शासनादेश के बाद काम शुरू
- सीएमओ बोले- मरीजों को नहीं होगी कोई परेशानी

जिला अस्पताल में अब पुराने ढंग से काम नहीं होगा। सब कुछ नया हो रहा है। शासन के निर्देश पर काम किया जा रहा है। मरीजों को ठंड से बचाने को हीटर लगाए गए हैं। नए फायर सिलेंडर लगाए गए हैं। मरीजों की सुविधा के लिए अब कई तरह के नए कार्य कराए जा रहे हैं।

– डॉ. अमित कुमार वार्ष्णेय, सीएमएस

सीएचसी की निगरानी के लिए बनेगी कमेटी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शासन के निर्देश पर अब स्वास्थ्य सेवाओं को पटरी पर लाने के लिए विभाग ने कमर कस ली है। सभी सीएचसी और पीएचसी पर 24 घंटे डॉक्टर और अन्य स्टाफ मौजूद रहेगा। विभाग किसी भी समय निरीक्षण कर सकता है। लापरवाही पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

सर्दियों के मौसम में अधिकांश सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर डाक्टर और कर्मचारी गायब रहते हैं जिससे क्षेत्रीय लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं को लाभ नहीं मिल पाता है। इस समस्या को लेकर पिछले दिनो शासन ने पत्र जारी कर सभी जिलों को निर्देशित किया था कि ठंड के मौसम में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर किया जाए। सीएचसी और पीएचसी पर स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर कर्मचारी हर समय मौजूद रहेंगे। आदेश के अनुपालन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रो को निर्देशित किया है कि जहां पर भी जो डॉक्टर तैनात हैं वह रात्रि के समय अस्पताल में मौजूद रहें। कर्मचारियों की रात के समय नियमित डयूटी लगाई जाए जिससे क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके।

सीएमओ डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने गुरुवार को बताया कि इस बात का विशेष जोर दिया गया है कि कोई भी डाक्टर बिना बताए अस्पताल न छोड़े। यदि इस तरह की शिकायत मिलती है तो विभागीय कार्यवाही की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर का सौंदर्यीकरण शुरू कर दिया गया है। पुराने जर्जर फर्श को तोड़ कर नया फर्श तैयार किया जा रहा है। करीब 50 मीटर परिसर को अत्याधुनिक बनाने को करीब पांच लाख का खर्च आने की बात कही जा रही है।

सीएमओ कार्यालय परिसर में हो रहा कार्य। ● अमृत विचार

- सीएमओ ने दिया आदेश किया जाएगा आकस्मिक निरीक्षण

सीएमओ डा. रामेश्वर मिश्रा।

सरकारी अस्पतालों में प्रसव कराने पर जोर

जारी आंकड़ों के अनुसार निजी अस्पतालों में 60 प्रतिशत प्रसव हो रहे हैं जबकि शहरी और देहात के सरकारी अस्पतालों में मात्र 40 प्रतिशत प्रसव हो रहे हैं। यह आंकड़े स्वास्थ्य विभाग को शर्मिन्दा करने वाले हैं। इस बात पर विशेष जोर दिया गया है कि एएनएम और आशा कार्यकत्रियों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच करायी जाए और उन्हे सरकारी अस्पतालों में भी प्रसव को भेजा जाए।

घर में घुसकर हमला छह लोगों पर रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बेटे और पत्नी को भी पीटा, कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुई रिपोर्ट

अमृत विचार : बिसौली कस्बा के मोहल्ला नई बस्ती में धुबियाताल निवासी भगवानदास पुत्र कुंवरसेन ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि दो नवंबर को सुबह 11 बजे वह अपने घर पर थे।

इस दौरान सत्यपाल, अमन, पप्पू, शानूपाल, अनूप, भोला लाठी-डंडे और चाकू लेकर घर में घुस आए। गाली देते हुए कहा कि उनकी बहन सुमन को बार-बार बुलाने के लिए गांव खमरिया क्यों आते हो आज मचा चखाएंगे। गाली देने से मना करने पर उन्होंने भगवान दास पर हमला कर दिया। जमीन पर गिराकर जान से मारने की नीयत से उनका गला दबाने का प्रयास किया। घर का सामान तोड़ दिया। जिससे लगभग 20 हजार रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने बचाने आए उनके बेटे सजू और पत्नी सुनीता को भी पीटा। चीख पुकार सुनकर पड़ोस के लोग पहुंचे और बीच बचाव किया। वर्ना वह लोग जान से मार देते। हमलावर आइंदा जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पीड़ित शिकायत करने कोतवाली गया और तहरीर दी। पुलिस ने टालमटोल की लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं की और न ही मेडिकल परीक्षण कराया। कोर्ट के आदेश पर सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

पीआरडी का स्थापना दिवस मनाया

स्थापना दिवस पर परेड की सलामी लेते अधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- कबड्डी और रस्साकशी में टोली नंबर तीन रही विजेता

अमृत विचार : युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग की ओर से बहेड़ी स्थित स्टेडियम में पीआरडी विभाग का 77वां स्थापना दिवस मनाया गया। परेड का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत राज अधिकारी यावर अब्बास, जिला क्रीड़ा अधिकारी अमित रिछारिया और जिला युवा कल्याण अधिकारी हरिप्रेम ने मान प्रणाम किया।

परेड में टोली नंबर एक ने पहला और टोली नंबर दो ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। आयोजन के दौरान हुई कबड्डी और रस्साकशी में टोली नंबर तीन को पहला स्थान मिला। मुख्य अतिथि ने जवानों के परेड प्रदर्शन और टर्न आउट की सराहना की। जवानों से ड्यूटी के प्रति सजग रहने और स्वस्थ रहने को कहा। परेड में मुख्य परेड कमांडर विकास नारायण शर्मा, कमांडर अनुज कुमार, विशाल पाल, मनोज कुमार, हिम्मत सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम के प्रभारी क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी रंजीत सिंह रहे। कार्यक्रम का संचालन पंकज शर्मा ने किया। कांति प्रसाद, नरेंद्र कुमार मौजूद रहे।

समाजसेवी से मांगी रंगदारी अपहरण की कोशिश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शहर के मोहल्ला जालंधरी सराय में लाल मस्जिद निवासी मीडियाकर्मी व समाजसेवी आदिल हुसैन जकरिया ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र दिया।,

उन्होंने बताया कि 10 दिसंबर की रात लगभग 10 बजे मोहल्ला वेदो टोला निवासी युवक तमंचे के साथ चचेरे भाई और तीन अज्ञात के साथ उनके घर पर आए थे। पास में ही आदिल हुसैन को पकड़ लिया। आरोप है कि 10 हजार रुपये रंगदारी मांगी। उन्होंने रुपये देने से मना किया तो वह लोग गाली-गलौज करने लगे। उन्हें जबरन अपनी बाइक पर बैठाकर अपहरण का प्रयास किया। शोर सुनकर उनके मोहल्ले के शरीफ और चांद बाबू आ गए और उन्हें बचाया। आरोपियों ने जाते समय धमकाया कि अगर दस हजार रुपये नहीं दिए तो जान से मार देंगे। पीड़ित ने बताया कि आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं। जिनका क्षेत्र में आतंक है। वह दिल्ली में रहकर अपराध करते हैं। उनके खिलाफ कई रिपोर्ट दर्ज हैं। लोगों को परेशान करके रुपये वसूलना उनका काम है। पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है।

घटना की जानकारी देते आदिल हुसैन।

टीम को देख दुकानें बंद कर भागे झोलाछाप

विजय नगला, अमृत विचार : झोलाछापों के नोडल ने गुरुवार को क्षेत्र में दुकान खोले बैठे फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ अभियान चलाया। ब्लॉक जगत के गांव पडौलिया में झोलाछाप की दुकान संचालक पर कार्रवाई की।

इसके बाद नोडल द्वारा मालगांव में एक महिला झोलाछाप की दुकान पर छापा मारा गया। सूचना मिलते ही महिला दुकान बंद कर भाग गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दुकान पर नोटिस चस्पा कर कागज दिखाने को एक सप्ताह का समय दिया। बिनावर व विजय नगला में झोलाछाप पूरे दिन नोडल के आने की सूचना पर अपनी दुकान बंद कर इधर उधर घूमते रहे। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई से झोलाछापों में हड़कंप मचा हुआ है।

बढ़ेगी सुविधा राजकीय मेडिकल कॉलेज के अधूरे खंडों का होगा निर्माण

अब जाकर जगी बजट मिलने की उम्मीद

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- सरकार को चार बार भेजा जा चुका धन स्वीकृति के लिए पत्र
- डिप्टी सीएम ने दिया जल्द रुपये दिलवाने का आश्वासन

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेज में अधूरे खंडों का निर्माण पूरा कराने के लिए डिप्टी सीएम ने जल्द धन मुहैया कराने का भरोसा दिया है। सरकार से बजट स्वीकृत होते ही निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा। जिससे राजकीय मेडिकल कॉलेज भवन पूरा हो जाएगा।

राजकीय मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग निर्माण कार्य का करीब 600 करोड़ का प्रोजेक्ट था। धनराशि में करीब साठ प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो सका। कुछ खंडों का निर्माण 2018 से शुरू हुआ, जो अब पैसे के अभाव में रुका हुआ है। राजकीय मेडिकल कॉलेज में कुल पांच खंडों का काम शुरू किया गया। इनमें से तीन खंड पूरे कर राजकीय मेडिकल कॉलेज को संचालित कर दिया गया, लेकिन अभी दो खंड आधे अधूरे हैं। इनको पूरा कराने को कॉलेज प्रशासन की ओर से शासन को चार बार पत्र लिखे जा चुके हैं, लेकिन अभी तक धन आवंटित नहीं हुआ है। बुधवार को यहां पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य आए थे। डिप्टी सीएम ने राजकीय मेडिकल कॉलेज का दौरा भी किया। उनके दौरे के समय कालेज प्रशासन ने अपनी प्रगति रिपोर्ट भी रखी। कॉलेज प्रशासन की ओर से कहा गया कि अभी निर्माण कार्य अधूरा है। धन की कमी के चलते कार्यदायी संस्थाएं काम नहीं कर रही हैं। कॉलेज निर्माण में यूनी निर्माण निगम सहित कई अन्य कंपनियां काम कर रही हैं जिनका अलग अलग कार्य है। राजकीय मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ. अरूण कुमार ने सरकार के समक्ष धन की कमी की समस्या रखी जिस पर डिप्टी सीएम द्वारा आश्वासन दिया गया कि जल्द ही इस पर विचार किया जाएगा। राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरूण कुमार ने कहा कि सरकार की ओर से आश्वान दिया गया है। अगले साल प्रथम माह में कुछ धन आवंटित होने की उम्मीद है। कहा कि धन मिलते ही निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा। अधूरे खंडों को पूरा कराने के लिए कार्यदायी संस्थाएं नए बजट के हिसाब से पैसे की मांग कर रही हैं। वजट मिलते ही निर्माण कार्य शुरू होगा।

अधूरा है नर्सिंग के छात्रों का छात्रावास

राजकीय मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग के छात्रों को बनाया जा रहा हॉस्टल भी अधूरा है। इसके निर्माण को करीब 10 करोड़ से अधिक की धनराशि चाहिए। अभी तक 40 प्रतिशत निर्माण कार्य हुआ है। छात्रावास में करीब 300 से अधिक छात्र छात्रसओं को रहने की व्यवस्था की गई है इसलिए इस बिल्डिंग को अधिक धनराशि की अवश्यकता है। इसके साथ ही छात्रावास की साज सज्जा को अतिरिक्त धन की जरूरत होगी।

वार्ड भी हो रहे जर्जर टूट रहा प्लास्टर

राजकीय मेडिकल कॉलेज के जो भवन बन कर तैयार हैं जिनको वार्ड के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है उनकी हालत भी ठीक नहीं है। वार्डों की मरम्मत और पेंटिंग कराने की जरूरत है। वार्ड की छतें टूट चुकी हैं जिनसे मलवा गिरता रहता है। बिजली के तार जगह जगह से टूट चुके हैं। कई वार्डों में दीवारों से प्लस्टर टूट रहा है। इससे वार्डों की दशा दयनीय है। इसकी मरम्मत को करोड़ों का बजट चाहिए जिससे वार्ड और अन्य कमरों को ठीक किया जा सके।

कस्बे में नहीं लगी अवैध खनन पर रोक

उझानी, अमृत विचार : कस्बे के आसपास के गांवों से अवैध रूप से मिट्टी लाई जाती है, जो कस्बे में जगह-जगह डाली जाती है और हजारों का कारोबार प्रतिदिन किया जाता है। दिन रात अवैध खनन करने वाले ट्रैक्टर ट्राली सड़कों पर दौड़ते हैं जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है। पुलिस के सामने से गुजरने वाले खनन करने वालों के वाहनों को कोई नहीं रोकता है। खनन विभाग को इसकी जानकारी दी जा चुकी है, लेकिन विभाग आंखें बंद किए बैठा है। खनन कारोबारी ऊंची पहुंच के हैं जिससे पुलिस भी इन पर हाथ डालने से बचती है। कुछ सफेदपोश लोगों के संरक्षण में भी खनन किए जाने की चर्चा है।

मिट्टी से भरी ट्रॉली ले जाता चालक।

समस्याओं को लेकर भाकियू का प्रदर्शन

संवाददाता, म्याऊं

अमृत विचार : विभिन्न समस्याओं को लेकर बुधवार को विकास खंड परिसर में भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) ने धरना प्रदर्शन किया। यूनियन के ब्लॉक प्रभारी भूपेंद्र सिंह ने विकास खंड अधिकारी को ज्ञापन देकर समस्याओं का समाधान करने की मांग की।

धरना स्थल पर भूपेंद्र सिंह ने कहा कि जिले में खाद की गंभीर समस्या है। लाइसेंसधारी दुकानदारों को यूरिया की एक बोरी 270 रुपये की बेचनी है, लेकिन वह लोग अब 350 रुपये में यूरिया खाद बेच रहे हैं। इससे किसानों की जेब पर अतिरिक्त भार पड़ रहा है। यूनियन ने काले कारोबार की जांच कर कार्रवाई की मांग की। दूसरा मुद्दा बिजली विभाग की लापरवाही का उठाया गया। सरकार से दी गई छूट के बावजूद ग्रामीणों के बिजली बिलों में त्रुटियां बरकरार हैं, और संशोधन नहीं किया जा रहा है। इससे उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। किसानों ने बिल सुधार की मांग की। म्याऊं में पेयजल को ओवरहेड टैंक बना है फिर भी पानी की आपूर्ति नहीं हुई है। वृद्धा, विधवा और विकलांग व्यक्तियों को सरकारी लाभ नहीं मिल पा रहा है। यूनियन ने इन सभी समस्याओं के समाधान हेतु प्रशासन से शीघ्र कार्यवाही की मांग की। किसानों ने उक्त समस्याओं को लेकर खंड विकास अधिकारी मनीष कुमार को ज्ञापन सौंपा। खंड विकास अधिकारी ने आश्वासन दिया कि मांगों पर जल्द विचार किया जाएगा।

ब्लॉक परिसर में धरना प्रदर्शन करते किसान नेता व कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

- खंड विकास अधिकारी को दिया ज्ञापन, समाधान करने की मांग

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)
स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ
30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त
ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

★ पतले-दुबले
★ गाल पिचके
★ कमजोर स्त्री-पुरुष
★ मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए
परामर्श लें।

चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।

किसी भी प्रकार का नशा जैसे
शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।

स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
- स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
- हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
- इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
- वीर्य में शुक्राणु का कम होना
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
- यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें
अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें
Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें
गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में विषविषा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें
डॉ. साहब
आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते
मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :-
21 दिसंबर 2025, रविवार
04 जनवरी 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

मेला ककोड़ा के भुगतान की जनवरी से शुरू होगी प्रक्रिया

मेला के आयोजन में जिला पंचायत ने खर्च किए सवा करोड़ रुपये

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- प्रशासन ने शासन को भेजा ब्यौरा, जल्द मिलेगी धनराशि

अमृत विचार : मेला ककोड़ा में जिला पंचायत ने लगभग सवा करोड़ रुपये खर्च किए। मेला में विभिन्न कार्यों के ठेकों का भुगतान नए साल में शुरू कर दिया जाएगा। जिला पंचायत की ओर से शासन को लेखा जोखा भेजा गया है। बताया जा रहा है कि ठेकेदारों को जनवरी महीने से भुगतान मिलना शुरू हो जाएगा।

नवंबर में कादरचौक क्षेत्र के गांव ककोड़ा में गंगा तट पर मिनी कुंभ मेला ककोड़ा का आयोजन जिला पंचायत ने किया था। इस मेले में कई प्रदेशों जिलों के श्रद्धालु आते हैं इसलिए जिला पंचायत को दो माह पहले से मेले की तैयारी करनी होती है। इस बार जिला पंचायत ने 40 दिन में मेले की तैयारी की थी। क्योंकि बाढ़ के कारण मेला स्थल पर पानी भरा रहा था। पानी सूखने के बाद जिला प्रशासन ने जिला पंचायत को तैयारियां शुरू करने को निर्देशित किया। जिसके बाद जिला पंचायत ने दिन रात काम कराया। करीब 20 ठेकेदारों को अलग अलग काम दिया गया। इस मेले में सबसे बड़ा ठेका टेंट का होता है जो हर साल आगरा से मंगाया जाता है। इसके बाद मेला स्थल पर कच्ची सड़क तैयार कराई गई। मेला स्थल पर साफ सफाई, हैंडपंप लगाने का काम, सिरकी तिरपाल से स्नान घर बनाने का काम, गंगा तट तक घाट बनाने का काम, आदि कार्यों सहित अन्य काम बड़े पैमाने पर कराए गए। जिसमें करीब सवा करोड़ का खर्च आया। काम करने वाले ठेकेदारों को अब भुगतान के लिए जिला पंचायत ने लेखा जोखा तैयार कर लिया है।

पिछले साल ठेकेदारों ने किया था प्रदर्शन

पिछले साल जिला पंचायत के ठेकेदारों ने अपना भुगतान कराने को भारी हंगामा किया। समय पर भुगतान न मिलने पर बौखलाए ठेकेदारों ने जिला पंचायत परिसर में दरी बिछा कर कई दिन तक धरना प्रदर्शन किया था। मुख्य अभियंता के खिलाफ नारेबाजी की थी। इसके बाद जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव ने मामले को शांत किया और सभी का भुगतान कराया था।

जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि अगले साल जनवरी से ठेकेदारों को भुगतान प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। कहा कि किसी को भी इस बार शिकायत का मौका नहीं दिया जाएगा। बड़े ठेकेदारों की सूची बना ली गयी है जबकि छोटे ठेकेदारों को एक बार में ही भुगतान कर दिया जाएगा।

सचिवों ने निकाली साइकिल यात्रा

बिल्सी, अमृत विचार : अंबियापुर ब्लॉक के ग्राम सचिवों ने बृहस्पतिवार को ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली और साइकिल भत्ते में कटौती के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। सचिवों ने ब्लॉक मुख्यालय से साइकिल यात्रा निकालकर विरोध दर्ज कराया।

मीडिया प्रभारी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि प्रांतीय आह्वान पर सभी ग्राम सचिव एकजुट होकर साइकिल यात्रा में शामिल हुए। यह यात्रा अंबियापुर ब्लॉक से सचिवों के कार्यस्थलों तक निकाली गई, जिसके बाद सभी पुनः ब्लॉक परिसर में एकत्र हुए। कहा कि ऑनलाइन उपस्थिति लागू किए जाने और साइकिल भत्ते में कटौती से ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने वाले सचिवों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं को लेकर पांच दिसंबर को खंड विकास अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी को ज्ञापन भी भेजा जा चुका है, लेकिन अभी तक कोई सकारात्मक समाधान नहीं मिला। इस मौके पर सलीम मियां, अशोक कुमार सिंह, चंद्रकेश भारती, अशोक कुमार, दीपक कुमार, राम अवतार पाल, विनायक आर्य, कुंवरपाल सिंह, विकास कुमार, विनय कुमार साव आदि मौजूद रहे।

सांसद ने की चौड़ीकरण व बाईपास के निर्माण की मांग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बदायूं से सपा सांसद आदित्य यादव ने लोकसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा को संबोधित किया। बदायूं की समस्याएं बताईं। बदायूं-मुरादाबाद और बदायूं-बिजनौर मार्ग के चौड़ीकरण, नगर पंचायत वजीरगंज, नगर पालिका बिसौली और बिल्सी में बाईपास के निर्माण संबंधी बात रखी।

सांसद ने कहा कि बदायूं लोकसभा में दो मुख्य मार्ग हैं। इसमें से एक बदायूं से मुरादाबाद और दूसरा बदायूं से बिजनौर जाता है। मुरादाबाद मार्ग पर नगर पंचायत वजीरगंज और नगर पालिका बिसौली पड़ती है। यहां पर बहुत घनी आबादी है। इसी तरह बिजनौर मार्ग पर नगर पालिका बिल्सी है। इन दोनों मुख्य मार्गों पर कस्बे पड़ते हैं। दोनों मार्गों पर वाहनों का आवागमन बहुत ज्यादा है।

इस वजह से अक्सर ही जाम की समस्या रहती है। हादसे भी होते रहते हैं। कुछ समय पहले

लोकसभा में मार्गों से जुड़ी समस्या बताते सांसद आदित्य यादव।

- लोकसभा में कहा कुछ दिन पहले सड़क हादसे में हो गई थी पांच लोगों की मौत

इस मार्ग पर एक ही गांव के पांच लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। अगर नगर पंचायत वजीरगंज, नगर पालिका बिसौली और नगर पालिका बिल्सी में बाईपास का निर्माण होता है तो जाम की समस्या दूर हो जाएगी। मार्गों के चौड़ीकरण और नए बाईपास का निर्माण बहुत जरूरी है। बच्चों को स्कूल जाने में आसानी होगी।

साइकिल चलाकर किया ऑनलाइन हाजिरी का विरोध

इस्लामनगर, अमृत विचार : पंचायत सचिवों द्वारा ऑनलाइन हाजिरी प्रणाली के विरोध में शुरू हुआ आंदोलन तेज हो गया। सचिव साइकिलों पर सवार होकर ब्लॉक मुख्यालय पहुंचे और वहीं से अपने-अपने क्षेत्रों के लिए रवाना हुए।

पंचायत सचिव व ग्राम विकास अधिकारियों का यह आंदोलन लगातार दसवें दिन भी जारी रहा। सचिवों ने चेताया कि अगर शासन ने जल्द ही उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो वह ब्लॉक मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर देंगे। सचिवों का कहना है कि नई ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली पूरी तरह त्रुटिपूर्ण है। रोजाना सर्वर डाउन, लोकेशन एरर, लॉगिन न होने जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं, जिससे सचिवों को समय पर कार्य पूरा करने में भारी दिक्कत आ रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या पहले से ही गंभीर है, ऐसे में फील्ड पर काम करने वालों के लिए यह व्यवस्था परेशानी का सबब बन गई है। उन्होंने मांग की कि ऑनलाइन हाजिरी प्रणाली को या तो तत्काल सुधार किया जाए या फिर पुरानी व्यवस्था लागू की जाए।

मिल कर्मचारियों पर धमकाने का आरोप

संवाददाता, इस्लामनगर

अमृत विचार : इस्लामनगर क्षेत्र में यदु शुगर मिल और किसानों के बीच तनाव एक बार फिर चर्चा में आ गया है। गांव अगरास निवासी किसान वीरेंद्र और परदलपुर निवासी शिवम ने मिल के कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

किसानों का कहना है कि वह अपनी गन्ना फसल लंबे समय से शुगर मिल में डालते आ रहे हैं, लेकिन मिल द्वारा काफी समय से गन्ने का भुगतान नहीं किया गया है। भुगतान न मिलने से दोनों किसानों के परिवार के समक्ष जीवन-यापन और पालन-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। किसानों के अनुसार कई बार मिल प्रबंधन से भुगतान की मांग की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। 10 नवंबर को दोपहर लगभग 2 बजे वह अपना गन्ना लेकर कोल्हू पर जा रहे थे। शुगर मिल के कई कर्मचारी चार पहिया वाहन से आ गए। आरोप लगाया कि कर्मचारियों ने किसानों से गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। उन्हें मिल ले जाने का प्रयास किया। दोनों किसान थाना इस्लामनगर पहुंचे। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। किसानों का कहना है कि मिल के बकाया भुगतान और वर्तमान घटना ने उन्हें मानसिक और आर्थिक रूप से कमजोर कर दिया है। पुलिस ने जांच करके कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

प्रियंका और पुष्पेंद्र ने पाया प्रथम स्थान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित की गई जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता

अमृत विचार : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विकास क्षेत्रों के परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता उप शिक्षा निदेशक व प्राचार्य गिरजेश कुमार चौधरी की अध्यक्षता में हुई। विजेता शिक्षक-शिक्षिकाएं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

प्रतियोगिता के महिला संवर्ग में प्रियंका चौहान और पुरुष संवर्ग में पुष्पेंद्र कुमार को पहला स्थान मिला। निर्णायक मंडल में योग गुरु गिरधारी सिंह राठौर, सोनू पटेल, निधि सक्सेना रहे। पहला स्थान प्राप्त करने वालों को प्रतीक चिह्न और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वह जिले की ओर से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। प्राचार्य ने कहा कि नियमित योग करने से निरोगी बन सकते हैं। कुछ ही समय निकालकर योग करने से बीमारियां दूर होती हैं और व्यक्ति स्वस्थ रहता है। जीवन में योग का बहुत महत्व है। प्रवक्ता दिलीप कुमार का योगदान रहा।

प्रतियोगिता के बाद शिक्षक-शिक्षिकाओं को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित। ● अमृत विचार

राजकीय के छात्रों ने लिया नशे से दूर रहने का संकल्प

जागरूक करने के लिए पोस्टर दिखाते छात्र। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : राजकीय इंटर कॉलेज में गुरुवार को नशा मुक्ति व तंबाकू निषेध युवा अभियान 3.0 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से उपस्थित छात्रों को नशा एवं तंबाकू से मुक्ति के प्रति जागरूक किया गया। छात्रों को जागरूक किया गया कि सिगरेट, बीड़ी और अन्य तंबाकू उत्पादों के सेवन को छोड़ना स्वास्थ हित में है व जानलेवा बीमारी जैसे कैंसर से दूरी बनाए रखने में सहयोगी है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छात्रों और शिक्षकों को संकल्प दिलाया गया कि गंभीरता से प्रतिज्ञा करता हूं कि सिगरेट, बीड़ी, और अन्य तंबाकू उत्पादों सहित सभी प्रकार के तंबाकू उत्पादों का सेवन छोड़ूं देंगे। छात्र अमन, हर्षित और कुनाल को प्रधानाचार्य ने प्रमाण पत्र और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। डॉ. मोहम्मद इलियाज, पवन शर्मा, पुष्पेंद्र कुमार मौजूद रहे।

एसएसपी कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन

बदायूं, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन भानु गुट के पदाधिकारियों ने एसएसपी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। गैस एजेंसी से रुपये चोरी के मामले में बिल्सी पुलिस पर झूठी रिपोर्ट दर्ज करके प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। सीओ उझानी डॉ. देवेंद्र कुमार ने ज्ञापन लिया। जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

संगठन के जिलाध्यक्ष अतुल तोमर ने कहा कि उझानी क्षेत्र के गांव चिकटिया निवासी नितिन यादव बिल्सी स्थित गैस एजेंसी पर ड्राइवरी करते हैं। आरोप लगाया कि बिल्सी पुलिस ने उस पर रुपये चोरी करने की झूठी रिपोर्ट दर्ज की है। अब उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। आरोप है कि पुलिस नितिन से कह रही है कि उसने कुछ नहीं किया लेकिन फंस गए हो। रुपये की व्यवस्था करो तो बच जाओगे। नितिन के पिता से 20 हजार रुपये भी लिए। इसके बाद भी रिपोर्ट दर्ज कर दी गई। अब लगातार बुलाने की वजह से नितिन मानसिक रूप से परेशान हो गया है।

दो दोषियों को आजीवन कारावास की सजा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- अपहरण के मुकदमा के दौरान चार की हो गई मौत, पांच को कोर्ट ने किया बरी

अमृत विचार : अपहरण करने के 11 में से दो आरोपियों को विशेष न्यायाधीश दस्यु प्रभावित क्षेत्र रिंकू ने दोषी पाते हुए आजीवन कारावास समेत 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है, जबकि चार आरोपियों की मुकदमा के दौरान मौत हो गई थी। पांच आरोपियों को कोर्ट ने बरी कर दिया।

अभियोजन पक्ष के अनुसार सिविल लाइन कोतवाली के गांव कुरऊ निवासी अमर सिंह ने 6 जून 2025 को तहरीर दी थी। इसमें बताया कि उनके भाई करन सिंह 5 जून की रात गांव के वेद प्रकाश, बृजेश व मंगली राम के साथ सिंचाई करने खेत पर गए थे। रात लगभग 11 बजे उन तीनों लोगों ने करन सिंह के घर पर आकर परिजनों को बताया कि चार-पांच हथियारबंद लोग करन सिंह को उठाकर ले गए हैं। उन तीनों के साथ भी मारपीट की थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू की। पुलिस ने करन सिंह की तलाश शुरू की। मेवाराम की निशानदेही पर थाना मूसाझाग क्षेत्र के गांव बुझिया के कच्चे कमरे का ताला खोला। भीतर करन सिंह के हाथ और पैर जंजीर से बंधे मिले। पुलिस ने युवक को मुक्त कराया। न्यायालय में गांव बुझिया निवासी ओमपाल, प्रीतम पर अपहरण और पकड़ बरामद होने के आरोप में मुकदमा चलाया गया।

न्यायाधीश ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य का अवलोकन किया। अभियोजन पक्ष के अपर शासकीय अधिवक्ता राजेश बाबू शर्मा और बचाव पक्ष के अधिवक्ता की दलील सुनने के बाद दोनों को दोषी पाते हुए सजा सुनाई है। मुकदमा के दौरान मेवाराम, रघुराई, प्रेमपाल और तोती की मौत हो गई थी।

सियार के हमले में बच्चा और बुजुर्ग घायल

उसहैत, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव घसनगला में खेत पर काम कर रही एक बुजुर्ग महिला व बच्चे पर सियार ने हमला कर दिया। हमले में घायल दोनों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया।

गुरुवार को घस नगला निवासी किसान ब्रजेश बाबू अपने तीन वर्षीय मासूम बेटे रचित के साथ खेत पर गए थे। खेत में खेलते समय एक सियार ने उस पर हमला कर दिया। सियार ने बच्चे के दोनों पैरों में काट लिया जिससे दोनों पैर खून से लथपथ हो गए बच्चे के चीखने पर ब्रजेश ने दौड़ कर बचाया। सियार भाग गया। वहीं दूसरी ओर गांव की 60 वर्षीय रामकुमारी पर भी खेत पर जाते समय सियार ने हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला की चीख-पुकार सुनकर खेतों में काम कर रहे किसान दौड़ पड़े जिस पर सियार भाग गया। सियार का ग्रामीणों ने पीछा भी किया, लेकिन वह नहीं मिला। घायल महिला और बच्चे को पीएचसी पर भर्ती किया गया। फार्मासिस्ट मुजम्मिल, साकिब, रजनेश कुमार द्वारा ने घायलों का उपचार किया।

बदायूं डायरी

कौन बनेगा हजार पति प्रतियोगिता का रोचक आयोजन

बदायूं, अमृत विचार : फ्यूचर लीडर्स स्कूल में विद्यार्थियों के लिए प्रसिद्ध टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति की तर्ज पर कौन बनेगा हजार पति क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान, तर्क क्षमता और तत्परता को बढ़ाना था। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय डायरेक्टर वीपी सिंह के संबोधन से हुई। मुख्य मंच पर चुने गए प्रतिभागियों के बीच फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट राउंड का आयोजन किया गया, जिसके बाद योग्य छात्र हॉट सीट तक पहुंचे। इसमें इकरा सिद्दीकी, देव प्रताप सिंह, अली हुसैन, आरुषि शाक्य, तमन्ना राठौर और सत्यम शर्मा ने को हॉट सीट पर बैठने का अवसर मिला। कार्यक्रम की मेजबानी केशव शर्मा ने की। विद्यालय के एमडी राहुल कुमार ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक और मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य रविन्द्र सिंह एकेडमिक हेड सीके शर्मा, जूनियर कॉर्डिनेटर परमेंद्र सिंह, प्राइमरी कॉर्डिनेटर केशव शर्मा, प्री प्राइमरी कॉर्डिनेटर राखी गुप्ता, रूबी मौर्य, मुनीश शर्मा, प्रशांत सिंह, विशेष चौहान, शिवओम शर्मा, दीक्षा वार्ष्णेय, साक्षी गुप्ता, रागिनी मिश्रा, ट्विंकल जैन आदि उपस्थित रहीं।

स्काउट एवं गाइड का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू

बदायूं, अमृत विचार : विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में स्काउट-गाइड का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ। प्रधानाचार्य शैलेंद्र यादव ने कहा कि स्काउटिंग केवल एक प्रशिक्षण नहीं, बल्कि ऐसा संस्कार है जो व्यक्ति के भीतर कर्तव्य, अनुशासन, राष्ट्र प्रेम और मानव सेवा का भाव जगाता है। स्काउटिंग हमें सिखाती है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है और समाज की सेवा करना ही जीवन का सर्वोच्च धर्म है। पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि आज देश को ऐसे युवा चाहिए जो न केवल पढ़ाई में आगे हों बल्कि चरित्र, निष्ठा और सेवा-भाव में भी उदाहरण बनें। विद्यालय संस्थापक अंतर सिंह यादव ने निरीक्षण किया। वरिष्ठ शिक्षक राजीव कुमार, रईस अहमद, सुधीर कुमार सिंह, राजेश भारती आदि मौजूद रहे।

गणित परिषद की अध्यक्ष शाहीन और वर्तिका बनीं महामंत्री

बदायूं, अमृत विचार : आवास विकास स्थित राजकीय महाविद्यालय में सत्र 2025-26 के लिए गणित परिषद का पुनर्गठन संयोजक डॉ सचिन राघव और चुनाव अधिकारी डॉ राकेश कुमार जायसवाल की देखरेख में हुआ। अध्यक्ष पद पर सर्वाधिक मत प्राप्त कर शाहीन निर्वाचित हुईं। उपाध्यक्ष पद पर प्रिन्स कुमार, इसरा अंसारी को जीत हासिल हुई। महामंत्री पद पर वर्तिका राणा ने सफलता प्राप्त की जबकि संयुक्त मंत्री लिए नंदिनी एवं आराम सिंह जीत हासिल किया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में पुनीत वर्मा, शनिल सिंह, गरिमा सिंह और सत्यम सक्सेना को मनोनीत किया गया। प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ने पदाधिकारियों को पद एवं कर्तव्य निर्वहन की शपथ दिलाई।

रेडक्रॉस सोसायटी ने कराया मैजिक शो, बच्चों ने उठाया आनंद

बिल्सी, अमृत विचार : भूदेवी वार्ष्णेय इंटर कॉलेज में बृहस्पतिवार को रेडक्रॉस सोसाइटी की ओर से मैजिक शो का आयोजन किया गया। जादूगर राजेश कुमार भारती ने विभिन्न प्रकार के जादू दिखाकर विद्यार्थियों का मनोरंजन किया। उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए आकर्षक जादूई करतबों को देखकर बच्चे रोमांचित हो उठे। जादू प्रदर्शन के दौरान राजेश कुमार भारती ने सामाजिक कुरीतियों और समसामयिक मुद्दों पर भी विद्यार्थियों को जागरूक किया। उन्होंने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्ति, नैतिक मूल्यों के महत्व, जनसंख्या नियंत्रण, तनाव प्रबंधन तथा स्वच्छता जैसे विषयों पर सारगर्भित संदेश दिए। प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार शर्मा ने जादूगर के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में प्रदीप कुमार सक्सेना, राजेंद्र कुमार शर्मा, जयप्रकाश शाक्य, सुनील कुमार, गीता रानी, तबस्सुम खान, माधुरी साखी सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

स्वयं सहायता समूह की सदस्य को नहीं मिला मानदेय

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : बदायूं के अलावा अन्य जिलों में स्वयं सहायता समूह बनाने वाली महिला चार साल से अपने ही रुपये के लिए ब्लॉक के चक्कर लगा रही है। उसे मानदेय नहीं दिया गया है। महिला का आरोप है कि रुपये देने के लिए ब्लॉक मुख्यालय का कर्मचारी रुपये की मांग रहा है।

विकास क्षेत्र सालारपुर के गांव भिंदुलिया प्लासी निवासी जगवती ने बताया कि वह साईं बाबा स्वयं सहायता समूह की सदस्य हैं। सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रही है। वहीं ब्लॉक मुख्यालय पर बैठे कर्मचारी समूह की महिलाओं का शोषण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें जिले से बाहर जाकर स्वयं सहायता समूह का गठन करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अंतर्गत 7 दिसंबर 2021 को वह बरेली के मजगामा में समूह बनाने गई थीं।

रुपये मांगने की जानकारी देतीं जगवती।

- ब्लॉक के कर्मचारी पर रुपये मांगने का लगाया आरोप
- समाधान न होने पर दी धरना प्रदर्शन की चेतावनी

45 दिन के बाद वह वापस लौटीं। इसके बाद 28 दिसंबर 2022 को संभल के जुनावई भेजा गया। 26 जुलाई 2023 को कासगंज भेजा गया। यहां वह 45-45 दिनों के बाद लौटी थीं। 27 जून 2024 को ब्लॉक उझानी भेजा गया। इसी तरह अन्य ब्लॉकों में भेजा जाता रहा है। तब से वह अपने रुपये लेने के लिए ब्लॉक मुख्यालय के चक्कर लगा रही हैं, लेकिन फरियाद नहीं सुनी जा रही। आरोप है कि कर्मचारी रुपये की मांग कर रहे हैं। इस वजह से उन्होंने समूह बनाना बंद कर दिया है। अब उनके सामने आर्थिक संकट आ गया है। चेतावनी दी कि अगर समाधान नहीं हुआ तो समूह सखियों के साथ डीएम आवास पर धरना-प्रदर्शन करेंगी। सहायक खंड विकास अधिकारी शिव कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं है। जांच कराकर महिलाओं की धनराशि दिलाई जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

भाकियू का धरना प्रदर्शन आज

बदायूं, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन टिकैत बाजरा घोटाले को लेकर शुक्रवार को शहीद पार्क में धरना प्रदर्शन करेगा। जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर बाजरा क्रय केंद्र खुलवाने की मांग की जाएगी। यह जानकारी मंडल प्रवक्ता राजेश सक्सेना ने दी है।

महिला को पीटकर घर से निकाला, रिपोर्ट दर्ज

बदायूं, अमृत विचार : पीलीभीत के बीसलपुर के मोहल्ला दुबे निवासी सोहन पाल ने पुलिस को बताया कि बेटी रीतू शर्मा की शादी 21 अप्रैल 2025 को बिसौली क्षेत्र के गांव निजामुद्दीनपुर शाह निवासी दीपक कुमार के साथ हुई थी। शुरू से ही विदाई के दौरान कुछ न कुछ विवाद होते रहे हैं। हर बार बेटी को ही समझाया। 3 नवंबर दोपहर लगभग साढ़े चार बजे दीपक कुमार, उनके बहनोई अन्नू जोशी, विशाल जोशी, मधु, सुनीता, अभिषेक, कमला देवी, रजनी देवी ने मारपीट करके रीतू शर्मा को घर से निकाल दिया। विरोध पर जिंदा जलाने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

काम नहीं करने पर 7 गन्ना पर्यवेक्षकों का रोका वेतन

जिला गन्ना अधिकारी ने तलब की कार्य प्रगति की रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

दो मिलों ने खरीदा छह लाख क्विंटल से अधिक गन्ना

बिसौली की यदु शुगर मिल ने अभी तक चार लाख 61 हजार गन्ने की खरीद की है जबकि सहकारी चीनी मिल शेखूपुर ने आज तक एक लाख 79 हजार क्विंटल गन्ना खरीदा है। दोनों चीनी मिलो पर अब पर्याप्त मात्रा में गन्ना पहुंच रहा है। जिले से बाहर की छह चीनी मिलों के गन्ना सेंटरों पर भी किसान अपना गन्ना डाल रहे हैं इनमें हरदोई की चीनी मिल द्वारा करीब दो लाख क्विंटल गन्ना खरीदा जा चुका है।

अमृत विचार : अपने कार्य के प्रति लापरवाही बरतने वाले सात गन्ना पर्यवेक्षकों का वेतन रोका गया है। साथ ही उनकी कार्य प्रगति रिपोर्ट मांगी गई है। चीनी मिलों का सहयोग न करने वालों की सूची भी तलब की गई है जिससे उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

गन्ना विभाग में इस समय गन्ना पर्यवेक्षकों को गन्ना किसानों के प्लॉट चेक करने और चीनी मिलों तक गन्ना पहुंचाने को लगाया गया है। विभागीय अधिकारियों ने पिछले माह में गन्ना पर्यवेक्षकों का कार्य निर्धारण किया था। गन्ना किसानों के साथ बातचीत करते रहने उन्हें चीनी मिलों तक गन्ना जल्द पहुंचाने को प्रोत्साहित करना था, जबकि कुछ गन्ना पर्यवेक्षकों को चीनी मिलों के सहयोग को लगाया गया था। पिछले दिनों जब कार्य प्रगति देखी गई तो पता चला कि सात गन्ना पर्यवेक्षकों ने अपना कार्य नहीं किया है, जबकि कुछ गन्ना पर्यवेक्षक चीनी मिलों तक नहीं पहुंचे। इस लापरवाही को देखते हुए जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने सात गन्ना पर्यवेक्षकों का नवम्बर माह का वेतन रोक दिया है। वेतन रूकने के बाद अब गन्ना पर्यवेक्षकों में खलबली मची हुई है।

जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने बताया कि जिसको जो कार्य सौंपा गया है उसमें लापरवाही क्षम्य नहीं है। यदि गन्ना पर्यवेक्षक काम नहीं करेंगे तो उनका वेतन रोक दिया जाएगा। बताया कि चीनी मिलों पर गन्ना पहुंचाने की जिम्मेदारी भी पूरी नहीं की गई। गन्ना किसानों के कितने प्लॉटों का गन्ना पहुंच चुका है। बताया कि गन्ना पर्यवेक्षकों की जिम्मेदारी है कि वह नवम्बर से मार्च तक गन्ना किसानों के बीच रहें और चीनी मिलों का सहयोग करते रहें। जिले की दोनों चीनी मिलों पर पर्याप्त गन्ना रहे यह जिम्मेदारी गन्ना पर्यवेक्षकों की है।

ग्राहकों को ऋण स्वीकृति पत्र बांटे

बरेली, अमृत विचार : पंजाब नेशनल बैंक की ओर से 10 दिसंबर को बदायूं की बिसौली शाखा में मेगा कृषि आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि गिरिजा शंकर यादव नायब तहसीलदार बिसौली ने किया। राम शरण मिश्रा- बाबा कोल्ड स्टोरेज, नीरज वार्ष्णेय- व्यवसायी, पीएनबी बरेली मंडल के मंडल प्रमुख रणजीत कुमार चौबे, रिकेश रंजन एलडीएम बदायूं, मुख्य प्रबंधक धरिंदर तिवारी, शाखा प्रबंधक अभिनव गुप्ता सहित बैंक के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने बैंक के ग्राहकों को ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। वहीं अफसरों ने बैंक के कृषि उत्पादों से ग्राहकों को अवगत कराया।

ऋण स्वीकृति पत्र देते अधिकारी।

आदेश के बाद भी भूमि से नहीं हटा अवैध कब्जा, दिया ज्ञापन

मासिक पंचायत करते किसान। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी की मासिक पंचायत मालवीय आवास ग्रह पर हुई। इसमें प्रशासन पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए आठ सूत्रीय मांग पत्र सौंपा।

गुरुवार को मासिक पंचायत में जिलाध्यक्ष सतीश साहू ने कहा दहगवां नगर में ग्राम समाज की भूमि है, जो किसानों को घूर गड्ढे की है। उस पर अवैध कब्जा कर लिया गया है। तहसीलदार न्यायालय में पहुंचा जिस पर तहसीलदार ने दबंगों पर लगभग पैंतालीस हज़ार का जुर्माने के साथ अवैध कब्ज हटाने का आदेश दिया। राजस्व विभाग न तो जुर्माना वसूला न ही भूमि को मुक्त कराया गया। यदि प्रशासन जल्द कोई कार्यवाही नहीं करता है तो संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा। प्रदेश सचिव आसिम उमर ने कहा जनपद में हरित क्रांति लाने के लिए प्रशासन भैंसोर, अरिल, सोत व महावा नदियों को अवैध कब्जे से मुक्त कराकर सदा नीरा करने का प्रस्ताव शासन को भेजना होगा। इस प्रस्ताव की स्वीकृति से किसानों को सिंचाई में लाभ मिलेगा। जिला प्रभारी कृष्ण अवतार शाक्य ने कहा उझानी कृषि उत्पादन मंडी समिति में कई कर्मचारी दशकों से तैनात हैं। इनके जल्द इनके तबादले होने चाहिए। जिला महासचिव बीईशू दास ने सहकारी समितियों पर किसानों को इफ्को यूरिया व डीएपी की पूर्ति कराने की मांग की। बाद में जिलाधिकारी को संबोधित आठ सूत्रीय ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट सुरेश कुमार पाल को सौंपा। इस मौके पर भाकियू चढ़ूनी के जिला प्रचार मंत्री शरीफ अब्बासी, जिला सचिव डॉक्टर महेंद्र पाल, नगर उपाध्यक्ष नूरुद्दीन अंसारी, बिसौली तहसील अध्यक्ष रजनेश उपाध्याय, सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

VARUN ARJUN COLLEGE OF NURSING

Be a part of a dedicated and growing academic team !

NOW HIRING !

Join a Leading Institution Shaping Future Nurses

VACANCIES

- Associate Professor
- Assistant Professor
- Nursing Tutor

REQUIREMENTS

- ✓ Relevant qualifications as per INC Norms
- ✓ Strong teaching ability
- ✓ Commitment to academic excellence
- ✓ Passion for guiding nursing Students

CONTACT DETAILS

Mob : 7521001992, 9412151327

Email : vacn201@gmail.com, varunarjun2016@gmail.com

NH-30, Banthra, Shahjahanpur

रोडवेज बस के परिचालक को किया सम्मानित

संवाददाता, बिल्सी

परिचालक को सम्मानित करते व्यापारी।

● रोडवेज बस में सीट पर छूटा महिला का पर्स लौटाया

अमृत विचार : रोडवेज बस के एक परिचालक ने महिला का पर्स वापस किया, जो सफर के दौरान बस में ही छूट गया था। पर्स में आभूषण और मोबाइल फोन समेत कीमती सामान होने के बावजूद परिचालक ने उसे सुरक्षित रखकर महिला तक पहुंचाया। उसकी इस ईमानदारी पर बुधवार की रात अंबियापुर चौराहे पर नगर के व्यापारियों ने परिचालक को सम्मानित किया।

मामला मुरादाबाद के पीतल नगरी डिपो की रोडवेज बस वाया बिल्सी, कासगंज, एटा, मैनपुरी मार्ग पर चलती है। कुछ दिन पहले बस एटा जा रही थी। नगर बिल्सी निवासी मोहल्ला एक निवासी प्रीति जैन बस में यात्रा कर रही थीं। बस से उतरते वक्त उनका पर्स सीट पर ही छूट गया। जिसमें उनके आभूषण और मोबाइल फोन रखे थे। बस के अगले स्टॉप एटा पर परिचालक प्रभात सिंह की नजर पड़ी तो उसने पर्स को सुरक्षित रख लिया और अपने स्तर से यात्री का पता लगाने का प्रयास शुरू किया। उनका महिला से संपर्क हो गया। परिचालक ने महिला को बुलाकर पूरा सामान सुरक्षित वापस किया। परिचालक की इस ईमानदारी से प्रभावित होकर नगर के व्यापारियों ने उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर कोतवाल मनोज कुमार, क्राइम इंस्पेक्टर वीके मौर्य, दीपक चौहान, लोकेश बाबू, सुधीर सोमानी, अमित वार्ष्णेय, सुरेश गुप्ता, नितिन बाबू, राकेश माहेश्वरी आदि व्यापारी मौजूद रहे।

उझानी रोड पर अतिक्रमण होने से लग रहा जाम

कार्यालय संवाददाता, उझानी

अमृत विचार : कस्बे में हर जगह जाम की स्थिति बनी रहती है। बिल्सी रोड पर दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण से रोड संकरा हो गया है जिससे ई रिक्शा और ऑटो अक्सर जाम का कारण बनते हैं। बड़ी संख्या में दौड़ रहे ई रिक्शा कस्बे की यातायात व्यवस्था को चुनौती बने हुए हैं।

कस्बे में बिल्सी रोड पर दर्जनों दुकानदार हैं। इन दुकानदारों ने सड़क पर सामान डाल दिया है जिससे सड़क संकरी हो गई है। संकरी सड़क पर ऑटो और ई रिक्शा दिन भर दौड़ते हैं। इनको बचाव को जगह नहीं मिलती है इसलिए सड़क पर जाम की स्थिति बनी रहती है। बढ़ते अतिक्रमण को नगर पालिका परिषद भी नजरंदाज किए रहता है। इससे अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं। कस्बे के अंदर भी सड़कों पर कब्जा कर लिया गया है। जाम में स्कूली वाहन और एम्बुलेंस भी फंसते हैं तो लोग चीख पुकार करते हैं। ट्रैफिक व्यवस्था को चुनौती बने अतिक्रमणकारी किसी से नहीं डरते हैं। जिससे आम लोग परेशान हैं।

उझानी रोड पर ई रिक्शा के कारण गुरुवार को लगा जाम।

आशा संगिनी यूनियन का धरना-प्रदर्शन होगा आज

बदायूं, अमृत विचार : लंबित मांगों को लेकर उत्तर प्रदेश आशा संगिनी यूनियन शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेगी। उक्त जानकारी देते हुए यूनियन की जिलाध्यक्ष जौली वैश्य ने बताया कि धरना प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर 15 दिसम्बर को किए जाने वाले अनिश्चितकालीन प्रदर्शन की जानकारी दी जाएगी।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने एस आर एम इंटर कॉलेज बीसलपुर जिला पीलीभीत से 2014 में हाई स्कूल की मुख्य परीक्षा जिसकी अंक तालिका क्रमांक 1111821 उत्तीर्ण की थी। जो वास्तव में कहीं खो गई है। काफी तलाशने के बाद भी अभी तक नहीं मिल सकी। **सौरभ कुमार पुत्र जयराम ग्राम बड़ा गांव तहसील बीसलपुर जिला पीलीभीत**

सूचना

पासपोर्ट में मेरा नाम गुलाब मियां कुरैशी है जबकि आधारकार्ड, पेनकार्ड व अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम गुलाब मियां अलाउद्दीन कुरैशी है जो कि सही है। भविष्य में मुझे गुलाब मियां अलाउद्दीन कुरैशी पुत्र अलाउद्दीन कुरैशी, मोहल्ला गंज त्रिपोलिया गंज कुरैशियान, आंवला (बरेली) के नाम से जाना व पहचाना जाए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने अपने छोटे पुत्र विजयवीर सिंह को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **सरोज पत्नी राजवीर सिंह निवासी मोहल्ला बाग बख्शी कस्बा व तहसील आंवला जिला बरेली।**

सूचना

मैंने अपने पुत्र देवानन्द बैरागी पुत्र स्व. निर्मल बैरागी नि. ग्राम चंदिया हजारा थाना हजारा जिला पीलीभीत की मनमानी करने, बात न मानने व गलत चाल-चलन के कृत्यों से तंग आकर सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में अपने कृत्यों के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **सुमित्रा बैरागी पत्नी स्व. निर्मल बैरागी नि. ग्राम चंदिया हजारा थाना हजारा जिला पीलीभीत।**

सूचना

मैंने अपना नाम सुनीता भारद्वाज से बदलकर डा. सुनीता कुन्तल भारद्वाज पत्नी श्री कुन्तल किशोर नि. DIG Banglow सेन्ट्रल जेल कम्पाउण्ड, बरेली रीजन (इज्जत नगर) बरेली रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाने।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का नाम आधार कार्ड में त्रुटिवश अरू सिंह अंकित हो गया है जबकि मेरी पुत्री का सही नाम वमिका सिंह है। भविष्य में मेरी पुत्री को वमिका सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाये। **विमलेश सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी ग्राम गैरतपुर पोस्ट बिलन्दपुर गद्दीपुर जिला शाहजहाँपुर वर्तमान पता वार्ड-17, साउथ सिटी एक्सटेंशन शाहजहाँपुर। मो. 9519312850**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

शीशम से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी

संवाददाता, कुंवरगांव

रोहान गांव में 10 शीशम के पेड़ काटे

बिल्सी, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के गांव रोहान में सरकारी जमीन पर खड़े हरे शीशम के पेड़ों को काट लिया गया। कटान की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लकड़ी से भरी ट्राली को कब्जे में लेकर कार्यालय भेज दिया। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। वनरक्षक अनिल राजपूत ने बताया कि सरकारी भूमि पर लगे करीब 10 शीशम के पेड़ काटे जाने की जानकारी मिली थी। मौके पर पहुंचने पर लकड़ी माफिया ट्राली में लकड़ी भरकर ले जाने की फिराक में थे, तभी विभाग ने ट्राली जब्त कर ली। हरे पेड़ों का काटा जाना सामने आते ही पर्यावरण प्रेमियों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं एसडीएम प्रेमपाल सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही जांच के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अमृत विचार : क्षेत्र में हरे और प्रतिबंधित पेड़ों का कटान रुकने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को थाना क्षेत्र के गांव दुगरैय्या के जंगल से शीशम की लकड़ी काटकर ट्राली में भरकर ले जाया जा रहा था। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम व नवादा चौकी पुलिस ने बाइपास बिजली घर के पास लकड़ी भरी ट्रैक्टर ट्राली पकड़ ली।

लकड़ी कब्जे में लेकर थाना कुंवर गांव क्षेत्र के दुगरैय्या निवासी अवैध कटान करने वाले के खिलाफ वन संरक्षण अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद लकड़ी माफिया में हड़कंप मचा हुआ है। इस संबंध में वन क्षेत्राधिकारी विकास वरुण का कहना है कि लकड़ी से भरी ट्राली टीम ने पकड़ी थी जिसमें दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उनसे जुर्माना भी वसूला जाएगा।

31 महिलाओं की शिविर में हुई नसबंदी

बिल्सी, अमृत विचार : नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर परिवार नियोजन कार्यक्रम को गति देने के उद्देश्य से नसबंदी शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जिले की एफआरएचएस टीम के चिकित्सकों की देखरेख में लेप्रोस्कोपिक विधि से 31 महिलाओं की नसबंदी की गई।

चिकित्साधीक्षक डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने जागरूक कियज्ञ। टीम में डॉ क़ादरा सुल्ताना, अमर वर्मा, अरविंद, दीपमाला, मनीषा, कुसुमलता, नीतू शर्मा, शशिवाला आदि शामिल रही।

प्लाटिंग के नाम पर छह लाख की ठगी

संभल, अमृत विचार: असमोली क्षेत्र में प्लाटिंग के नाम पर ग्रामीण से 6 लाख रुपये की ठगी कर ली। जो चेक दिए वह बाउंस हो गए, वहीं शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी गई।

मनौटा निवासी अकबर का कहना है कि तीन वर्ष पूर्व लइक निवासी पाकबड़ा, साजिद निवासी इटायला माफी तथा मुबारिक निवासी मालपुर मिलक उसके घर पहुंचे थे। तीनों ने उसे प्लाटिंग के व्यवसाय में शामिल करने का झांसा देकर 6 लाख रुपये की मांग की। अकबर ने प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक व अन्य स्रोतों से रुपये जुटाकर गांव के ही सतीश कुमार के सामने 6 लाख की रकम दे दी। अकबर का कहना है कि लंबे समय तक न जमीन दिलाई गई और न ही पैसे लौटाए गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

गोकशी का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

संवाददाता, कुंवरगांव

आरोपी को ले जाती कुंवरगांव पुलिस।

● पुलिस ने रुकने को कह तो चलाई गोली, जवाब में पुलिस ने भी की फायरिंग

अमृत विचार : कुंवरगांव पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गोकशी में फरार रहे चले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की थी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी। उसे जिला अस्पताल ले जाया गया है।

क्षेत्र के गांव हुसैनपुर और खासपुर के बीच जंगल में गोकशी की घटना को अंजाम दिया गया था। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। गन्ने के खेत में गोवंश के अवशेष मिले थे। पुलिस ने अवशेष दफन कराए थे। गांव करौतिया निवासी सरताज, बब्लू, शिफ्ते रजा और नवासे पुत्र बैसर अली के खिलाफ गोकशी की रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने सरताज को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करके जेल भेजा था। बाकी आरोपी फरार चल रहे हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। गुरुवार शाम लगभग साढ़े सात बजे पुलिस हुसैनपुर के जंगल में चेकिंग कर रही थी। पुलिस को एक युवक आता नजर आया। रुकने को कहने पर उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाब में फायरिंग की। युवक के पैर में गोली लगी। वह जमीन पर गिर गया। पुलिस ने उसे पकड़ लिया। आरोपी ने अपना नाम करौतिया निवासी नवासे बताया। वह गोकशी के मामले में फरार चल रहा था। उसके पास से एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस व दो खोखा कारतूस बरामद हुए। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके खिलाफ गोकशी समेत चार मामले दर्ज हैं। पुलिस उसके साथियों की तलाश कर रही है। सीओ सिटी रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि मुठभेड़ के बाद एक युवक को पकड़ा गया है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके साथियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल

N.H.-30, बंथरा, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश

Radiation Oncology Department

Cancer Facilities (कैंसर उपचार एवं सुविधाएं)

कैंसर की सटीक जाँच (Accurate Diagnosis)

नवीनतम तकनीक द्वारा कैंसर की प्रारंभिक एवं सटीक पहचान की सुविधा

- बायोप्सी
- रेडियो इमेजिंग (CT, MRI)
- ब्लड मार्कर जाँच

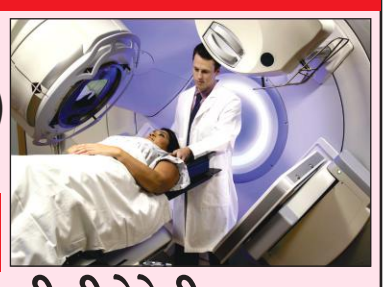

कीमोथेरेपी (Chemotherapy)

- सभी प्रकार के कैंसर की कीमीथेरेपी द्वारा उपचार की पूर्ण व्यवस्था

कैंसर की पूर्ण देखभाल (Comprehensive Cancer Care)

- कैंसर रोगियों के लिए पोषण, काउंसलिंग एवं पुर्नवास सहायता
- व्यक्तिगत (Individualised) उपचार योजना

रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट परामर्श उपलब्ध

- कैंसर के हर चरण के लिए सही मार्गदर्शन व उपचार योजना उपलब्ध।

(प्रतिदिन ओ.पी.डी. कमरा नं. 171 में प्रातः 9:00 से सायं 4:00 बजे तक)

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :- 7521001988, 7521001989

न्यूज ब्रीफ

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में 17 स्थान नीचे खिसका बरेली जिला

बरेली, अमृत विचार : सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में इस बार बरेली मंडल के शाहजहांपुर जिले ने प्रदेश में प्रथम स्थान पाया है, जबकि अक्टूबर माह में प्रदेश में तीसरे स्थान पर रहने वाला बरेली जनपद इस बार 17 अंक लुढ़ककर 20 वें स्थान पर पहुंच गया। नवंबर माह में राजस्व और विकास कार्यों की प्रगति को लेकर हुए मूल्यांकन में बरेली का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। सीएम डैश बोर्ड में शामिल छह योजनाओं में प्रगति शून्य रही। मुख्यमंत्री कार्यालय से बुधवार को जारी सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में जिला प्रदेश में 20वें स्थान पर आया। अक्टूबर माह के मूल्यांकन में बरेली तीसरे स्थान पर था, ऐसे में रैंकिंग में आई गिरावट ने सरकारी विभागों की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। जारी रैंकिंग के अनुसार, नवंबर माह में शाहजहांपुर प्रदेश में पहले स्थान पर रहा। हरदोई दूसरे और श्रावस्ती तीसरे स्थान पर रहा। अक्टूबर माह में पांचवें स्थान पर आने वाला शाहजहांपुर शीर्ष पर पहुंच गया, जबकि बरेली जनपद तीसरे स्थान से लुढ़ककर 20वें नंबर पर आ गया।

खतरे में सफर : चौपुला पुल में कई स्थानों पर ज्वाइंट का गैप बढ़ा

बरेली, अमृत विचार : चौपुला पुल पर अधिकारी किसी हादसे के इंतजार कर रहे हैं। पुल व एक्सपेंशन ज्वाइंटों की हालत काफी खराब हो चुकी है। कई जगाहों पर एक्सपेंशन ज्वाइंट का गैप चार से पांच इंच तक बढ़ गया है। इससे न सिर्फ पुल की संरचना पर प्रभाव पड़ रहा है, बल्कि पुल पर चलने वाली गाड़ियों को तेज झटकों का सामना भी करना पड़ रहा है। स्कूटी, ऑटो, ई-रिक्शा, बाइक सवार चालकों को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है।

झारखंड के राज्यपाल के बेटे को सीएम योगी ने दिया आशीर्वाद

आईवीआरआई में आयोजित शादी समारोह में कई अन्य वीवीआईपी भी पहुंचे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार के पुत्र अपूर्व के विवाह समारोह में गुरुवार को जिले में वीवीआईपी का जमावड़ा रहा। शाम करीब छह बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आईवीआरआई स्थित कार्यक्रम में पहुंचकर वर-वधू को आशीर्वाद देकर राज्यपाल के परिवार को बधाई दी। इस दौरान भीड़ मुख्यमंत्री को देखने को बेताब रही। उन्होंने वीवीआईपी मंच से भीड़ का अभिवादन किया तो भीड़ के बीच से जय श्रीराम के नारे गुंजायमान हो उठे।

- **मुख्यमंत्री को देखने के लिए लालायित रही भीड़, शादी पंडाल में गूंजा जै श्रीराम**

झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार के बेटे अपूर्व का रिश्ता तमिलनाडु के उद्योगपति की बेटी संजना से हुआ है। आयोजन में दिनभर भीड़ के बीच 25 से अधिक वीवीआईपी पहुंचे। इनमें मुख्यमंत्री के साथ परिवहन मंत्री दयाशंकर शर्मा, सिंचाई मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, वनमंत्री डॉ अरुण सक्सेना, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह, कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, महिला आयोग की सदस्य पुष्पा पांडे, एलएलसी कुंवर महराज सिंह, विधायक संजीव अग्रवाल, डा. एमपी आर्य, प्रवीण सिंह एरन, आसपास के जनपदों के सियासी कद्दावर पूर्व व वर्तमान जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने आईवीआरआई स्थित कार्यक्रम में पहुंचकर वर-वधू को आशीर्वाद देकर राज्यपाल के परिवार को बधाई दी।

सुबह से रात तक लगी उमड़ी रही भीड़

राज्यपाल संतोष गंगवार के पुत्र के विवाह में सियासी जमावड़ा सुबह से देर रात तक रहा। आयोजन में बरेली जिले के साथ ही आसपास के जिलों के लोगों को निमंत्रण था। लोगों का सुबह 11 बजे से आना शुरू हो गया था। शाम करीब छह बजे मुख्यमंत्री को देखने के लिए भारी भीड़ लग जमा थे। इसके बाद भीड़ का यह क्रम टूटा नहीं। देर रात तक चलता रहा। आईवीआरआई परिसर में ही कार्यक्रम स्थल से एक किमी दूर वाहनों को खड़ा कराना पड़ा। पुलिस के भी वीवीआईपी मूवमेंट व भीड़ को संभालने में पसीने छूट गए। पुलिस के साथ प्रशासन के अधिकारी भी वीवीआईपी नेताओं की अगुवाई के चलते व्यवस्थाओं में लगा रहा।

सीएम की झलक पाने के लिए बेताब रहे लोग

जिस समय सीएम योगी आदित्यनाथ मंच पर आए। उस समय वीवीआईपी के अलावा किसी अन्य को प्रवेश नहीं था। सभी को दावत वाले स्थान पर ही प्रवेश दिया गया था। इसके चलते भीड़ दावत वाले स्थान पर जमा रही। सीएम के उस भीड़ के बीच बने मंच पर आने व उनकी एक झलक पाने के लिए लोग बेताब रहे। जब सीएम आए तो उनसे बोलने को भी कहा गया। मगर सीएम सिर्फ अभिवादन कर चले गए।

लाइफ सर्टिफिकेट अपडेट का झांसा देकर ठगा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : साइबर ठगों ने डिफेंस कॉलोनी के पेंशनर को लाइफ सर्टिफिकेट अपडेट कराने का झांसा देकर ओटीपी लिया। इसके बाद मिनटों में उनके बैंक खाते से 25 लाख रुपये उड़ा दिए। पीड़ित की तहरीर पर साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कर ठगों की डिटेल खंगाली जा रही है।

इज्जतनगर थाना क्षेत्र के डिफेंस कॉलोनी निवासी अनन्त कुमार ने बताया कि एक दिसंबर को अनिल शर्मा नाम के व्यक्ति का उनके मोबाइल पर फोन आया। उसने खुद को अधिकारी जैसा दिखाते हुए कहा कि आपका लाइफ सर्टिफिकेट अपडेट नहीं है, मैं करा देता हूं, लेकिन ओटीपी बताए बिना ये नहीं होगा। उसके झांसे में आकर ओटीपी बता दिया। अगली सुबह जब पीएनबी वन ऐप खोला तो खाते से 25 लाख रुपये गायब थे। पीड़ित के मुताबिक, खाते से लगातार ट्रांजक्शन करके रकम उड़ा ली गई। घबराए पेंशनर ने फौरन तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ठग के मोबाइल नंबर के जरिए गिरोह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

फेक यूपीआई के जरिए छह लाख की ठगी

बहेड़ी थाना क्षेत्र के मद कमलानयनपुर निवासी निर्मला गंगवार ने बताया कि उनका एचडीएफसी बैंक की कर्मचारी नगर शाखा में बैंक खाता है। आरोप है कि 13 सितंबर को उनके बैंक खाते से फेक यूपीआई बना कर कई बार में अलग-अलग कुल छह लाख रुपये निकाल लिए गए। उनके मोबाइल फोन पर लगातार मैसेज आया और उन्होंने बैंक में भी जानकारी दी। बावजूद ठगों ने उनके खाते से रुपये साफ कर दिए। साइबर क्राइम पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला के क्रेडिट कार्ड से 65 हजार निकाले

किला थाना क्षेत्र के खन्नू मोहल्ला निवासी जीवन रेखा हीमोफीलिया सोसायटी की अध्यक्ष रेखा रानी के क्रेडिट कार्ड से 65 हजार रुपये की धनराशि निकाल ली गई। रुपये कैसे और कब निकाले गए, उन्हें इसकी जानकारी ही नहीं मिल पाई। किला पुलिस ने महिला की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। दावा है कि जल्द ही ठगों तक पहुंच कर ठोस कार्रवाई की जाएगी।

- **ओटीपी बताते ही साफ हो गया बैंक खाता, एफआईआर दर्ज**
- **साइबर ठगों की डिटेल खंगाल रही साइबर क्राइम पुलिस**

महिला ठग ने निवेश का झांसा देकर पांच लाख का लगाया चूना

बहेड़ी थाना क्षेत्र के मोहल्ला जाजूनगर निवासी दिलीप कुमार के अनुसार उनके मोबाइल पर राधिका नामक महिला की आईडी से एक लिंक भेजा गया। इस पर ओएसएल ट्रेडिंग लिखा गया था। उसी के जरिये नया व्यापार करने का झांसा दिया गया। आरोप है कि राधिका ने सोशल मीडिया पर पहले उससे दोस्ती की। इसके बाद व्यापार करने के लिए उन्हें प्रेरित किया। राधिका ने बताया कि इससे काफी मुनाफा होता है और पूरी तरह से सुरक्षित है। उन्होंने 21 से 25 सितंबर तक करीब आठ बार में पांच लाख रुपये लगाए गए। मगर कोई मुनाफा न होने पर उन्हें ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद राधिका से संपर्क किया गया, मगर दोबारा संपर्क नहीं हो सका। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

जिला प्रशासन ने निर्धन व असहायों को बांट दिए 2500 कंबल

बरेली, अमृत विचार : निर्धन व असहायों को कड़ाके की ठंड से राहत पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन ने करीब 30 लाख रुपये की लागत से 6185 कंबलों की खरीद की है। इसमें से सभी तहसीलों में करीब 2500 कंबल निर्धन व असहायों को बांट भी दिए गए। जनप्रतिनिधियों द्वारा कंबल बंटवाए जा रहे हैं। निर्धन व असहाय व्यक्ति को कंबल देते हुए फोटो संग नाम, पता व मोबाइल नंबर भी आपदा पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है। कंबल वितरण की मॉनीटरिंग आपदा राहत विभाग कर रहा है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि तीन दिन पहले कंबल खरीद लिए गए। तहसील सदर को दो हजार कंबल दिए गए हैं, जबकि मीरगंज, आंवला, बहेड़ी, नवाबगंज व फरीदपुर तहसील को 837-837 कंबल दिए गए हैं। एडीएम एफआर संतोष कुमार सिंह की ओर से सभी एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देश दिए गए हैं कि निर्धन व असहायों को कंबल देते हुए फोटो आपदा पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड कराएं।

संभल कर करें उर्वरक का इस्तेमाल

बरेली, अमृत विचार : जिले में रासायनिक खाद की बढ़ती खुराक ने मिट्टी के प्राकृतिक तत्वों को कमजोर कर दिया है। इसका खुलासा मृदा नमूनों के परीक्षण रिपोर्ट में हुआ है। मिट्टी में जीवांश कार्बन के साथ नाइट्रोजन की कमी मिली है, जिससे पौधों की वृद्धि रुक जाती है और उत्पादकता घट जाती है। खेत की मिट्टी किस प्रकार की है, उसकी क्षमता किस स्तर पर है आदि बिंदुओं पर जानकारी के लिए केंद्र सरकार की ओर से सॉइल हेल्थ कार्ड स्कीम (मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना) शुरू की गई है।

भतीजी की धारदार हथियार से हत्या भतीजे को दूसरी मंजिल से नीचे फेंका

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

अमृत विचार: मंडावली थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम घरेलू विवाद ने भयावह रूप ले लिया, जब एक युवक ने नशे और पारिवारिक तनाव में भाई के बच्चों पर हमला कर दिया। परिवार के अनुसार हिमांशु (22) कुछ समय से मानसिक तनाव और नशे की लत से ग्रस्त था, जिसके चलते वह अक्सर घर में झगड़ा करता था।

गांव राजपुर नवादा निवासी पीडब्ल्यूडी कर्मचारी जय सिंह दो बेटों अरुण और हिमांशु के साथ रहते हैं। गुरुवार शाम हिमांशु का किसी बात को लेकर अरुण की पत्नी मंजू से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि गुस्से में उसने अरुण की दो साल की भतीजी मानवी पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। पांच वर्षीय मयंक को दूसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया।

- **बिजनौर में घरेलू विवाद में चाचा ने उठाया खौफनाक कदम**

शोर सुनकर परिवार और पड़ोसी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था। परिजन दोनों बच्चों को तत्काल अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने मानवी को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल मयंक का इलाज मंडावली के निजी अस्पताल में चल रहा है।

एसपी सिटी कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ हत्या और हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया गया है। उसकी तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

पैतृक संपत्ति बड़े भाई के नाम न हो जाए इसलिए रहता था नाराज

परिवार का कहना है कि वे हिमांशु को नशे से दूर रखने के लिए पैसे देने से मना करते थे, जिससे वह चिड़चिड़ा रहता था। बताया जा रहा है कि उसे यह भ्रम भी था कि परिवार की पैतृक संपत्ति उसके बड़े भाई के नाम हो जाएगी, इसी वजह से वह मन ही मन में नाराज रहता था।

मां बोली, आरोपी को मिले सख्त सजा

मंजू ने बताया कि हम खाना खा रहे थे, तभी उसने बच्चों के बारे में पूछा और अचानक हमला कर दिया। उन्होंने मांग की है कि आरोपी को सख्त से सख्त सजा मिले।

स्कूलों में बच्चों की ड्रॉपआउट दर शून्य करने की तैयारी

बरेली, अमृत विचार: जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई छोड़ने वाले छात्रों की संख्या को कम करने के लिए विभाग ने विशेष योजना बनाई है। इसके तहत पांचवीं से 11 वीं तक की कक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की विशेष निगरानी की जाएगी। स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की सूची हर माह अपडेट होगी। संबंधित शिक्षक उनके परिवार से संवाद कर कारण पता करेंगे। जरूरत पड़ने पर परामर्श सत्र भी कराए जाएंगे। ताकि आर्थिक, सामाजिक या अन्य कारणों से पढ़ाई न रुके।

एडी बेसिक डॉ. अजीत कुमार का कहना है कि जिले में बेसिक शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा विभाग के सभी विद्यालयों में नए शिक्षा सत्र से ड्रॉपआउट दर शून्य करने के लिए पांचवीं से छठी, आठवीं से नौवीं और दसवीं से 11 वीं कक्षा के विद्यार्थियों की विशेष निगरानी की जाएगी। शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी छात्र-छात्रा बीच में पढ़ाई न छोड़े।

अमृत विचार कार्यालय में दिवंगत खेल हस्ती रवींद्रनाथ कुनार को दी गई श्रद्धांजलि

अमृत विचार कार्यालय में शोकसभा में मौजूद अधिकारी-कर्मचारी। ● अमृत विचार

बरेली, अमृत विचार: अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार के पिता एवं बिहार की वयोवृद्ध खेल हस्ती रवींद्रनाथ कुनार के निधन पर गुरुवार की शाम सेटेलाइट स्थित कार्यालय में शोकसभा का आयोजन किया गया।

कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारियों ने रवींद्रनाथ कुनार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और दो मिनट का मौन धारण कर भगवान से पुण्य आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। अमृत विचार के अन्य कार्यालयों में भी शोकसभा आयोजित करके रवींद्रनाथ कुनार को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

शोकसभा में नवीन गुप्ता, मयंक तिवारी, संदीप बत्रा, सतीश द्विवेदी, अजीत श्रीवास्तव, अनूप शर्मा, सुनील सिंह, लक्ष्मण सिंह भंडारी, राकेश शर्मा, अमरदीप गुप्ता, अभय गुप्ता, आनंद सिंह, ओमेंद्र सिंह, सुरेश पांडेय, रामराज मिश्रा, दिग्विजय मिश्रा, आसिफ अंसारी, मोनिस खान, रश्मि पटेल, दानवीर, संजय, रतन सिंह गुर्जर, योगेश कुमार आदि समस्त स्टाफ मौजूद रहा। बता दें कि 86 वर्ष की आयु में रवींद्रनाथ कुनार का बुधवार को रांची के अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थे।

पूर्वोत्तर रेलवे

निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)/इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती है:- **क्र.सं. 1.; खुली ई-निविदा सूचना संख्या:** इज्जत/इले./ओ.टी./32/2025 दिनांक 08.12.2025. **कार्य का नाम:** इज्जतनगर मंडल के वर्तमान मंडल नियंत्रण कक्ष के सुधार, सेहरामऊ रेलवे स्टेशन पर प्रस्तावित तीसरी लूप लाइन और शेरगंज हाल्ट स्टेशन को तीसरी लाइन क्रॉसिंग स्टेशन में परिवर्तित करने के संबंध में सामान्य विद्युतीकरण कार्य।; **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹86,70,995.23; **धरोहर राशि (₹ में):** ₹1,73,400/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹ में):** शून्य; **निविदा का प्रकार:** खुली निविदा; **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय:** 30.12.2025 को 15:00 बजे तक; **स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** छः माह। • इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। • पूर्ण विवरण वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दिया गया है। • निविदादाता के पास क्लास-III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिए। • निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वे समय-समय पर ऑनलाइन जारी किए गए शुद्धिपत्र की जाँच करें, यदि कोई हो। समाचार पत्र में अलग से कोई प्रकाशन जारी नहीं किया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर(सा.)/इज्जतनगर
मुजाधि/विद्युत-212
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी की फर्म मै.रविन्द्र एसोसिएट पता-136 ग्रीन पार्क बीसलपुर रोड बरेली पिन कोड 243008 जिसका पंजीकरण संख्या BAR/0003802 है। उपरोक्त फर्म 12.06.2019 से निरन्तर सुचारू रूप से कार्य कर रही है, उपरोक्त फर्म में साझेदार आलोक तोमर पुत्र रविन्द्र सिंह तोमर की आकस्मिक मृत्यु 17.08.2024 को हो गयी। वर्तमान में आलोक तोमर की जगह उनकी माता सुधा पत्नी रविन्द्र सिंह तोमर पार्टनर बन गयी है। वर्तमान में फर्म में कुल तीन साझेदार 1. सुधा तोमर 2. सुशील दूहन 3. प्रवीन कुमार एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त साझेदारी फर्म में संशोधन के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गयी।

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती रामवती पत्नी श्री कुन्दन लाल एक आवासीय भवन जो मो. फर्रखपुर तकिया नई बस्ती फरीदपुर जनपद बरेली में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 218.51 वर्गमीटर है। उक्त सम्पत्ति लोन हेतु सेवागृह ऋण लिमिटेड से लिया जा रहा है। इस सम्बन्ध में एक विक्रय विलेख श्री रामवती पत्नी श्री कुन्दन लाल व रूम सिंह पुत्र श्री जोधा सिंह एवं अरूणा देवी पत्नी श्री रूम सिंह के पक्ष में निष्पादित की गई है जोकि उक्त पंजीकरण दिनांक 23.06.1986 बुक नं.1 वैल्यू नं. 650/661 पेज नं. 181/119 से 120 सीरियल नं. 2115 दिनांक 23.06.1986 में रजिस्ट्री हुई है। जोकि रास्ते में जाते समय इस बैनामे की मूल प्रति कहीं गिर गई थी जिसकी सूचना दिनांक 15.08.2024 को पुलिस को दी जा चुकी है। यदि किसी व्यक्ति या संस्था को उर्पयुक्त संपत्ति अभिलेख या स्वामित्व से सम्बन्धित कोई आपत्ति दावा या अधिकार है तो बैंक के एडवोकेट सोनू यादव से सम्पर्क करें।

सोनू सिंह यादव
एडवोकेट
सेवागृह ऋण लिमिटेड
मो. 9324585156

कार्यलय ग्रा.प. समदनगर विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक : निविदा/विज्ञाप्ति/2025-26 11-12-2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, टीन, पेन्ट, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत समदनगर विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अतः समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 14.12.2025 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनु. धनराशि
1.	पानी की टंकी से डीलर के घर तक नाली ,सीसी नि कार्य	लगभग 7 लाख

सचिव प्रधान

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: याँ/246/1/15/25-26/ओटी-28

मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये निविदा पत्र में अंकित योग्यता मापदण्डों के अनुसार ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं.-1, कार्य का संक्षिप्त विवरण: मेकेनिकल वर्कशॉप, इज्जतनगर में 02 वर्ष की अवधि के लिये, डेमू पावर कार के 1400 एचपी 10 नग ट्रैक्शन अल्टरनेटर (मेसर्स बीएचईएल और मेसर्स सीजीएल निर्मित) की छोटी मरम्मत/सर्विसिंग/सफाई/ओवरहालिंग (कार्य के दायरे के अनुसार), अनुमानित मूल्य (रू.में): ₹ 86,51,176/- (रूपये छियासी लाख इक्यावन हजार एक सौ छिहत्तर मात्र), बिड सिक्योरिटी (रू.में): ₹ 1,73,000/- (रूपये एक लाख तिहत्तर हजार मात्र), निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.): शून्य, कार्य अवधि: दो वर्ष, निविदा खुलने की तिथि व समय: दिनांक 31-12-2025 को 15:30 बजे।

नोट: (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित दिनांक 09-12-2025 को समय 17:00 बजे से वेबसाइट ***www.ireps.gov.in*** पर टेण्डर खुलने की तिथि 31-12-2025 को 15:00 बजे तक उपलब्ध है। **(2)** उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको IT Act 2000 के अंतर्गत CCA द्वारा जारी क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **(3)** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित ऑनलाइन दर्ज करने पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अस्वीकृत कर दिया जायेगा। **(4)** ई-निविदा हेतु बिड सिक्योरिटी का भुगतान निविदा प्रपत्र के अनुसार स्वीकार किया जायेगा।

उप मुयाइं/प्लान्ट, यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर
मुजाधि/यॉंत्रिक-102
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 11666/453सी0 (ई0टेण्डर)-3/25 दिनांक: 29.11.2025

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1-महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड-1 लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से मदवार दरों पर ई-निविदा दिनांक 18.12.2025 से दिनांक 26.12.2025 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 26.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन-लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत (रू0लाख)	कुल लागत (रू0लाख)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य((निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
01	वित्तीय वर्ष 2025-26 मे जनपद बरेली में मिर्जापुर से नरखेडा मण्डवा वंशीपुर होते हुए आनन्दपुर मार्ग (अ0जि0मा0) में चौडीकरण एवं सुदृढीकरण कार्य । (05 वर्ष के अनुरक्षण सहित)	निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0,बरेली	1998.79	47.00	2045.79	30.69	12 माह	2725.00	ए (मार्ग कार्य)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(राजीव अग्रवाल)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1,लो0नि0वि0,बरेली

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0,बरेली

UP-242156 दिनांक 10.12.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

टीम इलेवन दिखाएगी रैन बसेरे की राह

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : खुले में सड़क किनारे रात गुजारने वालों को ठंड से बचाने के लिए नगर निगम ने नई पहल की है, जिसके तहत टीम इलेवन गठित की है, जो ऐसे लोगों को चिह्नित कर उन्हें रैन बसेरे तक पहुंचाएगी। अफसरों के अनुसार आगामी 10 दिन में इसको लेकर अभियान शुरू कर दिया है।

नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि शहर में 11 स्थानों पर स्थाई और अस्थाई रैन बसेरे हैं। इसके बाद भी पूर्व वर्षों में निरीक्षण के दौरान देखा गया कि कई लोग सड़कों पर खुले में सो रहे हैं। इससे ठंड की चपेट में आने से जान का जोखिम भी है।

- **सर्दी में खुले में सोने वालों को पहुंचाएगी रैन बसरे तक**
- **टीमों में अफसर और कर्मचारी रात 10 से 12 बजे तक करेंगे भ्रमण**
- **नगर निगम ने टीम गठित कर सौंपी जिम्मेदारी**

जिसके चलते स्वास्थ्य, पर्यावरण समेत अन्य विभागों के 11 सदस्यों की टीम बनाई गई है, जो शहर में रात में 10 बजे से 12 बजे तक प्रमुख चौराहों, सड़कों समेत अन्य इलाकों का भ्रमण कर ऐसे लोगों को चिह्नित कर रैन बसेरे तक पहुंचाएगी। टीम में शामिल 11 सदस्यों में हर दिन अलग-अगल तीन लोगों की टीम को निगरानी के लिए आदेशित किया गया है।

इसलिए यह पहल की गई

नगर आयुक्त बताते हैं बीते साल आवास से निरीक्षण के दौरान निकलने पर एक युवक नगर निगम के ठीक सामने रोड पर कपड़ा बिछाकर सोता मिला था। जब उससे पास जाकर पूछा तो उसे रैन बसेरा क्या होता है, कहां बना है, इसकी जानकारी तक नहीं थी। इसके बाद से ही जरूरतमंदों का ठंड से बचाव करने की बात जहन में आई। इसलिए टीम इलेवन का गठन किया गया।

फसल चक्र अपनाएं किसान तो सुधर सकती है सेहत

बरेली, अमृत विचार : सहायक निदेशक मृदा परीक्षण नरेंद्रपाल का कहना है कि खेती में फसल चक्र का अपनाया जाना जरूरी है। लगातार परंपरागत ढंग से गेहूं-धान की खेती करने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम होती जाती है। यदि खेतों में मूंग, उड़द की फसल पलट दी जाए तो जीवाश्म कार्बन की उपलब्धता हो जाएगी। फसल चक्र के अभाव में नाइट्रोजन की उपलब्धता पर भी विपरीत असर पड़ रहा है। किसान सनई, ढैंचा की खेती भी नहीं कर रहे हैं। जैविक खाद से कल्चर बनता है।

माननीय न्यायालय उपजिलाधिकारी (न्यायिक) फरीदपुर जिला बरेली।
वाद सं. टी202512130303140 सन् 2025
रामाशंकर बनाम नरेशपाल आदि
वाद अंतर्गत U/S 116 U.P.R.C.
ग्राम-मिर्जानपुर तह. फरीदपुर (बरेली)

1. नरेश पाल पुत्र खेमपाल 2. परमेश्वरी पुत्र खेमपाल 3. रामकुमार पुत्र खेमपाल 4. सुरेश पाल पुत्र खेमपाल नि. ग्राम लधौली खुर्द तह. फरीदपुर जिला बरेली 5. बजरंगी पुत्र पुत्तु लाल 6. बनवारी पुत्र पुत्तु लाल 7. मुरारी पुत्र पुत्तु लाल 8. रामआसरे पुत्र पुत्तु लाल नि. ग्राम लधौली कला तह. फरीदपुर जिला बरेली 9. रईस अहमद व रफीक अहमद पुत्रगण समीर हुसैन निवासीगण ग्राम शिवपुरी

चूंकि मुसम्मी रामाशंकर आपके नाम एक नालिस वास्ते 116 U.P.R.C. के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है आप बतारीख 17.12.2025 असालतन या मारफत किसी वकील के जो हालात मुकदमा में बखूबी वाकिफ हो मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैरहाजरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा। आज तारीख मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

न्यायालय उपजिलाधिकारी (न्यायिक) फरीदपुर जिला बरेली।

नोटिफिकेशन के बाद शुरू होगी जमीन खरीद

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : रामगंगा नगर और ग्रेटर बरेली के बाद अब पीलीभीत बाईपास पर विकसित होने जा रही नई टाउनशिप को भी बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) जल्द धरातल पर उतारने की तैयारी कर रहा है। इसी क्रम में नोटिफिकेशन के बाद भूमि खरीद प्रक्रिया बीडीए आरंभ करेगा। जल्द नोटिफिकेशन जारी होगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है।

बीडीए उपाध्यक्ष ने टाउन प्लानरों व अन्य अधिकारियों के साथ भूमि अधिग्रहण में शामिल गांव के साथ ही अन्य संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण भी कर लिया है। प्रस्तावित नई टाउनशिप के लिए बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने जिन गांवों की भूमि चयनित की है, उनका दायरा तय कर लिया गया है। टाउनशिप के लिए कुम्हरा, नवदिया कुर्मियान, अहलादपुर, आसपुर, खूबचंद, अहपुरा जागीर, वरकापुर, कलापुर, हरहरपुर और महोरनिया गांवों की जमीन ली जाएगी। बीडीए अफसरों के अनुसार इस टाउनशिप में आधुनिक आवासीय ब्लॉक और हरित परिदृश्य, चौड़ी सड़कें, स्ट्रीट लाइटिंग और अंडरग्राउंड ड्रेनेज होने के साथ ही बच्चों के लिए खेलकूद की सुविधाएं परिपूर्ण पार्क, ओपन जिम और जॉगिंग ट्रैक भी बनाए जाएंगे। इसके साथ ही कम्युनिटी सेंटर और हेल्थ सुविधाओं के लिए अस्पताल का निर्माण भी होगा।

- **बीडीए के अधिकारियों और टाउन प्लानरों ने साइट का निरीक्षण किया**
- **जमीन खरीद से पहले नोटिफिकेशन जारी करने की तैयारी में बीडीए**

> नई टाउनशिप शहरवासियों के खास होगी। कई किसानों ने भी जमीन अधिग्रहण के लिए सकारात्मक रुख दिखाया है। बीडीए का लक्ष्य है कि नोटिफिकेशन के बाद जमीन खरीद और अधिग्रहण तेजी से पूरा कर परियोजना को जल्द धरातल पर उतारा जाए।
> **- डॉ. मनिकंडन** ए, उपाध्यक्ष, बीडीए।

न्यूज ब्रीफ

दो वरिष्ठ आईएएस के कार्यक्षेत्र में बदलाव

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में उप्र. शासन ने अहम बदलाव किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नियुक्ति और कार्मिक विभाग ने गुरुवार को कार्यक्षेत्र में इस फेरबदल का आदेश जारी किया। नियुक्ति विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अखंड प्रताप सिंह को उप्र. राज्य ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण का मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त किया गया है। अखंड प्रताप इससे पूर्व विशेष सचिव, निर्वाचन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन और अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। वहीं, आईएएस दीपा रंजन को उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ उप्र. राज्य ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण को मुख्य कार्यपालक अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

सुबह-शाम कोहरा छाने का अनुमान

अमृत विचार, लखनऊ : सुबह-शाम के समय उत्तरी पश्चिमी हवाएं ठंडक बढ़ा रही हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश के 13 जिलों, कुशीनगर, महाराजगंज, बहराइच, देवरिया, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, गोंडा, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी, सीतापुर में घना कोहरा छाने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार शुक्रवार को सुबह-शाम के समय हल्की धुंध और कोहरा छाया रहेगा। दिन में आसमान साफ रहेगा, धूप खिलेगी। अधिकतम तापमान 25 व न्यूनतम 9 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।

बीडीएस काउंसिलिंग में पंजीकरण का अंतिम मौका

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के सरकारी व निजी डेंटल कॉलेजों में स्नातक (बीडीएस) की रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए पांचवें चरण की काउंसिलिंग में पंजीकरण कराने की अंतिम दिन 12 दिसंबर शुक्रवार है, इसी दिन देर शाम पंजीकृत अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी कर दी जाएगी। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक अपर्णा यू ने गुरुवार को बताया कि मेरिट सूची के क्रम में अभ्यर्थियों को 15 दिसंबर तक प्राथमिकताएं देनी होगी। तत्पश्चात 16 को सीट आवंटन के परिणाम घोषित होंगे और 20 दिसम्बर तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

व्यावसायिक प्रयोगात्मक परीक्षाएं 15 से

अमृत विचार, लखनऊ : व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश ने अखिल भारतीय व्यावसायिक परीक्षा, दिसम्बर-2025 की तैयारियों को गति देते हुए सभी जिलाधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि लेफ्टओवर/सप्लीमेंटरी श्रेणी की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 15 दिसंबर से 19 दिसंबर तक आयोजित की जाएंगी। इसके लिए प्रैक्टिकल एक्जामनर मैपिंग की अनिवार्य समय-सीमा 9 से 26 दिसंबर निर्धारित की गई है, जिसे परीक्षा से पूर्व पूरा किया जाना है। प्रमुख सचिव ने बताया कि डीजीटी, केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रैक्टिकल एक्जामनर मैपिंग केवल उन परीक्षकों की की जाएगी जो www.skillindiadigital.gov.in पर पंजीकृत हों। अगर किसी जिले में पंजीकृत परीक्षकों की संख्या पर्याप्त नहीं है, तो नोडल राजकीय आईटीआई की अध्यक्षता में गठित समिति ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करेगी तथा अभ्यर्थियों के शैक्षिक अभिलेख, योग्यता तथा अनुभव की जांच कर अनुमोदन सुनिश्चित करेगी।

मतदाता सूची की कमियां दूर करें, ताकि चुनाव के समय कम हों चुनौतियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री योगी ने एसआईआर को लेकर आजमगढ़ और वाराणसी में की मंडलीय समीक्षा, दिए निर्देश

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी सर्किट हाउस और आजमगढ़ कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को आयोजित एसआईआर समीक्षा बैठकों में स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार और संगठन घुसपैठियों और फर्जी मतदाताओं के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी समय रहते मतदाता सूची की कमियों को दूर कर लिया जाए ताकि चुनाव के समय मेहनत और चुनौतियां कम हों।

वाराणसी में आयोजित समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री ने अफसरों को अलग से ब्रीफ किया। एसआईआर अभियान में अनमैपिंग, मृतक, अनुपस्थित और शिफ्टेड मतदाताओं को विशेष श्रेणी में लेकर छानबीन करने के निर्देश दिए। बाद में काशी क्षेत्र के छह संगठनात्मक जिलों के मंत्री समेत सांसद, विधायक, जिलाध्यक्ष, मंडल प्रभारी और एसआईआर संयोजक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सही कहा है कि चुनाव बूथ पर लड़ा जाता है, इसलिए बूथ प्रबंधन को मजबूत बनाना सबसे आवश्यक है। हर बूथ पर दो टीमों द्वारा घर-घर संपर्क कर पात्र मतदाताओं का सत्यापन कराने और प्रपत्र बीएलओ को सौंपने को कहा। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक तालमेल, तकनीकी दक्षता और सतत मॉनीटरिंग इस अभियान की सफलता के मूल सूत्र हैं। बीएलए-1, बीएलए-2, बूथ अध्यक्ष और बूथ प्रवासी को मिलकर व्यापक रणनीति बनाने को कहा गया।

वाराणसी के डाक बंगले में एसआईआर को लेकर मंडलीय समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में मंत्रीगण।

पूरी ईमानदारी से सत्यापन कार्य में जुटें : योगी

आजमगढ़ में आयोजित मंडलीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के साथ कई कैबिनेट मंत्री मौजूद रहे। बैठक के अंत में उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों को पूरी ईमानदारी से सत्यापन कार्य में जुटने को कहा ताकि कोई भी वास्तविक मतदाता सूची से बाहर न रह जाए। बैठक में सुभासपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ. अरविंद राजभर भी शामिल हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा दिए निर्देशों को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि मृतक, लापता और फर्जी मतदाताओं की संख्या चिंताजनक है और इसे दुरुस्त करना अनिवार्य है। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि कंप्यूजन ही कंप्यूजन है, सॉल्यूशन का पता नहीं।

योगी ने जनता दर्शन में सुनीं समस्याएं

अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर : गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 300 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाया कि जरूरतमंदों को आवास और गंभीर बीमारों के इलाज के लिए सरकार किसी प्रकार की कमी नहीं आने देगी। हर पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ और हर पीड़ित को समयबद्ध एवं सन्तुष्टिपरक समाधान उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री स्वयं लोगों के बीच पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनीं।

दो तस्कर गिरफ्तार, फर्जी फर्मों के जरिए देशभर में कर रहे थे तस्करी

कफ सिरप तस्करी मामले में एसटीएफ ने लखनऊ से आरोपियों को किया गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- फर्जी फर्म से जुड़े 31 दस्तावेज बरामद, सात वर्ष से कर रहे थे आपूर्ति

अमृत विचार: यूपी एसटीएफ ने कोडीन युक्त फेंसेडिल कफ सिरप की तस्करी में लिप्त गिरोह पर बड़ा शिकंजा कसते हुए दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने सहारनपुर के आरोपियों में अभिषेक शर्मा और शुभम शर्मा को गुरुवार की सुबह आलमबाग मवैया स्थित टेढ़ी पुलिया से दबोच लिया। दोनों भाई फर्जी फर्मों के जरिए भारी मात्रा में कफ सिरप की अवैध खरीद-फरोख्त कर उसे देश के विभिन्न राज्यों होते हुए बांग्लादेश तक सप्लाई करा रहे थे।

एसटीएफ के एएसपी लाल प्रताप सिंह के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी सहारनपुर के सदर बाजार स्थित कपिल बिहार के रहने वाले हैं। दोनों सगे भाई हैं। आरोपियों के पास से दो मोबाइल व फर्जी फर्म से जुड़े 31 दस्तावेज बरामद किया है।

कफ सिरप तस्करी में पकड़े गए आरोपी दोनों भाई अभिषेक और शुभम।

फर्जी फर्मों का जाल और कोडीन सिरप की तस्करी : पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह 2019 से फर्जी फर्में बनाकर एबॉट कंपनी के फेन्सेडिल कफ सिरप को कागजों में एक राज्य से दूसरे राज्य बेचता दिखाता था, जबकि असली माल को तस्करों को सौंप दिया जाता था। यह माल बिहार-झारखंड-पश्चिम बंगाल के रास्ते बांग्लादेश भेजा जाता था। चार्टर्ड अकाउंटेंट अरुण सिंघल गिरोह के लिए बोगस फर्में तैयार करता था। सहारनपुर, रुड़की और उत्तराखंड में दर्जनों फर्जी फर्मों के नाम सामने आए हैं। गिरोह ने करीब 65 फर्मों के जरिये फर्जी बिलिंग दर्शाई।

मारुति मेडिकोज से एवी फार्मास्यूटिकल्स तक : पूछताछ में अभिषेक ने बताया कि वह जीआर ट्रेडिंग से लेकर मारुति मेडिकोज और एवी फार्मास्यूटिकल्स तक कई फर्मों के संचालन और बैंकिंग का जिम्मेदार था। विशाल सिंह, विभोर राणा, सौरभ त्यागी और अन्य सहयोगियों से मिलीभगत कर वह तस्करी का पूरा नेटवर्क संचालित करता था। 2024 में लखनऊ में एसटीएफ द्वारा पकड़ी गई फेंसेडिल खेप भी इसी गिरोह से जुड़ी पाई गई थी। एसटीएफ के एएसपी लालप्रताप सिंह के मुताबिक पूछताछ में शुभम ने कुबूल किया कि दुबई में नौकरी छोड़कर भारत लौटा था। बड़े भाई और गिरोह के सदस्यों ने उसके नाम पर फर्म बना कर उसे तस्करी के खेल में शामिल कर लिया। उसे हर महीने करीब एक लाख रुपये दिए जाते थे।

पश्चिम बंगाल कनेक्शन की खोज जारी : पूछताछ में दोनों ने पश्चिम बंगाल में सक्रिय दो तस्करों के नाम भी बताए हैं। एसटीएफ उनकी भूमिका की जांच कर रही है। दोनों के खिलाफ थाना सुशांत गोल्फ सिटी में दर्ज मामले में कार्रवाई की गई है। अभिषेक शर्मा के खिलाफ गाजियाबाद में एनडीपीएस एक्ट समेत अन्य गंभीर धाराओं में भी मामले दर्ज हैं। एसटीएफ के मुताबिक यह नेटवर्क व्यापक था और कई अधिकारियों व दवा डिस्ट्रीब्यूशन चैन में गहरी जड़ें जमाए बैठा था। आगे की कार्रवाई तेजी से जारी है।

एमपीएसपी के शताब्दी वर्ष तक 100 संस्थाओं का संचालन : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

- मुख्यमंत्री ने सौंपा एक लाख विद्यार्थियों को स्किल से जोड़ने का लक्ष्य
- शताब्दी वर्ष में वर्षभर विविध कार्यक्रमों की कार्ययोजना बनाने का निर्देश

अमृत विचार: महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद (एमपीएसपी) को शताब्दी वर्ष 2032 तक नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने व्यापक रोडमैप जारी किया है। परिषद की संस्थाओं के प्रमुखों के साथ हुई महत्वपूर्ण बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि शताब्दी वर्ष तक परिषद के अंतर्गत 100 संस्थाओं का संचालन और इनमें 1 लाख विद्यार्थियों को शिक्षा एवं स्किल से जोड़ना लक्ष्य होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शताब्दी वर्ष (10 दिसंबर 2031 से 10 दिसंबर 2032) पूरे वर्ष चलने वाला उत्सव होगा, जिसका हर आयोजन परिषद की गौरवशाली परंपरा, आध्यात्मिकता, आधुनिकता और प्रगति का प्रतीक बने। इसके लिए अभी से विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने परिषद संस्थाओं को शिक्षा, चिकित्सा, योग, सेवा और सामाजिक उत्थान से जुड़े नए प्रकल्पों को तेजी से आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी संस्थाएं अपनी विशिष्ट पहचान विकसित करें और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप अपनी शिक्षा व्यवस्था को तैयार करें। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को इस दिशा में प्रमुख भूमिका निभाने पर जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने सभी संस्थाओं के प्रमुखों से नशा मुक्त परिसर का संकल्प पूरा कराने को कहा। उन्होंने कहा कि नशा चाहे ड्रग का हो या स्मार्टफोन के अत्यधिक दुरुपयोग का- दोनों विद्यार्थियों के भविष्य के लिए हानिकारक हैं। योगी ने परिषद की सभी संस्थाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लक्ष्य 'विकसित भारत 2047' से खुद को और विद्यार्थियों को जोड़ने की अपील की।

दिव्यांग पुनर्वास केंद्र खोलने का शासनादेश जारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के मंडल मुख्यालय के जनपदों में 'जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र' खोलने का शासनादेश जारी हो गया है। राज्य सरकार द्वारा संचालित यह केंद्र दिव्यांगों के लिए मददगार बनेंगे। केंद्रों पर दिव्यांगों की खराब ट्राइसाइकिल, मोटराइज्ड साइकिल, कान की मशीन, कृत्रिम अंग आदि उपकरणों की मरम्मत करके दिए जाएंगे।

इसके अलावा एक छत के नीचे दिव्यांगता का परीक्षण, कान की बेरा जांच व आंख की विशेष जांच, कार्यशाला ऑडियोलॉजी, स्पीचथेरेपी, फिजियोथेरेपी, कॉउंसलिंग भी की जाएगी। कृत्रिम अंग व तरह-तरह के उपकरण भी बनाकर वितरित किए जाएंगे। पेंशन व अन्य योजनाओं का लाभ मिलेगा। इससे दिव्यांगों को इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा और खराब हो चुके उपकरण इस्तेमाल में लाए जा सकेंगे।

18 जिलों में खुलेंगे केंद्र

लखनऊ, बरेली, कानपुर, अयोध्या, मुरादाबाद, आगरा, अलीगढ़, आजमगढ़, बस्ती, बांदा, गोंडा, गोरखपुर, झांसी, मेरठ, मिर्जापुर, प्रयागराज, सहारनपुर व वाराणसी।

मंडलीय जिलों में पुनर्वास केंद्र सीएमओ कार्यालय परिसर या फिर आसपास बनेंगे। मंडल से जुड़े जिलों के दिव्यांग भी इसका लाभ उठाएंगे। केंद्र में सेवाप्रदाता के माध्यम से आठ कार्मिक जैसे प्रोस्थेटिस्ट एवं ऑर्थोटिस्ट, ऑडियोलॉजिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, पुनर्वास परामर्शदाता, प्रोस्थेटिस्ट एवं ऑर्थोटिस्ट तकनीशियन, लिपिक सह लेखाकार, चपरासी व सुरक्षा कर्मी रखे जाएंगे। डीएम व सीडीओ की अध्यक्षता में कमेटी चयन करेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव 13-14 को, औपचारिकताएं पूरी

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के संगठन चुनाव अधिकारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया 13 और 14 दिसंबर को पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि 13 दिसंबर को दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक पार्टी के राज्य मुख्यालय पर नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। नामांकन प्रक्रिया की निगरानी राष्ट्रीय महामंत्री एवं केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक विनोद तावड़े की उपस्थिति में होगी। डॉ. पांडेय ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया 14 दिसंबर को केंद्रीय चुनाव अधिकारी एवं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के द्वारा संपन्न कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि संगठन चुनाव की सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और निर्धारित समय-सारणी के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष के नाम का औपचारिक ऐलान 14 दिसंबर को हो जाएगा।

मुख्तार गैंग के सदस्य की संपत्तियां कुर्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शादाब अहमद की अवैध कमाई का खुला कच्चा चिट्ठा
- सरकारी जमीनों पर कब्जा कर हड़पने का मामला

अमृत विचार: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की प्रयागराज टीम ने माफिया मुख्तार अंसारी के अवैध साम्राज्य पर एक और कार्रवाई करते हुए 2.03 करोड़ रुपये मूल्य की छह अचल संपत्तियों को कुर्क कर लिया है। ये सारी संपत्तियां मुख्तार के करीबी सहयोगी शादाब अहमद और उसकी पत्नी के नाम पर होने की पुष्टि हुई है। कार्रवाई पीएमएलए 2002 के तहत की गई है। यह पूरा मामला मऊ और गाजीपुर में सरकारी जमीन पर कब्जा कर अवैध गोदाम खड़े कर उन्हें एफसीआई को किराये पर देकर करोड़ों कमाने के खेल से जुड़ा है।

ईडी की जांच में सामने आया कि मुख्तार के संरक्षण में चल रही मेसर्स विकास कंस्ट्रक्शन ने मऊ के रैनी गांव में सरकारी जमीन पर अवैध गोदाम बनाकर करोड़ों की कमाई की। इतना ही नहीं, गाजीपुर में भी इसी तरीके से अवैध निर्माण कराया गया। इन गोदामों को बाद में एफसीआई को लीज पर देकर भारी भरकम किराये और नाबार्ड सब्सिडी के जरिए 27.72 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की गई।

अक्टूबर 2025 में ईडी के लुकआउट नोटिस पर शादाब अहमद को शारजाह से लखनऊ एयरपोर्ट पर ही हिरासत में ले लिया गया था। उस पर अदालत की ओर से गैर-जमानती वारंट जारी था। बाद में उसे विशेष पीएमएलए अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जांच में खुलासा हुआ कि शादाब ने करीब 10 करोड़ रुपये की अवैध कमाई को छिपाने में अहम भूमिका निभाई। वह आगाज प्रोजेक्ट एंड इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड और इनिजियो नेटवर्क सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में निदेशक और वित्तीय संचालक था। दोनों कंपनियों के बैंक खातों का वह अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता भी था। इन्हीं कंपनियों के जरिए मुख्तार के अवैध धन को वैध कारोबार का रूप देने की कोशिश की गई।

गोंडा में फर्जी बैनामा गिरोह का फरार सदस्य गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

आरोपी राम कैलाश

अमृत विचार: आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) उप्र. की टीम ने 'ऑपरेशन शिकंजा' के तहत गोंडा में बड़ी कार्रवाई की। फर्जी बैनामों के जरिए जमीनों पर कब्जा करने वाले गिरोह के वांछित आरोपी राम कैलाश पाण्डेय को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक, जांच में खुलासा हुआ कि गोंडा के भू-माफिया ने निबन्धन कार्यालय सदर गोंडा के कर्मचारियों से मिलीभगत कर सरकारी और आम जनता की जमीनों के फर्जी विलेख तैयार किए। अभिलेखागार में रखे मूल दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर उनकी जगह फर्जी विलेख रखे गए, जिसके आधार पर बैनामे कराकर जमीनों पर कब्जा जमा लिया जाता था। शासन के आदेश पर इन मामलों की विवेचना थाना एसआईटी, लखनऊ को सौंपी गई, जहां अब तक 50 मुकदमे पंजीकृत किए जा चुके हैं। ईओडब्लयू टीम ने वांछित आरोपी राम कैलाश पाण्डेय, निवासी छितौनी, थाना कौड़िया (गोंडा) को बीते 10 दिसंबर की शाम करीब 8:15 बजे गिरफ्तार किया।

परियोजनाओं की धीमी गति पर जताई नाराजगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक में मुख्य सचिव ने कार्यदायी संस्थाओं को दी हिदायत
- कहा- अगली बैठक में सभी परियोजनाओं में दिखनी चाहिए अपेक्षित प्रगति

अमृत विचार: मुख्य सचिव एसपी गोयल ने आगरा, वाराणसी और लखनऊ में निर्माणाधीन प्रधानमंत्री एकता मॉल तथा लखनऊ, गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद में बन रहे श्रमजीवी महिलाओं के छात्रावास परियोजनाओं के निर्माण की धीमी रफ्तार पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि अगली पीएमजी बैठक में सभी परियोजनाओं में अपेक्षित वित्तीय एवं भौतिक प्रगति स्पष्ट रूप से दिखनी चाहिए। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एसपी गोयल

मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में गुरुवार को प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान पीएम मित्र पार्क परियोजना के सम्बन्ध में मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि बाउंड्री वॉल, गेट कॉम्प्लेक्स तथा ऑफिस बिल्डिंग के नवीनीकरण का कार्य मार्च 2026 से पूर्व हर हाल में पूरा कराया जाए।

बैठक में राज्य की प्रमुख विकास परियोजनाओं जिसमें प्रधानमंत्री एकता मॉल, पीएम मित्र पार्क, श्रमजीवी महिलाओं के लिए छात्रावास, संत कबीर टेक्सटाइल एण्ड अपैरल पार्क, श्रावस्ती में इंटरप्रिटेशन सेंटर, बटेश्वर में पर्यटन विकास कार्य तथा आगरा, कानपुर व लखनऊ की मेट्रो रेल परियोजनाएं, डिजिटल लाइब्रेरी शामिल हैं, की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

आगरा व कानपुर में मेट्रो ट्रेन टेस्टिंग ट्रायल रन जनवरी से

आगरा मेट्रो परियोजना में चार स्टेशनों के लिए सभी सुरंगों का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है तथा फिनिशिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। परियोजना पर ट्रेन टेस्टिंग एवं ट्रायल रन जनवरी 2026 से प्रारंभ होने की योजना है। वहीं कानपुर मेट्रो परियोजना के तहत कानपुर सेंट्रल से ट्रांसपोर्ट नगर तक भूमिगत खण्ड (दो स्टेशन) की प्रगति 82 प्रतिशत है और इसे 15 अप्रैल 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। यहां भी ट्रेन टेस्टिंग एवं ट्रायल रन जनवरी 2026 से मई 2026 के बीच प्रस्तावित है। वहीं लखनऊ मेट्रो के कॉरिडोर-1बी (चारबाग से बसंत कुंज) के लिए लोक निर्माण विभाग से आवश्यक एनओसी प्राप्त हो चुकी है।

पहल ब्रेन स्ट्रोक हब एंड स्पोक प्रोग्राम के तहत मरीजों को गोल्डन ऑवर में मिल रहा इलाज

जिला अस्पतालों की इमरजेंसी में मिलेगा ब्रेन स्ट्रोक मरीजों को इलाज

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

- जिला अस्पताल में सीटी स्कैन कराने के बाद मिलेगा परामर्श जरूरत पड़ने पर दिया जाएगा महंगा इंजेक्शन

अमृत विचार : हार्ट अटैक के मरीजों की तरह अब ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों को जिला स्तरीय सरकारी अस्पतालों की इमरजेंसी में निःशुल्क इलाज मिलेगा। गोल्डेन ऑवर में इलाज मिलने से न केवल मरीज का जीवन बच सकेगा, बल्कि मरीज को दिव्यांग होने से बचाया जा सकेगा। इसके लिए राज्य सरकार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने हब एंड स्पोक मॉडल लागू किया है, शुरुआती चार माह में अच्छे परिणाम मिले हैं, राजधानी के डॉ.राम मनोहर लोहिया संस्थान के न्यूरो विशेषज्ञों की सलाह से कई मरीजों को टेनेक्टेप्लेस इंजेक्शन देकर उपचारित किया गया है।

स्वास्थ्य विभाग ने न्यूरोलॉजी विशेषज्ञों की कमी को दूर करने के लिए पूरे प्रदेश में ब्रेन स्ट्रोक हब एंड स्पोक नेटवर्क की शुरुआत की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य हृदय रोगियों को त्वरित उपचार प्रदान करना है। इसके तहत, दूरदराज के मरीजों को टेली-सीटी स्कैन तकनीक का उपयोग करके ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों को बचाया जा सकेगा। इस संबन्ध में स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन ने बताया कि ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों के लिए शुरुआती चार घंटे अहम होते हैं। अभी तक दूरदराज के मरीज, इलाज के लिए उच्च चिकित्सा संस्थान नहीं पहुंच पाते हैं, जिससे उन्हें समय पर इलाज मिलने में दिक्कत आ रही है। मरीजों की इस समस्या से बचाव के लिए हब एंड स्पोक कार्यक्रम तैयार किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रदेश में उच्च चिकित्सा संस्थान वाले 10 हब एंड स्पोक सेंटर बनाए गए हैं, इनमें सबसे ज्यादा राजधानी के तीन संस्थान, डॉ.राम मनोहर लोहिया चिकित्सा संस्थान, एसजीपीजीआई और केजीएमयू शामिल हैं, इसके अलावा सैफई मेडिकल कॉलेज, जीएमवीएम कानपुर,एसएम मेडिकल कॉलेज आगरा, मोतीलाल मेडिकल कॉलेज प्रयागराज, लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज मेरठ, झांसी मेडिकल कॉलेज और बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर को सेंटर बनाया गया है। हर एक सेंटर से कई जिलों को संबद्ध किया गया है।

स्वास्थ्य महानिदेशक ने बताया कि शुरुआती चरण में डॉ.राम मनोहर लोहिया से सात जिलों के 12 अस्पतालों को जोड़कर कार्यक्रम लागू किया गया है।

प्रशिक्षण देने की तैयारी शुरू

कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए जिला व मंडलीय अस्पताल में तैनात डॉक्टर, नर्सिंग व पैरामेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षण दिया जाएगा। लोहिया संस्थान के न्यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ .अजय कुमार सिंह ने बताया कि जिला अस्पतालों के स्टाफ को ब्रेन स्ट्रोक के लक्षण पहचानने के तरीके बताए जाएंगे। इलाज की बारीकियां बताई जाएंगी। उन्होंने बताया कि मरीज के चेहरे का झुकाव, हाथ की कमजोरी, बोलने में कठिनाई हो तो तुरंत सीटी स्कैन कराना चाहिए।

ग्राम पंचायतों को मिलेंगे नए वाद्य यंत्र

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने निर्देश दिए कि वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायतों में वितरण के लिए नए वाद्य यंत्र उच्चस्तरीय समिति की देखरेख में खरीदे जाएं और उनकी गुणवत्ता व टिकाऊपन सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों की राय भी ली जाए। साथ ही कहा कि विभाग द्वारा स्वीकृत 19 परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए।

पर्यटन मंत्री गुरुवार को गोमती नगर स्थित पर्यटन भवन में परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अवशेष 26 सेट वाद्य यंत्र भातखंडे संगीत संस्थान तथा आजमगढ़ के हरिहरपुर स्थित संगीत विद्यालय को उपलब्ध करा दिए गए हैं।

अमृत विचार

शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025

आदमी या तो आदमी है, वरना आदमी नहीं है, गधा है, मकान है, मेज है या और कोई चीज है।

–सआदत हसन मंटो, उर्दू कहानीकार

सख्ती और समाधान

भारतीय नागरिक उड्डयन क्षेत्र की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर करने वाले इंडिगो संकट पर सरकार और अदालत द्वारा उठाए गए सख्त कदम सराहनीय हैं, क्योंकि यह पहली बार है, जब किसी एयरलाइन के परिचालन संकट को केवल तकनीकी या प्रबंधन त्रुटि न मानकर उपभोक्ता अधिकारों और बाजार अनुशासन की दृष्टि से देखा गया। इन हस्तक्षेपों से विमानन परिदृश्य में सुधार की उम्मीद बढ़ी है, परंतु यह बदलाव कितना स्थायी होगा, यह व्यवस्था की पारदर्शिता, नियामकीय सख्ती और राजनीतिक इच्छाशक्ति पर निर्भर करेगा।

इस मामले में कोर्ट द्वारा जांच समिति की रिपोर्ट को 'सीलबंद लिफाफे' में मांगना यह संकेत देता है कि न्यायालय बाहरी दबावों या लॉबिइंग से बचना चाहता है, हालांकि विमानन क्षेत्र से जुड़ा यह संकट न केवल लाखों यात्रियों बल्कि व्यापक आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित करता है, इसलिए इसका सार्वजनिक होना भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पारदर्शिता न होने पर यह आशंका बनी रहेगी कि कहीं गंभीर चूक की जानकारी दब न जाए। फिलहाल डीजीसीए के नए नियम देरी, कैंसिलेशन और यात्री सुरक्षा को मजबूती देंगे, बशर्ते उनका कड़ाई से पालन हो। इंडिगो मुख्यालय में डीजीसीए अधिकारियों की तैनाती एक तरह का 'माइक्रो-रेगुलेशन' है, जिससे परिचालन की निगरानी बेहतर होगी और कंपनी को नियामकों से दूरी की सुविधा अब नहीं मिलेगी। यदि कॉम्पिटिशन कमीशन एंटीट्रस्ट जांच शुरू करता है, तो एयरलाइन को बाजार शक्ति के दुरुपयोग, प्रतिस्पर्धा घटाने और उपभोक्ता शोषण के आरोपों का सामना करना पड़ सकता है। इससे उद्योग में अनुशासन स्थापित होगा और अन्य कंपनियों को साफ संदेश जाएगा कि बाजार एकाधिकार का गलत इस्तेमाल नहीं हो सकता। यह संकट छोटा नहीं था, पांच हजार से अधिक उड़ानें रद्द, दस लाख टिकट कैंसिल, पर्यटन–व्यापार को बड़ा झटका और हजारों करोड़ का आर्थिक नुकसान, इसलिए स्वतंत्र न्यायिक जांच आवश्यक है, ताकि समस्या की जड़ें सामने आएं और भविष्य में इसके पुनरावृत्ति की संभावना समाप्त हो। अब जब सरकार कारण खोजने और जवाबदेही तय करने की बात कर रही है, तो यह स्पष्ट होना चाहिए कि संकट प्रबंधन में किस स्तर पर विफलता हुई- कंपनी, नियामक या मंत्रालय।

सरकार से पूछना जरूरी है कि टिकटों की कीमतें कुछ ही दिनों में 4–5 हजार से बढ़कर 30 हजार तक कैसे पहुंच गईं? क्या नियामक तंत्र सोया हुआ था? महज सख्त रवैये से सरकार इस जवाबदेही से बच नहीं सकती, क्योंकि संकट रोकना नियामकों की जिम्मेदारी थी। यात्रियों के लिए अनिवार्य मुआवजे का 'पैसेंजर रिलीफ फंड', विमान सेवा को 'राइट टू सर्विस' के दायरे में लाना और हर्जाने के स्पष्ट स्लैब बनाना- ये सब उपभोक्ता अधिकारों को मजबूत करने के व्यावहारिक सुझाव हैं। स्पष्ट बहुमत की सरकार चाहे तो कुछ ही महीनों में इस दिशा में ठोस कानून ला सकती है। भविष्य में इस बाबत कानून और ट्रिब्यूनल बनाकर एयरलाइन एकाधिकार पर अंकुश भी समाधान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। नए नियम और सख्त रवैया आश्वस्त तो करता है, पर यह मान लेना कि अब ऐसी समस्या दोबारा नहीं आएगी, जल्दबाजी होगी।

प्रसंगवश

इंद्रप्रस्थ से दिल्ली तक राजधानी का सफर

आज 12 दिसंबर को कलकत्ता की जगह दिल्ली को देश की राजधानी बनाया गया था। यमुना तट पर बसी दिल्ली केवल एक शहर नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास का जीवंत दस्तावेज है। पौराणिक इंद्रप्रस्थ से लेकर आज की आधुनिक राजधानी तक का यह सफर लगभग पांच हजार वर्षों का है। इस अवधि में दिल्ली सात बार उजड़ी और सात बार नए रूप में खड़ी हुई।

दिल्ली का नाम मूलतः प्राचीन संस्कृत-पाली नाम 'ढिल्लिका' या 'ढिल्ली' से निकला है, जिसका उल्लेख पहली शताब्दी के लौह-स्तंभ शिलालेख से लेकर महाभारत काल तक के ग्रंथों में मिलता है। यही समय के साथ छोटा होकर 'दिल्ली' बन गया। मध्यकाल में जब तुर्क और अफगान शासक आए तो उन्होंने फारसी शब्द 'देहलीज' (प्रवेश द्वार) से इसे 'देहली' कहा, क्योंकि यह हिंदुस्तान में आने का मुख्य द्वार थी। 'देहली' 'दिल्ली' बन गई।

जयदेव राठी

अधिवक्ता

साथ ही लोक-कथाओं में यह भी प्रचलित हुआ कि तोमर राजा अनंगपाल के समय किसी राजा 'दिलु' या 'दिल्लू' के नाम पर शहर का नाम दिल्ली पड़ा, जबकि एक जनश्रुति यह भी है कि पृथ्वीराज के जमाने में यहां ढीले-खोटे सिक्के चलते थे, इसलिए जगह को 'ढिल्ली' कहा जाने लगा। इस तरह प्राचीन 'ढिल्लिका', फारसी 'देहलीज', किंवदंती के 'राजा दिलु' और लोक व्युत्पत्ति- सब मिलकर आज के 'दिल्ली' नाम तक पहुंचे।

महाभारत के अनुसार पांडवों ने खांडवप्रस्थ के वीरान वन को विकसित कर इंद्रप्रस्थ की स्थापना की थी। पुराना किला के आसपास 1954-55 और 2013-14 में हुए उत्खनन में पेंटेड ग्रे वेयर के अवशेष मिले हैं, जो लगभग 1000 ईसा पूर्व के हैं। यह पौराणिक विरासत दिल्ली की पहचान का अभिन्न अंग है। मध्यकाल में दिल्ली ने अपना असली स्वरूप पाया। 1060 ईस्वी में तोमर राजपूत अनंगपाल द्वितीय ने लाल कोट की स्थापना की। इसके बाद पृथ्वीराज चौहान ने किला राय पिथौरा बनाया। 1192 में मुहम्मद गौरी की विजय के बाद दिल्ली सल्तनत की राजधानी बनी और यहां से भारतीय इतिहास का एक नया अध्याय शुरू हुआ।

दिल्ली सल्तनत के विभिन्न शासकों ने अपने-अपने शहर बसाए। अलाउद्दीन खिलजी ने 1303 में सीरी, गयासुद्दीन तुगलक ने 1321 में तुगलकाबाद, मुहम्मद बिन तुगलक ने जहांपनाह और फिरोज शाह तुगलक ने 1354 में फिरोजाबाद बसाया। हर शहर अपने समय की वास्तुकला और शासन व्यवस्था का प्रतीक था, लेकिन दिल्ली का सबसे वैभवशाली रूप सामने आया जब मुगल बादशाह शाहजहां ने 1639 में शाहजहानाबाद की नींव रखी। 1648 में पूर्ण हुआ यह शहर मुगल साम्राज्य की शक्ति और समृद्धि का प्रतीक था। लाल किला, जामा मस्जिद और 1650 मीटर लंबा चांदनी चौक इसी शाहजहानाबाद की देन है। फ्रांसीसी यात्री फ्रांस्वा बर्नियर ने इसे एशिया का सबसे शानदार शहर बताया था।

1857 के विद्रोह के बाद अंग्रेजों ने शाहजहानाबाद में व्यापक विध्वंस किया और मुगल साम्राज्य का अंत हो गया। उस समय ब्रिटिश भारत की राजधानी कलकत्ता थी, लेकिन 12 दिसंबर 1911 को किंग जॉर्ज पंचम ने राजधानी को दिल्ली स्थानांतरित करने की ऐतिहासिक घोषणा की। इस निर्णय के पीछे कई रणनीतिक कारण थे। दिल्ली भारत के केंद्र में स्थित थी और उत्तर-पश्चिम सीमा के करीब थी। बंगाल में बढ़ते राष्ट्रवादी आंदोलन के कारण कलकत्ता में ब्रिटिश विरोधी भावना तीव्र हो गई थी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि दिल्ली सदियों से भारत की राजधानी रही थी और इस पर शासन करना ब्रिटिश शक्ति का प्रतीक था।

भारत में जुर्म करके भागते अपराधी

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

गोवा के मशहूर रोमियो लेन में स्थित 'बर्क बाय रोमियो' क्लब में आग लगने के महज कुछ घंटे बाद ही क्लब के मालिक गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा सात दिसंबर 2025 को फ्लाइट पकड़कर थाईलैंड के फुकेट भाग गए। अलबत्ता खबर है कि वहां उन्हें हिरासत में लिया गया है। इस हादसे में में दो दर्जन से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। इस घटना ने फिर से साबित कर दिया कि भारत में 'अपराध करो, विदेश भागो' वाला फॉर्मूला आज भी ज़िंदा और कारगर है। दाऊद से नीरव मोदी तक, विजय माल्या से मेहुल चोकसी तक— यह सिलसिला दशकों पुराना है। बस अब अपराध का स्केल और भागने की तकनीक दोनों बदल गए हैं।

ये सच है कि इन शातिर अपराधियों को भागने में मदद करने में कुछ शक्तिशाली सरकारी अफसरों की भी भी भूमिका रहती है। बेशक, भारत में अपराध कर विदेश भागना कोई नया घटनाक्रम नहीं है, लेकिन बदलते समय के साथ आर्थिक, संगठित और अंतर्राष्ट्रीय अपराधों का दायरा बहुत बढ़ चुका है। बेशक, भगोड़ों की बात होगी तो पहला नाम दाऊद इब्राहिम का ही सबसे पहले लेना होगा। उसने 1970–80 के दशक में क्राइम की दुनिया में कदम रखा, बाद में अपना गैंग बना लिया, जिसने सोना तस्करी, ड्रग–तस्करी तथा वसूली जैसे कई प्रकार के अपराध किए। मुंबई बम कांड के बाद वह भारत छोड़कर दुबई भाग गया। फिर वहां से कराची चला गया।

इस प्रकार दाऊद का नाम उन अपराधियों में आता है, जिसने भारत से भागकर विदेश में अपनी गतिविधियां जारी रखीं। उसी की तरह इकबाल मिर्ची भी था। वो भी दाऊद का आदमी था। उसे अक्सर ड्रग–बारन कहा जाता था, क्योंकि उसके द्वारा एशिया, अफ्रीका और यूरोप में नशीली दवाओं की तस्करी की जाती थी। जब भारत में उस पर दबाव बढ़ा, तब उसने भारत छोड़ दिया— वो पहले दुबई, फिर लंदन में बस गया। भारत द्वारा गिरफ्तारी के प्रयास और प्रत्यर्पण की मांग के बावजूद, ब्रिटेन में उसकी कानूनी लड़ाई और सबूतों की कमी के चलते, उसने कई साल विदेश में गुजारे। छोटा राजन भी भगोड़ा रहा है।

अब बात करते हैं रवि पुजारी की। वो जाना-माना गुंडा और वसूली एवं हत्या के मामलों में आरोपी रहा है। उसने अपने असली नाम के बजाय कई फर्जी पहचान–नाम और पासपोर्ट जैसे पहचान पत्र का इस्तेमाल किया। उसे 2019 में, पश्चिम अफ्रीकी देश सेनेगल में गिरफ्तार किया गया, फिर 2020 में उसे भारत प्रत्यर्पित किया गया।

भारत में आर्थिक अपराधों के बढ़ने के साथ कई कारोबारी भी बड़े वित्तीय घोटालों के बाद विदेश भाग गए। ये मामले न सिर्फ बैंकिंग व्यवस्था के लिए चुनौती बने, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय कानूनी प्रणाली की कठिनाइयों को भी उजागर करते हैं। यूबी ग्रुप और किंगफिशर एयरलाइंस के मालिक विजय माल्या पर भारतीय बैंकों का लगभग 9000 करोड़ रुपये बकाया होने का आरोप है। 2016 में वह भारत छोड़कर यूके चला गया। इस बीच, हीरा कारोबारी नीरव मोदी पर PNB बैंक घोटाले (लगभग 13,000 करोड़) का आरोप है। वो 2018 में अमेरिका और फिर ब्रिटेन चला गया। मेहुल चोकसी भी पीएनबी घोटाले में आरोपी है। वो 2018 में भारत छोड़कर एंटीगुआ चला गया, जहां उसने नागरिकता भी प्राप्त कर ली। 1993 मुंबई धमाकों का प्रमुख आरोपी टाइगर मेमन भी भारत से भागकर पाकिस्तान चला गया।

इन बड़े गिरोह के सरगनाओं पर कानून का शिकंजा कसता है, तो ये पहले दुबई या दूसरे मध्य-पूर्वी देशों की ओर भागते हैं। वहां से वे फिर अपनी गतिविधियां ड्रग्स, तस्करी, वसूली या आतंकवादी षड्यंत्रों का संचालन करने लगते हैं। कुछ अपराधी फर्जी पहचान, नकली पासपोर्ट और अन्य दस्तावेजों का इस्तेमाल करते हैं। यह उन्हें कई देशों में घूमने और नया जीवन शुरू करने में मदद करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय कानून प्रवर्तन नेटवर्क, जैसे इंटरपोल और प्रत्यर्पण संधियां बहुत अहम होती हैं। इनकी मदद से भारत कई भगोड़ों को वापस लाता रहा है।

हाल के सालों में सीबीआई और अन्य एजेंसियों ने कई भगोड़ों को विदेशों से भारत वापस लाने की कोशिश तेज की है। उदाहरण के लिए, 2023 तक की रिपोर्ट के अनुसार, 184 भगोड़ों की लोकेशन पता लग चुकी है। 2020–2025 की अवधि में लगभग 134 भगोड़ों को विदेशों से भारत लाया गया है। यह पिछले दशक की तुलना में दोगुनी दर बताता है। फिर भी, प्रत्यर्पण की प्रक्रिया जटिल होती है। कई देशों के कानूनी ढांचे, पासपोर्ट धोखाधड़ी, प्रमाण जुटाने में कठिनाई और राजनीतिक/कूटनीतिक समझौतों की वजह से अपराधियों को पकड़ना मुश्किल हो जाता है।

भगोड़ों को पकड़ने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता जरूरी होती है। जैसे कि रवि पुजारी का मामला दिखाता है। उसे सेनेगल और दक्षिण अफ्रीका में संयुक्त प्रयासों के बाद पकड़ा गया। अगर देशों के बीच सहयोग नहीं होगा, तो भगोड़े कई सालों तक सुरक्षित रह सकते हैं।

भारत से भागकर विदेश में शरण लेने वाले अपराधियों की कहानी लंबी, जटिल और खतरनाक रही है। चाहे वो ड्रग्स-तस्करी हो, वसूली, गिरोह, या आतंकवाद— अपराधियों ने सीमाएं पार की हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, कानूनी प्रक्रिया, प्रत्यर्पण समझौतों और एनफोर्समेंट एजेंसियों की कोशिशों की वजह से कई भगोड़े वापस भारत लौटाए गए हैं। यह दिखाता है कि यदि पड़ोसी देशों और अंतर्राष्ट्रीय पक्षों के साथ सहयोग मजबूत हो, तो अपराधियों को बचने का रास्ता मुश्किल हो जाता है। अब सवाल उठता है कि क्या गौरव और सौरभ लूथरा अपने आप भारत वापस जाते हैं या उन्हें लाने के लिए लंबी कवायद करनी होगी?

गोवा क्लब में आग लगने के बाद क्लब के मालिक गिरफ्तारी से बचने के लिए थाईलैंड भाग गए। इन भगोड़े अपराधियों को फिर से देश लाना कितना आसान है? ये कैसे देश से भाग जाते हैं?

आमने

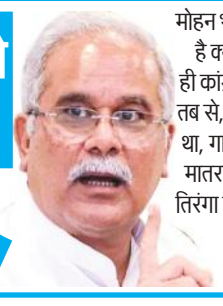

मोहन भागवत को वंदे मातरम गाना आता है क्या? वंदे मातरम गाने की शुरुआत ही कांग्रेस अधिवेशन से हुई। हम निरंतर तब से, जब रविंद्र नाथ टैगौर ने इसे गाया था, गा रहे हैं, लेकिन बीजेपी के लोग वंदे मातरम गीत कब गाते हैं? जिन्होंने कभी तिरंगा नहीं फहराया, वह हमको राष्ट्रवाद सिखाएंगे।

–भूपेश बघेल, कांग्रेस नेता

सामने

भूपेश बघेल संघ गीत गा रहे हैं, यह अच्छी बात है। मोहन भागवत से वंदे मातरम सुनना है, तो उनके पास जाएं। संघ की शाखा में जाकर प्रार्थना सीखना चाहिए। वंदे मातरम के पदों को काटने का काम तो कांग्रेस ने किया। कांग्रेस को इसके लिए देश से माफी मांगना चाहिए।

–श्याम बिहारी जायसवाल

स्वास्थ्य मंत्री, छत्तीसगढ़

सीमा पर बढ़ती चीन की दखलअंदाजी

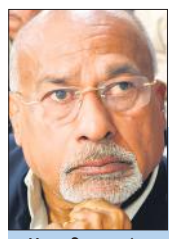

डॉ. सुधीर सक्सेना

वरिष्ठ पत्रकार

खतरे की घंटियां लगातार घनघना रही हैं और उनमें कंपन पैदा किया है ड्रेगन यानी चीन ने। पाकिस्तान तक सीधा कारीडोर तलाशने के बाद से बीजिंग सुनियोजित और चरणबद्ध तरीके से भारत के लिए अकल्पनीय मुसीबतें खड़ी करने की मुहीम में लिप्त है। 'दुनिया के छज्जे' पर तेजगति की रेल पातें बिछाई जा रही हैं और विश्व की विशालतम नदियों में शुमार ब्रह्मपुत्र का पानी बांधा जा रहा है। ये दोनों निर्माण चीन को सामरिक और आर्थिक दृष्टि से शक्तिशाली और सुदृढ़ पायदान पर खड़ा कर देंगे। दक्षिण पूर्व तिब्बत में ब्रह्मपुत्र पर पांच पनबिजली संयंत्रों को समेटे इस विशालतम बांध की बस कल्पना ही की जा सकती है। यह यांग्त्सी पर बने अब तक के विशालतम बांध श्री गर्जेस से कई गुना बड़ा है।

तिब्बत में 2015 में जल विद्युत परियोजना 1.5 अरब डॉलर की थी। यारलुंग जांग्बो परियोजना की लागत 167.7 अरब डॉलर है। 1.2 ट्रिलियन युआन की यह परियोजना ब्रह्मपुत्र नदी घाटी का हुलिया बदल देगी। ब्रह्मपुत्र नदी बड़ा यू-टर्न लेकर बरास्ते अरुणाचल बांग्लादेश में प्रवेश करते हुए विश्व की सबसे गहरी घाटी का निर्माण करती है। वहां बांध बनने का अर्थ है ब्रह्मपुत्र के जल प्रवाह पर नियंत्रण। इससे हर साल 300 बिलियन किलोवाट बिजली उत्पन्न होगी। विश्व की छत रूपी तिब्बती पठार टेक्टोनिक प्लेटों पर स्थित होने से अत्यंत संवेदनशील और भूकंप-संवेद है। भीमकाय बांध के निर्माण का सीधा अर्थ है भूगर्भ से छेड़छाड़। जाहिर है कि पर्यावरण प्रभावित होगा और पारिस्थितिकी भी।

इस हाहाकारी बांध के निर्माण को गत वर्ष दिसंबर में मंजूरी मिली। अरुणाचल से अनति दूर चीनी सीमा में निंगची में समारोह हुआ, जिसमें चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने शिरकत की। भारत और अन्य पड़ोसी राष्ट्रों की चिंताओं को खारिज कर द्रुत गति से निर्माण शुरू हो गया। मीकांग नदी से चीन के सलूक के नतीजे दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की स्मृति में है। ब्रह्मपुत्र पर बांध से भारत में अरुणाचल और बांग्लादेश-त्रिकूट (डेल्टा) सर्वाधिक प्रभावित होगा। असर लाओस, म्यांमार, वियतनाम, कंबोडिया और थाईलैंड जैसे अधोप्रवाही देशों पर भी पड़ेगा।

बांग्लादेश की तबाही का खतरा सबसे ज्यादा है। 16 करोड़ की आबादी के बांग्लादेश की जल सुरक्षा, आर्थिकी, पर्यावरण और मृदा-उर्वरता पर इससे प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उसकी कृषि-समृद्धि की चूलें हिल सकती हैं। धान उत्पादन में मिलियनों टन की कमी आएगी, लेकिन मैत्री के बावजूद बीजिंग ने ढाका का नामचार की सूचनाएं दीं। उसने 'नो-निगेटिव इंपैक्ट' का ढोल पीटा और 'बिल्ड फर्स्ट, निगोशियेट लेटर' की नीति अपनाई।

ऐसा नहीं है कि भारत सशंक और सचेत नहीं है। दिसंबर 24 में अजीत डोभाल की चीन के विदेश मंत्री वांग ची से वार्ता में यह मुद्दा उठा। मगर भारत की चिंता को सबसे मुखर अभिव्यक्ति दी अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने। उन्होंने ब्रह्मपुत्र पर चीनी बांध को 'वाटर बम' बताते हुए जीवन, भूमि और संसाधनों की तबाही की आशंका व्यक्त की और कहा कि प्रवाह पर नियंत्रण से चीन जब चाहे तब भारी मात्रा में पानी छोड़कर अरुणाचल में बाढ़ की विभीषिका उत्पन्न कर सकता है।

यह तो हुई ब्रह्मपुत्र के पानी को बांधने की बात। अब आएं तिब्बत में रेलपोत पर। तिब्बत सन 1950 तक दुर्गम क्षेत्र रहा है, लेकिन चीनी आधिपत्य के बाद वहां चीनियों का बड़े पैमान पर आव्रजन हुआ और अब वह चीन के कठोर नियंत्रण में है। अब चीन किंघाई से ल्होसा तक दुनिया की सबसे ऊंची और तीव्र रेल पांत बिछा रहा है। 960 किमी लंबी यह पांत 13123 फुट ऊंचाई पर होगी। इससे शिनिंग से ल्हासा पहुंचने में फकत 22 घंटे लगेंगे। करीब 90 फीसद रेल पांत 300 मीटर ऊंचाई पर होगी। सन 2018 में चेंगदू यआन और जून 2021 में न्यिंग्ची-ल्हासा के उपरांत यआन-न्यिंग्ची ट्रैक सन 2030 तक पूरा होगा। इससे तांगगुला को 5068 मीटर ऊंचा होने से विश्व के सर्वोच्च रेलवे स्टेशन का दर्जा मिल जाएगा।

प्रारंभिक सिंचुआन, जहां 300 मीटर ऊंचाई पर है, वहीं टर्मिनस सागर तल से 3000 मीटर ऊंचा ट्रेन यार्लुंग-त्सांग्पो घाटी से 16 बार गुजरेगी, जिसमें 47 बोगदे और 121 पुल निर्धारित हैं। यह रेल ट्रैक सबसे लंबी 42.5 किमी लंबी सुरंग को समेटेगा। 10 किमी लंबी मिलिन सुरंग को कठिनतम बोगदा माना जा रहा है। इस प्रोजेक्ट पर 320 बिलियन युआन की लागत आएगी। इसे रेलपांत पर ट्रेन की गति होगी 100 किमी। इसके पूर्ण हाने पर चीन के लिए तिब्बत पर नियंत्रण नागरिकों की आवाजाही, सैनिकों और आयुधों की तैनाती और फौजी ठिकानों की स्थापना आसान हो जाएगी।

तिब्बत पर चीन का निरंकुश शासन और दृढ़ होगा तथा भारत के लिए खतरा और ज्यादा होगा। चीन के पाकिस्तान का सबसे बड़ा और शक्तिशाली हितैषी होने से बांध और रेल पांत भारत की सुरक्षा और सार्वभौमिकता के लिए बड़ा खतरा हैं। बांध को लेकर दिल्ली को ढाका का सहयोग और विश्वास लेना चाहिए। जरूरी है कि अंतर्देशीय जल बंटवारे और प्रबंधन पर भारत और चीन के मध्य ठोस और सार्थक बातचीत हो।

बीजिंग सुनियोजित और चरणबद्ध तरीके से भारत के लिए मुसीबतें खड़ी करने की मुहिम में लिप्त है। 'दुनिया के छज्जे' पर तेजगति की रेल पातें बिछाई जा रही हैं और ब्रह्मपुत्र का पानी बांधा जा रहा है।

सोशल फोरम

सूफ़ी परंपरा और प्रेम का राग-अनुराग

सूफ़ी परंपरा में प्यार कोई भावनात्मक शौक नहीं है, यह तो पूरे अस्तित्व की धुरी है, सूफ़ी नज़र से दुनिया को देखो तो हर चीज़ के पीछे एक ही सरगर्म सच्चाई दिखाई देती है कि रब ने इस

मुकेश तिवारी

ब्लॉगर

कायनात को इज़हार-ए-इश्क़ के लिए पैदा किया, यानी सृजन खुद एक प्रेम पत्र है, जो ख़ालिक़ ने अपनी मख़्लूक़ को लिखा है और इंसान उसका होशमंद पाठक है, जो कभी समझ लेता है और ज़्यादातर भूल जाता है।

सूफ़ियों के यहां प्यार दो दर्जे बताए हैं, एक है इश्क़-ए-मजाज़ी, यानी इंसानी मोहब्बत, जिसमें दो जिस्म हैं, दो नाम हैं, दो अहं हैं, दूसरा है इश्क़-ए-हक़ीक़ी, यानी वह प्रेम जिसमें सारा ज़ोर अहं को गलाने पर होता है। जहां महबूब कोई एक शख़्स नहीं रह जाता, बल्कि वह वजूद बन जाता है जो हर दिशा में फैला है, सूफ़ी कहता है कि इंसानी प्यार भी बेकार नहीं है, यह तो एक मदरसा है, जहां दिल पहली बार सीखता है कि किसी और को अपने से ज़्यादा अहमियत देना क्या होता है। यही सीख, यही झुकना, यही तड़प आगे चलकर उसे रब के दर तक ले जाती है।

सूफ़ी परंपरा में इश्क़ कमज़ोरी नहीं है, सबसे बड़ी ताक़त है, क्योंकि प्यार ही वह आग है, जिसमें नफ़्स जलता है। घमंड पिघलता है। जब आदमी सचमुच किसी से प्रेम करता है, तो उसकी सबसे बड़ी दीवानगी यही होती है कि मैं इसको तकलीफ़ न दूं। इसकी हिफ़ाज़त करूं। इसको खुश देखूं। सूफ़ी कहता है कि इस भाव को और फैलाते जाओ, सिर्फ एक इंसान तक मत रोको। इसे हर ज़िंदा दिल तक, हर मज़लूम तक, हर गिरे हुए तक फैला दो। यही करुणा, यही रहम, यही इंसाफ़ इश्क़ का अमली रूप है।

इश्क़ के बिना सूफ़ी के लिए इबादत भी अधूरी है। सूफ़ी जब सजदा करता है तो डर से नहीं करता कि सज़ा मिलेगी। इनाम मिलेगा, जन्नत मिलेगी, वह सजदा इसलिए करता है कि उसके दिल का साक़ी, उसका महबूब, उसकी रूह की रोशनी उसे पुकार रही होती है। वह कहता है कि मैं तेरे सिवा किसको पूजूं, तेरे सिवा किससे शिकवा करूं, तेरे सिवा किससे गिला करूं, यही हालत उसे क़ुनूत से निकाले बिना बग़ावत में भी नहीं धकेलती, बल्कि एक सूझबूझ वाला प्रेमी बनाती है जो ज़ुल्म के आगे झुकता नहीं, लेकिन नफ़रत की भाषा भी नहीं सीखता है। **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

टूटते रिश्ते और बिखरता सामाजिक ताना-बाना

उत्तर प्रदेश में बरेली के पारिवारिक न्यायालय के अपर प्रधान न्यायाधीश ज्ञानेंद्र त्रिपाठी ने हाल ही में तलाक के एक केस की सुनवाई के दौरान जो टिप्पणी की है, वह समाज में बदलते पारिवारिक परिदृश्य की तस्वीर पेश करती है। न्यायाधीश ने टिप्पणी की है कि यदि कोई लड़की शादी के बाद एकाकी जीवन चाहती है, तो उसे शादी के बायोडाटा में साफ लिख देना चाहिए कि उसे ऐसा पति चाहिए जो माता-पिता और परिवार की जिम्मेदारियों से मुक्त हो। यह मामला बदायूं के एक युवक और फरीदपुर की युवती से जुड़ा है। दोनों की शादी 2019 में हुई, लेकिन युवती सास-ससुर के साथ नहीं रहना चाहती थी। लिहाजा, 2020 से अलग रहने लगी।

अमरपाल सिंह वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

न्यायाधीश ने कहा कि आज कई लोग वृद्धाश्रमों और बंद फ्लैटों में अकेले रह रहे हैं, जबकि संयुक्त परिवार अकेलेपन को दूर करता है। अदालत ने पति का तलाक दावा स्वीकार करते हुए दोनों को अलग रहने की अनुमति दे दी और कहा कि जो लड़कियां शादी के बाद संयुक्त परिवार को बोझ समझती हैं, वह पहले ही अपनी प्राथमिकता स्पष्ट करें, क्योंकि यह सोच सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचा सकती है।

एक जज की यह टिप्पणी हमारे घरों के हालात को प्रकट कर रही है। यह केवल एक कानूनी टिप्पणी नहीं है, बल्कि इससे पता चलता है कि हमारे घरों के भीतर क्या बदल रहा है और रिश्तों में कैसी नकारात्मकता पैदा हो रही है। रिश्ते, खासकर ससुराल में, किस प्रकार दरक रहे हैं। एक जमाने में पति-पत्नी के बीच नोक-झोंक बहुत सामान्य बात हुआ करती थी, मगर आज हालत यह हैं कि घर में छोटी-मोटी बात पर हुई बहस भी अब अदालत की दहलीज तक पहुंचने लगी है।

पति-पत्नी की खट-पट को पहले घर के बड़े-बुजुर्ग ही सुलझा दिया करते थे, वह अब अदालतों से भी नहीं सुलझ पा रही है। पारिवारिक न्यायालयों में जज के समझाने के बावजूद जोड़े तलाक से कम पर मानते ही नहीं हैं। जाहिर कि समाज एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जहां रिश्तों को संभालने की कला कमजोर पड़ रही है। हमारे संयुक्त परिवारों वाले पारंपरिक देश और समाज में यह स्थिति दुःखी करती है।

पहले हमारे यहां दीवारें कम और अपनापन अधिक था, लेकिन एकल परिवारों की चाह और चलन ने सब कुछ बदल कर रख दिया है। नौकरी, कामकाज के सिलसिले में एकल परिवार समझ में आते हैं, पर बिना वजह अलग रहने की जिद समझ से बाहर है। इसी जिद के कारण न केवल दादा-पौत्र, बुआ-भतीजे, चाचा-चाची, ताऊ-ताई जैसे रिश्ते खत्म हो रहे हैं, बल्कि दांपत्य संबंध भी दरक रहे हैं। रिश्तों में जो धैर्य की भावना थी, वह तो कहीं खो गई लगती है।

आज पति-पत्नी अपने लिए जगह चाहते हैं, तो बुजुर्ग अपनी पुरानी जगह बचाए रखने के ख्वाहिशमंद हैं। दोनों की इच्छाएं ठीक हैं, लेकिन टकराव तब शुरू होता है, जब कोई भी अपनी जगह से एक कदम पीछे नहीं हटना चाहता। इसी से परिवारों में खाई पैदा हो रही है। बरेली कोर्ट के सामने आया यह मामला असल में उसी अदृश्य खाई का उदाहरण है। पत्नी को लगता है कि पति उसके साथ नहीं खड़ा है। पति को लगता है कि पत्नी उसके परिवार को नीचा दिखाना चाहती है। सास-ससुर को लगता है कि बहू उनके घर पर आधिपत्य जमाना चाहती है। ऐसी भावनाएं आना स्वाभाविक है, पर जब इस बारे में बात नहीं होती, परस्पर संवाद खो जाता है तो ये आक्रोश के रूप में फूटती है। नतीजा, परिवार के बिखराव के रूप में सामने आता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

साइबर हमले का नया हथियार
जीपीएस स्पूफिंग

सब कुछ बेहद चौंकाने वाला काफी हद तक डराने वाला भी था। नई दिल्ली के आसमान पर उड़ रहे विमानों की कॉकपिट में बैठे पायलटों को विमान की पोजीशन समझना मुश्किल हो रहा था। स्क्रीन पर मिल रहे संकेत अचरज में डालने वाले थे। विमान की पोजीशन लगातार बदलने के साथ ऊंचाई के आंकड़े भी बदल रहे थे। कुछ ऐसा लग रहा था कि जैसे सब कुछ कोई अज्ञात शक्ति संचालित कर रही हो। पायलटों को इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे की जगह खेत दिखाई दे रहे थे। यह भयावह स्थिति थी, जरा सी असावधानी किसी बड़े हादसे को दावत दे सकती थी। ऐसे में पायलटों को तुरंत जीपीएस आधारित ऑटो सिस्टम बंद करके विमान का मैनुअल कंट्रोल संभालना पड़ा। तब जाकर जान में जान आई। बीते दिनों देश की राजधानी में सर्वाधिक सुरक्षित और सतर्क निगरानी वाले हवाई क्षेत्र इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 800 से ज्यादा उड़ानों के अचानक बाधित होने के पीछे कुछ ऐसा ही घटा, लेकिन यह सब कुछ किसी तकनीकी खामी के कारण नहीं हुआ। पता चला कि एक अत्याधुनिक साइबर हमला अंजाम दिया गया था। इसके लिए जीपीएस स्पूफिंग का इस्तेमाल करके ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम यानी जीपीएस के सिग्नलों से छेड़छाड़ की गई थी।

– मनोज त्रिपाठी, कानपुर

दिल्ली के बाद ऐसी ही कुछ कारस्तानी मुंबई में भी सामने आई। इसके बाद मुंबई के पास एयर रूट्स में जीपीएस सिग्नल गड़बड़ी या सिग्नल खोने की चेतावनी जारी करनी पड़ी। पायलटों को विमान के नेविगेशन सिस्टम को गुमराह करने वाली स्थिति को लेकर सतर्क किया गया। जीपीएस स्पूफिंग के इस बड़े मामले की अब गहनता से जांच चल रही है। 'स्पूफिंग' शब्द का अर्थ होता है जालसाजी। जीपीएस स्पूफिंग में, वास्तविक जानकारी को ओवरराइड करके रिसीवर को नकली जानकारी भेजकर भ्रमित किया जाता है। जीपीएस स्पूफिंग एक धोखा देने वाली तकनीक है। इसमें नकली सैटेलाइट सिग्नल भेजे जाते हैं। ये सिग्नल जीपीएस रिसीवर को गलत स्थान, दिशा और समय की जानकारी देते हैं। इससे हवाई जहाज का नेविगेशन सिस्टम गड़बड़ हो जाता है। यह तकनीक जैमिंग में सिग्नल को पूरी तरह ब्लॉक किए जाने से अलग है। इसमें सिर्फ गलत जानकारी डाली जाती है, जिससे पायलट को लगता है कि उसका जहाज कहीं और उड़ रहा है। इस तरह यह तकनीक विमान को रनवे से दूर किसी खुले मैदान में ले जा सकती है, उसे निश्चित संचालित मार्ग से हटाकर खतरे की ओर धकेल सकती है। यही नहीं, जीपीएस स्पूफिंग का इस्तेमाल करके मिसाइल को भी गलत लक्ष्य पर भेजा जा सकता है। ड्रोन को गलत जगह पर गिराया जा सकता है। यहां तक कि पूरे एयरस्पेस की दिशा ही बदली जा सकती है। यही कारण है कि आज की दुनिया में जीपीएस स्पूफिंग को साइबर युद्ध के खतरनाक हथियारों में गिना जा रहा है।

देश की सीमा और विमानन सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

जीपीएस स्पूफिंग भारत की विमानन सुरक्षा, सीमा सुरक्षा और राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए गंभीर खतरा है, क्योंकि इस तकनीक के इस्तेमाल में कम लागत लगती है और यह बेहद प्रभावी भी है। देश के सीमावर्ती इलाकों में इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पाकिस्तान और म्यांमार से लगती देश की सीमाओं के पास जीपीएस स्पूफिंग की घटनाएं देखी जाती रही हैं। इसी वर्ष सरकार ने संसद में जानकारी दी थी कि नवंबर 2023 से फरवरी 2025 के बीच देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में 465 जीपीएस हस्तक्षेप की घटनाएं दर्ज की गई थीं। समस्या जटिल है, लेकिन इससे पार पाना असंभव नहीं है। तकनीकी नवाचार, सतर्कता, राजनयिक समन्वय और रणनीतिक प्रतिरोध के जरिए भारत इस उभरते इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षेत्र में न सिर्फ अपने हवाई क्षेत्र, बल्कि सीमा को सुरक्षित कर सकता है।

स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम 'नाविक' दुनिया में सबसे सुरक्षित व उन्नत

जीपीएस दुनियाभर में इस्तेमाल होने वाली वैश्विक नेविगेशन सैटेलाइट प्रणालियों (जीएनएसएस) में से एक है। स्थान की जानकारी देने के अलावा इसका उपयोग सटीक समय बताने के लिए भी किया जाता है। दुनिया के कई देश अब अत्याधुनिक एन्क्रिप्टेड जीपीएस सिस्टम विकसित कर रहे हैं। अमेरिका ने तो अपने नागरिक जीपीएस को भी 'चिमेरा' नामक नए एन्क्रिप्टेड सिग्नल से लैस करना शुरू कर दिया है ताकि स्पूफिंग के हमलों को रोका जा सके, लेकिन भारत के पास दुनिया का सबसे सुरक्षित और उन्नत स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम 'नाविक' है, जो जीपीएस की तुलना में काफी सटीक और सुरक्षित माना जाता है। नाविक के सिग्नल एन्क्रिप्टेड हैं और इन्हें स्पूफ करना लगभग असंभव जैसा है। भारतीय वैज्ञानिकों ने नाविक को इस तरह विकसित किया है कि यह पूरे भारतीय क्षेत्र में जीपीएस से कहीं अधिक विश्वसनीय है। माना जा रहा कि यदि नाविक आधारित एप्रोच सिस्टम दिल्ली एयरपोर्ट पर लागू होता, तो स्पूफिंग की घटनाएं नहीं होतीं।

कुछ इस तरह काम करती है तकनीक

जीपीएस स्पूफिंग एक प्रकार का साइबर हमला है। इसे अंजाम देने के लिए लक्ष्य के पास एक रेडियो ट्रांसमीटर लगाया जाता है, जो प्रसारित हो रहे वास्तविक जीपीएस सिग्नल में बाधा डालता है। हजारों मील दूर उपग्रहों के माध्यम से आने वाले जीपीएस सिग्नल अक्सर कमजोर होते हैं, ऐसे में एक मजबूत रेडियो ट्रांसमीटर का उपयोग करके कमजोर सिग्नलों को ओवरराइड कर दिया जाता है। इसके बाद एक नकली जीपीएस सिग्नल बनाया जाता है, जो असली सिग्नल की नकल करता है या उससे कहीं अधिक शक्तिशाली होता है। इसके माध्यम से जीपीएस रिसीवर को नकली या झूठे जीपीएस सिग्नल भेजे जाते हैं, जिससे रिसीवर इन नकली सिग्नलों को वास्तविक मान बैठता है और यह मानने के लिए मजबूर हो जाता है कि वह किसी गलत स्थान पर है या समय गलत है। रिसीवर को आमतौर पर इस हेराफेरी का जल्दी पता भी नहीं चल पाता है। हाल के दिनों में आसमान में उड़ान भरते पायलट्स को जीपीएस स्पूफिंग की इसी बड़ी मुसीबत से दो-चार होना पड़ा है।

कहां किया जा सकता है इस्तेमाल

- विमानों, जलपोतों या ड्रोन के नेविगेशन सिस्टम को भ्रमित करना।
- संवेदनशील जानकारी तक पहुंच प्राप्त करना या निगरानी प्रणाली को धोखा देना।
- कीमती कार्गो शिपमेंट चोरी करने के लिए परिवहन के दौरान उनकी ट्रैकिंग जानकारी को बदलना।
- आतंकवादी गतिविधियों में इस्तेमाल करके महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे या सैन्य अभियानों को बाधित करना।
- स्मार्टफोन ऐप्स और स्थान डेटा में हस्तक्षेप करना, नेटवर्क सिस्टम और जीपीएस डेटा पर निर्भर महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर साइबर हमले करना।

आखिर क्या हुआ था दिल्ली के आसमान पर

दिल्ली के ऊपर से उड़ान भरने वाले विमानों ने स्पूफिंग की घटनाओं की सूचना दी थी। एयर इंडिया के एक पायलट ने मीडिया को बताया कि नवंबर के पहले सप्ताह में दिल्ली से आने और जाने वाले सभी छह दिनों में उन्हें स्पूफिंग का सामना करना पड़ा। एक अन्य पायलट ने कहा कि उनके कॉकपिट सिस्टम ने एक गलत इलाके की चेतावनी जारी की, जो आगे बाधाओं का सुझाव देती थी, जहां कोई भी मौजूद नहीं था। कई अन्य पायलटों को भी एयरपोर्ट से उड़ान भरते समय ऐसी ही चेतावनियों का सामना करना पड़ा। ये घटनाएं दिल्ली के 60 समुद्री मील के भीतर के विमानों द्वारा रिपोर्ट की गईं।

मौसम का हाल बताते हैं पशु-पक्षियों के व्यवहार

हाल ही में राजस्थान के जोधपुर के जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग ने एक अध्ययन में यह साबित किया कि पक्षियों के घोंसले बनाने के तरीके से लेकर जानवरों के व्यवहार तक, मौसम के संकेतों को समझा जा सकता है। यह शोध इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरमेंटल साइंस में प्रकाशित हुआ है। इसमें बताया गया है कि जानवरों के व्यवहार में 80 प्रतिशत तक सटीकता देखी जाती है। यह शोध सिद्ध करता है कि पुराने समय से चली आ रही यह पारंपरिक जानकारी, जो ग्रामीणों द्वारा इस्तेमाल की जाती रही है, अब वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हो चुकी है। उदाहरण के लिए मोर का नृत्य या कूजन मानसून की शुरुआत का संकेत देता है। इसी प्रकार चींटियों का भोजन इकट्ठा करना सूखा पड़ने का संकेत है। विभाग के एचओडी डॉ. गेमाराम परिहार और उनके शोध दल का कहना है कि प्रकृति के संकेत आज भी कारगर हैं। पशु-पक्षियों के व्यवहार से मौसम का पूर्वानुमान लग जाता है। उनका दावा है कि वैज्ञानिक शोध में इन बातों और तथ्यों की पुष्टि हो चुकी है। उनके शोध में पुरानी प्रथाओं के वैज्ञानिक प्रमाण साबित हुए हैं। शोध का निष्कर्ष है कि पशु-पक्षियों का व्यवहार आज भी मौसम के संकेत बताने में पूरी तरह सक्षम है। शोध में बताया गया है कि पशु-पक्षियों के व्यवहार से मौसम के संकेत सटीक मिलते हैं। यह बात करीब 80 प्रतिशत तक सही साबित हुई है।

राजस्थान के जोधपुर के जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय हुए शोध में यह बात समाने आई है कि कैसे पुराने समय में लोग पारिस्थितिकी तंत्र के सदस्यों के व्यवहार से मौसम की भविष्यवाणी करते थे। लोमड़ी, सियार और अन्य जानवरों का व्यवहार भी इस प्रणाली का हिस्सा था। उदाहरण के लिए लोमड़ी खेतों में चूहों की संख्या को नियंत्रित करती है, जो कृषि के लिए अच्छा संकेत है। शोध के अनुसार, राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में जैसे भील, मीणा और बंजारा समुदायों के लोग अभी भी पशु-पक्षियों के संकेतों का पालन करते हैं। उदाहरण के लिए लाल चींटियां जब अपने अंडे इधर-उधर ले जाती हैं, तो यह बारिश के करीब आने का संकेत होता है। यह पारिस्थितिकी तंत्र के इन जानवरों की सूझबूझ को दर्शाता है, जो मौसम की सटीक जानकारी देते हैं। यह पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्राचीन समय से चली आ रही यह पद्धतियां अब आधुनिक विज्ञान के माध्यम से और अधिक प्रमाणित हो रही हैं।

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

मौसम के सूचक

कुछ प्राचीन और ग्रामीण परंपराएं पक्षियों के घोंसले बनाने की जगह को भी मौसम का सूचक मानती हैं। जब पक्षी जमीन के करीब उड़ते हैं, तो यह बारिश का संकेत माना जाता है। मोर का नाचना, उल्लू का चीखना और गौरैया का धूल में लोटना बारिश का संकेत माना जाता है। यदि कौवे कांटेदार पेड़ों पर घोंसला बनाते हैं, तो बारिश कम होने की संभावना है। वहीं आम या करंज जैसे पेड़ों पर घोंसला बनाना अच्छी बारिश का संकेत है। लाल चींटियों का अपने अंडों को इधर-उधर ले जाना भी बारिश के आने का संकेत है। इसी तरह पक्षियों का आसमान में ऊंची उड़ान भरना अच्छे मौसम का संकेत होता है। वहीं जोड़े में उड़ने वाले कौवे अच्छे मौसम का संकेत देते हैं। इसी तरह तूफान से पहले पक्षी बसा जमा करने के लिए अधिक सक्रिय हो जाते हैं और खूब खाना खाते हैं। बारिश आने पर मुर्गियां बेचैन हो जाती हैं या धूल में रगड़ती हैं। हंस की छाती की हड्डी का लाल या गहरे रंग का होना ठंडी और तूफानी सर्दी का संकेत हो सकता है। यदि सारस आकाश में गोलाकार परावलय बनाकर उड़ते हैं, तो यह शीघ्र वर्षा का संकेत है। पेड़ों पर दीमक का तेजी से घर बनाना अच्छी वर्षा का संकेत है। जब पक्षी एक साथ इकट्ठा होते हैं और अपने पंख फड़फड़ाते हैं, तो मौसम में बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। वहीं चातक को बारिश का पक्षी माना जाता है। इसका आगमन मानसून के मौसम का संकेत है। इस तरह पशु और पक्षियों की हरकतों को देखकर मौसम का काफी हद तक पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। असल में यह हमारा पक्षियों से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान है, जिसे हमारे पूर्वजों ने पूरा मान और सम्मान दिया है। पक्षियों से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान कई प्रकार का है। यह जीवन के हर क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। अगर केवल पर्यावरण की बात करें, तो पक्षियों का अध्ययन (पक्षी विज्ञान) पारिस्थितिकी संतुलन को समझने में मदद करता है, क्योंकि वे कीट नियंत्रण, परागण और बीज प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पक्षी पर्यावरण में हो रहे बदलाव के शुरुआती संकेत देते हैं। उनकी आबादी में गिरावट आवासों के क्षरण या जलवायु परिवर्तन का संकेत हो सकती है। पक्षी कीटों को नियंत्रित करते हैं, बीज फैलाते हैं और परागण में मदद करते हैं, जो मानव द्वारा उपयोग किए जाने वाले कई पौधों के लिए महत्वपूर्ण है। पक्षी मृत जीवों और कचरे को साफ करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पक्षियों का वैज्ञानिक अध्ययन पक्षियों के व्यवहार, प्रवास, प्रजनन और शारीरिक विशेषताओं को समझने में इंसान की पूरी तरह से मदद करता है। हमें केवल इस ज्ञान की समझ होने और इसके वैज्ञानिक प्रयोगों को पहचानने की जरूरत है।

जंगल की दुनिया

भारतीय पैंगोलिन : वन्य संपदा का अनमोल प्रहरी

भारतीय पैंगोलिन भारत उपमहाद्वीप में पाया जाने वाला एक दुर्लभ एवं अत्यंत विशिष्ट स्तनधारी जीव है। यह अपने पूरे शरीर पर मौजूद कठोर, overlapping शल्कों के कारण अन्य जीवों से बिल्कुल अलग दिखाई देता है। ये शल्क केराटिन से बने होते हैं, वही पदार्थ, जिससे मानव के नाखून बनते हैं। खतरा महसूस होने पर पैंगोलिन स्वयं को एक गोल गेंद की तरह समेट लेता है, जिससे शिकारी उसके नाजुक अंगों तक नहीं पहुंच पाते। रात में सक्रिय रहने वाला यह जीव अत्यंत शर्मीला और एकांतप्रिय होता है। इसका मुख्य आहार चींटियां और दीमक हैं। लंबी, पतली और अत्यधिक चिपचिपी जीभ इसे आसानी से भोजन पकड़ने में सहायता करती है। भूमिगत बिलों में रहना इसकी विशेषता है, जिन्हें यह अपने मजबूत पंजों की मदद से आसानी से खोद लेता है। भारतीय पैंगोलिन जंगलों, झाड़ियों, कृषि भूमि और कभी-कभी ग्रामीण बस्तियों के पास भी देखा जा सकता है।

पारिस्थितिकी दृष्टि से पैंगोलिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह कीटभक्षी होने के कारण चींटियों और दीमक की संख्या को नियंत्रित करता है, जिससे मिट्टी की गुणवत्ता और कृषि भूमि सुरक्षित रहती है। परंतु इसके बावजूद यह जीव आज गंभीर संकट में है। IUCN ने इसे "Endangered" श्रेणी में रखा है। अवैध शिकार और तस्करी इसका सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि इसके शल्कों और मांस की अवैध बाजार में अत्यधिक मांग है।

भारतीय पैंगोलिन को संरक्षण की सख्त आवश्यकता है। जन-जागरूकता, कड़े कानून, वन विभाग की सक्रियता और स्थानीय समुदायों की भागीदारी से ही इस अद्वितीय प्राणी को विलुप्त होने से बचाया जा सकता है। यह सिर्फ एक जीव नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरण संतुलन का महत्वपूर्ण प्रहरी है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,818.13	25,898.55
गिरावट	426.86	140.55
प्रतिशत में	0.51	0.55

सोना 1,32,490 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,94,400 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु0) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4240

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3600, मसूरी- 1200, बासमती- 5200, परमल- 1000

दाल दलहन : काला चना- 3700, साबुत चना दाल- 3200, मूंग साबुत- 4200, राजमा- 9000-12000, दाल उड़द- 6600, साबुत मसूर दाल- 4100, मसूर दाल- 3000, उड़द साबुत- 5000, काबुली चना- 9400, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 2100

एफटीए वार्ता : कुछ मुद्दे पर सहमति बननी बाकी

केंद्रीय उद्योग मंत्री ने कहा- यूरोपीय संघ के साथ एफटीए को अंतिम रूप देने में आ रही बाधाएं कर लेंगे दूर

मुंबई, एजेंसी

इटली-इंडिया बिजनेस फोरम के दौरान केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने में आने वाली बाधाओं को दूर करने का गुरुवार को भरोसा जताया। गोयल ने समझौते पर हस्ताक्षर होने की कोई संभावित समयसीमा न बताते हुए कहा कि इटली जैसे देश भारत को अपनी शराब एवं मोटर वाहन निर्यात कर सकेंगे और इसके बदले में भारत 27 देशों के इस समूह को व्हिस्की, वस्त्र एवं मोटर वाहन कलपुर्जे निर्यात कर सकेगा।

गोयल ने इस सप्ताह की शुरुआत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों के साथ हुई अपनी चर्चाओं का हवाला देते हुए कहा कि हमें भरोसा है। कुछ मुद्दे हैं जिन पर हमें अब भी सहमति बनानी है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम इसे सफलतापूर्वक पूरा कर लेंगे। साथ ही वाणिज्य मंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों के वार्ताकार दल एक अच्छा समझौता कराने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं और कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

गोयल ने इटली-भारत व्यापार मंच को संबोधित करते हुए कहा कि भारत-यूरोपीय संघ एफटीए एक निष्पक्ष, न्यायसंगत एवं संतुलित दस्तावेज होगा जो सभी देशों के लिए लाभकारी होगा। इस अवसर पर इटली के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी भी उपस्थित रहे। गोयल और ताजानी दोनों ने वैश्विक बाजार में कच्चे माल की सुचारू आपूर्ति के लिए लोकतांत्रिक देशों के बीच सहयोग की जरूरत पर बल दिया। ताजानी ने कहा कि उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण कच्चे माल की कीमतों को तय करने में कोई एक देश 'किंगमेकर' की भूमिका नहीं निभा सकता। इटली के उप प्रधानमंत्री ने कहा कि इस मामले पर इटली, यूरोप, भारत, जापान और अमेरिका के बीच एक 'राजनीतिक समझौते' की आवश्यकता है। गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ते संबंधों को देखते हुए भारत-इटली संबंध 21वीं सदी के निर्णायक संबंधों में से एक होंगे।

ओमान ने भारत से व्यापार समझौते को दी मंजूरी

नई दिल्ली। ओमान के निचले सदन 'शूरा परिषद' ने भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को मंजूरी दे दी है। इसको देखते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल शुक्रवार को इस समझौते पर विचार कर सकती है। इसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इस पर बातचीत नवंबर 2023 में शुरू हुई थी जो इस वर्ष संपन्न हुई। समझौते में दो साझेदार वस्तुओं की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को काफी हद तक कम या समाप्त कर देते हैं। वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए नियमों में ढील भी देते हैं।खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों में ओमान भारत के लिए तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। भारत का पहले से ही जीसीसी के एक अन्य सदस्य देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ इसी तरह का समझौता है जो मई 2022 में लागू हुआ था। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया था कि प्रासंगिक प्राधिकारी की मंजूरी के बाद, हस्ताक्षर और पुष्टि के लिए कैबिनेट नोट का मसौदा संबंधित मंत्रालयों को भेज दिया गया है। दोनों पक्ष अब आंतरिक अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं। भारत में मुक्त व्यापार समझौतों को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी दी जाती है। 'शूरा परिषद' या मजलिस अ 'शूरा ने सीईपीए के मसौदे पर अपनी चर्चा बुधवार को पूरी कर ली।

- केंद्रीय मंत्रिमंडल आज इस समझौते पर कर सकती है विचार

इक्विटी एमएफ में निवेश 21% बढ़कर 29,911 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी

- तीन महीनों की गिरावट के बाद निवेशकों के सकारात्मक दृष्टिकोण से आई बढ़ोत्तरी

इक्विटी म्यूचुअल फंड (एमएफ) में नवंबर में निवेश मासिक आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 29,911 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। उद्योग निकाय एम्फी ने गुरुवार को इस संबंध में आंकड़े जारी किए। निवेश में यह वृद्धि तीन महीनों की गिरावट के बाद आई जो निवेशकों के सकारात्मक दृष्टिकोण का संकेत देती है।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के अनुसार, इक्विटी प्रवाह में सकारात्मक गति ने व्यापक उद्योग के परिसंपत्ति आधार को भी बढ़ावा दिया। इससे प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) अक्टूबर के 79.87 लाख करोड़ रुपये से नवंबर में बढ़कर 80.80 लाख करोड़ रुपये हो गई। व्यवस्थित निवेश योजनाएं (एसआईपी) के जरिये खुदरा निवेशकों की भागीदारी में मामूली गिरावट देखी गई। एसआईपी में जमा राशि अक्टूबर के 29,631 करोड़ की तुलना में घटकर नवंबर में 29,445 करोड़ रुपये रह गई।

आंकड़ों के अनुसार, इक्विटी एमएफ में शुद्ध निवेश नवंबर में बढ़कर 29,911 करोड़ हो गया जो अक्टूबर में 24,690 करोड़ रुपये था। सितंबर में इक्विटी में निवेश 30,421 करोड़ और अगस्त में 33,430 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन माह के दौरान लाभांश और इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) फंड के अलावा उप-श्रेणियों में सकारात्मक रुझान रह। फ्लेक्सी-कैप फंड में सबसे अधिक 8,135 करोड़ रुपये का निवेश दर्ज किया गया।

रुपया 39 पैसे टूटकर निचले स्तर 90.33 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई, एजेंसी

- भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता से स्थानीय मुद्रा दबाव में रही

रुपया गुरुवार को 39 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर 90.33 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता के बीच स्थानीय मुद्रा दबाव में रही।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि रुपये में गिरावट जारी रहने की आशंका है क्योंकि भारत एवं अमेरिका के बीच व्यापार समझौते में देरी से निवेशकों का भरोसा प्रभावित हो रहा है। बाजार में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने भी रुपये पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 89.95 पर खुला। फिर कारोबार के दौरान सबसे निचले स्तर 90.48 पर आ गया। कारोबार के अंत में रुपया 90.33 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 39 पैसे कम है। रुपया बुधवार को डॉलर के मुकाबले 89.87 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन के भारत-अमेरिका समझौते के अगले साल मार्च तक संपन्न होने की संभावना के बाद रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया।

फेड ने की ब्याज दरों में 0.25% की कटौती

वॉशिंगटन। फेडरल रिजर्व ने अपनी प्रमुख ब्याज दर में लगातार तीसरी बार बुधवार को एक चौथाई अंक 0.25 प्रतिशत की कटौती की लेकिन संकेत दिया कि वह आने वाले महीनों में दरों को यथावत रख सकता है। फेडरल रिजर्व बुधवार को ब्याज दर में कटौती के बाद यह घटकर करीब 3.6 प्रतिशत हो गई, जो पिछले लगभग तीन वर्ष में सबसे कम है।

ब्याज दरों में कटौती से उधार लेने की लागत कम हो सकती है, हालांकि बाजार की ताकतें भी इन दरों को प्रभावित कर सकती हैं। फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल ने संकेत दिया कि अर्थव्यवस्था की स्थिति का आकलन करने के बाद, आगामी महीनों में वह ब्याज दरों में और कटौती नहीं करेगा। पॉवेल ने कहा कि आप देख रहे हैं कि कुछ लोगों का मानना है कि हमें यहीं रुक जाना चाहिए।

बैंकों की भर्ती परीक्षाओं व नतीजों की घोषणा के नए प्रावधान लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

- वित्त मंत्रालय ने कहा - एसबीआई, राष्ट्रीयकृत बैंकों व आरआरबी की भर्ती प्रक्रिया पर नए नियम होंगे लागू

वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में भर्ती के लिए होने वाली परीक्षाओं और उनके परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए व्यापक सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि ये सुधार भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), राष्ट्रीयकृत बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) की भर्ती प्रक्रिया पर समान रूप से लागू होंगे।

वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस) ने कहा कि वर्तमान में इन सभी श्रेणियों के बैंकों में भर्ती आईबीपीएस (इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सानेल सेलेक्शन) के माध्यम से की जाती है। सामान्यतः आरआरबी की परीक्षाएं पहले आयोजित होती हैं और राष्ट्रीयकृत बैंकों एवं एसबीआई की परीक्षाएं उसके बाद होती हैं। परिणाम भी इसी क्रम में घोषित किए जाते हैं। हाल के वर्षों में यह प्रवृत्ति सामने आई है कि आरआरबी में चयनित कई उम्मीदवार राष्ट्रीयकृत बैंकों और वहां से एसबीआई में चले जाते हैं। संबंधित बैंकों में नौकरी छोड़ने का उच्च स्तर देखने को मिलता है और कामकाज के संचालन में दिक्कतें होती हैं।

डीएफएस ने समीक्षा के बाद आईबीए को बदलाव की दी सलाह

डीएफएस ने इस स्थिति का संज्ञान लेते हुए बैंकों की भर्ती प्रक्रिया और परिणाम घोषित करने के मौजूदा चलन की समीक्षा की। इसके बाद भारतीय बैंक संघ (आईबीए) को सलाह दी गई कि सभी श्रेणी के बैंकों में भर्ती परीक्षाओं के नतीजों की घोषणा एकसमान और तार्किक क्रम में की जाए, ताकि उम्मीदवारों की प्राथमिकता स्पष्ट हो सके और बैंकों की मानव संसाधन योजना अधिक प्रभावी बन सके। नए ढांचे के तहत अब सबसे पहले एसबीआई की भर्ती परीक्षाओं के परिणाम जारी होंगे। इसके बाद राष्ट्रीयकृत बैंकों और अंत में आरआरबी के परिणाम घोषित होंगे। अधिकारी स्तर की परीक्षाओं के परिणाम पहले और क्लर्क के परिणाम उसके बाद इसी क्रम में जारी होंगे।

चावल और गेहूं मजबूत दालों, खाद्य तेल नरम

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए। चावल के साथ गेहूं भी मजबूत हुआ। वहीं, चीनी, दालों और खाद्य तेलों में नरमी देखी गई।

औसत दर्जे के चावल की कीमत तीन रुपये बढ़कर 3,854.01 रुपये और गेहूं दो रुपये बढ़कर 2,852.57 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत सात रुपये टूट गई। दाल-दलहनों में नरमी रही। चना दाल औसतन 24 रुपये और तुअर दाल 18 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल और मूंग दाल 17-17 रुपये टूट गयी। मसूर दाल 12 रुपये प्रति क्विंटल कमजोर हुई। विदेशों में बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का फरवरी वायदा एक रिंगिट चढ़कर 4,064 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.63 प्रतिशत गिरकर में 50.77 डॉलर के भाव बोला गया।

राष्ट्रीय

कांग्रेस तो 20 साल में भी एसआईआर के लिए तैयार नहीं हुई

चुनाव सुधारों पर उच्च सदन में सुधांशु त्रिवेदी बोले- चुनावी प्रक्रिया में कई समस्याएं आईं, लेकिन चीजें बदलती गईं

- पूर्ववर्ती कांग्रेस और संप्रग सरकार के दौरान सत्ता पक्ष ने जरूरत के अनुसार नियम बार-बार बदले

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद में भाषण देते भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी।

विपक्ष पर लोकतंत्र को अब तक नहीं समझ पाने का आरोप लगाते हुए भाजपा ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर आपत्ति जताने वाली कांग्रेस तो बीस साल में भी इसके लिए तैयार नहीं हुई। भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने चुनाव सुधारों पर उच्च सदन में चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया आजादी के बाद शुरू हुई और कई तरह की समस्याएं आईं लेकिन समय के साथ चीजें बदलती गईं।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों के समय और फिर संप्रग सरकार के दौरान सत्ता पक्ष ने अपनी जरूरत के अनुसार नियमों में बार-बार बदलाव किया। उन्होंने कहा कि संप्रग सरकार के समय लाभ के पद के मुद्दे पर नियम बदले गए थे। त्रिवेदी ने कहा कि दूसरों पर आरोप लगाने वालों को पहले यह देखना चाहिए कि उन्होंने सत्ता में रहते हुए कब-कब क्या-क्या किया था? उन्होंने दावा किया कि चुनावी बॉण्ड के रूप में राजग सरकार ने चुनावी चंदे को लेकर पारदर्शी व्यवस्था बनाई। उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती सरकारों को बहुमत तब मिलता था जब मतपत्रों की पेटियां लूटी जाती थीं, बूथ 'कैप्चरिंग' होती थी और गोलियां चलती थीं।

उन्होंने कहा कि आज सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होती है, ईवीएम का उपयोग होता है। मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस आज आपत्ति उठा रही है, लेकिन बाबा साहेब आंबेडकर ने 18 दिसंबर 1950 को यह पुनरीक्षण हर छह महीने में करने की जरूरत रेखांकित की थी लेकिन व्यवहारिक दिक्कतों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा था कि एक साल में यह होना चाहिए।

सरकार अपने लाभ के लिए संवैधानिक संस्थाओं का कर रही इस्तेमाल : अजय माकन

कांग्रेस ने राज्यसभा में आरोप लगाया कि सरकार की कथनी एवं करनी में अंतर है तथा वह अपने लाभ के लिए संवैधानिक संस्थाओं का इस्तेमाल कर रही है। चुनाव सुधारों पर उच्च सदन में चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सदस्य अजय माकन ने कहा कि जीवंत लोकतंत्र में तीन बुनियादी शर्तें.... सबके लिए समान अवसर, पारदर्शिता और विश्वसनीयता महत्वपूर्ण होती हैं। उन्होंने दावा किया कि तीनों बातों के संदर्भ में राजग सरकार मानकों पर खरी नहीं उतरती। माकन ने कहा कि वह कांग्रेस के कोषाध्यक्ष भी हैं और पिछले दो-तीन साल से कांग्रेस का हिसाब यानी आय-व्यय का ब्योरा वह देते हैं तथा दूसरे दलों का हिसाब भी निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर देखते हैं। उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 तक कांग्रेस और भाजपा के आय-व्यय के ब्यौरे का अनुपात 60:40 का था, लेकिन 2019 में यह अनुपात चौंकाते हुए पूरी तरह बदल गया। अनुपात 8:92 हो गया और भाजपा की आय में 11 फीसदी की वृद्धि हुई तथा यह सिलसिला आगे भी जारी है।

कांग्रेस तो बीस साल में भी मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण नहीं करना चाहती। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस लोकतंत्र को अब तक समझ नहीं पाई है। त्रिवेदी ने कहा कि भारत को लोकतंत्र की जननी कहा जाता है और यहां का लोकतंत्र जीवंत है। इस जीवंत लोकतंत्र का आधार उसकी विविधतापूर्ण संस्कृति है। लेकिन हमारे ही देश के कुछ लोग दूसरे देशों में जा कर गुहार लगाते हैं कि देश में लोकतंत्र को बचाना है।

लोस : टीएमसी सांसद के ई-सिगरेट पीने की अनुराग ने की शिकायत

नई दिल्ली। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को लोकसभा में टीएसी सांसद पर ई-सिगरेट पीने का आरोप लगाया, जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्रवाई की बात कही। ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश से संबंधित पूरक प्रश्न पूछने के दौरान कहा कि देशभर में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध है। सदन में क्या ई-सिगरेट पीने की अनुमति है? जब लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने नहीं में जवाब दिया तो ठाकुर ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के एक सदस्य कई दिन से सदन में ई-सिगरेट पी रहे हैं। भाजपा सांसद ने किसी सदस्य का नाम नहीं लिया। उन्होंने इस मामले में आसन से तत्काल जांच कराकर कार्रवाई की मांग की। उनके साथ निशिकांत दुबे, जगदंबिका पाल समेत अन्य भाजपा सदस्य भी खड़े होकर कार्रवाई की मांग करते देखे गए। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ भी खड़े थे। हंगामे के बीच बिरला ने संसदीय नियमों का पालन करने का अनुरोध किया।

संसद में शाह नर्वस थे, चुनौती का जवाब नहीं दिया : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

- कांग्रेस नेता बोले- वोट चोरी से जुड़ी बातों का गृह मंत्री ने कोई जवाब नहीं दिया

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को दावा किया कि लोकसभा में बुधवार को अपनी बात रखते हुए गृह मंत्री अमित शाह बहुत नर्वस नजर आए तथा उन्होंने बहस की चुनौती पर कोई जवाब नहीं दिया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह पूरे देश ने देखा कि अमित शाह मानसिक रूप से बहुत दबाव में हैं।

राहुल गांधी ने संसद परिसर में कहा कि अमित शाह कल संसद में बड़े नर्वस थे। उनके हाथ कांप रहे थे, उन्होंने गलत भाषा का इस्तेमाल किया। अमित शाह मानसिक रूप से बहुत दबाव में हैं, जो कल पूरे देश ने देखा। मैंने वोट चोरी से जुड़ी जो बातें कहीं, उसका गृह मंत्री ने कोई जवाब नहीं दिया। मैंने अमित शाह को मेरे संवाददाता सम्मेलनों पर बहस करने के लिए सीधी चुनौती दी, जिसका भी कोई जवाब नहीं आया। राहुल गांधी का कहना था कि सभी जानते हैं कि सच क्या है। कांग्रेस नेता ने बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती दी थी कि वह 'वोट चोरी' से संबंधित उनके तीन संवाददाता सम्मेलनों को लेकर उनसे बहस कर लें। दरअसल निचले सदन में, चुनाव सुधारों पर चर्चा में भाग लेते हुए गृह मंत्री ने राहुल गांधी के हालिया तीन संवाददाता सम्मेलनों का उल्लेख करते हुए उनके तथ्यों को असत्य करार दिया जिनमें नेता प्रतिपक्ष ने निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाये थे।

इस पर राहुल गांधी ने कहा कि अमित शाह, मैं आपको चुनौती देता हूं कि मेरे तीनों संवाददाता सम्मेलनों पर बहस कर लेते हैं।

दिव्यांगजन कानून में संशोधन करे केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यायाधीश की टिप्पणियां पक्षपात का आधार नहीं हो सकतीं

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की बेंगलुरु की विशेष सांसद/विधायक अदालत में जारी दो आपराधिक मामलों की सुनवाई को शहर की किसी अन्य अदालत में स्थानांतरित करने का अनुरोध करने वाली याचिका गुरुवार को खारिज कर दी। रेवन्ना ने याचिका में पक्षपात को आधार बनाया था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने रेवन्ना के वकील से कहा कि न्यायाधीश की टिप्पणियां पक्षपात का आधार नहीं हो सकतीं। हमारे पास संदेह करने का कारण नहीं है कि न्यायाधीश इस तथ्य से प्रभावित नहीं होंगे कि याचिकाकर्ता दोषी था और वे निष्कर्ष पेश सबूतों के आधार पर ही देंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र से दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम में संशोधन पर विचार करने को कहा ताकि तेजाब हमले के पीड़ितों को दिव्यांगजन की श्रेणी में शामिल कर सके और उन्हें कल्याणकारी उपायों का लाभ मिल सके। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने पीड़िता शाहीन मलिक की याचिका में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाया है।

इससे पहले पीठ ने चार दिसंबर को सभी उच्च न्यायालयों की लंबित तेजाब हमलों के मामलों का ब्योरा पेश करने का निर्देश दिया था। मलिक ने अपनी याचिका में कानून के तहत दिव्यांगजन की परिभाषा का विस्तार करने का अनुरोध किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि तेजाब हमले के कारण आंतरिक अंगों की जानलेवा क्षति झेलने वाले पीड़ितों को पर्याप्त मुआवजा और चिकित्सा देखभाल सहित अन्य राहतें मिल सकें। केंद्र सरकार के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार कानून में बदलाव पर विचार करने को तैयार है और उन्हें खुद इस अपराध के उस पहलू की जानकारी नहीं थी।

सोपोर में प्रतिबंधित तहरीक-ए-हुर्रियत के ठिकानों पर छापेमारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सोपोर इलाके में पुलिस ने गुरुवार को प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-हुर्रियत के सदस्यों से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की। पुलिस ने बताया कि यूएपीए के तहत जांच के रूप में यह समन्वित छापेमारी की गयी।

जाफर इस्लाम उर्फ यदुल्ला पीर, लतीफ अहमद कालू और मोहम्मद अशरफ मलिक के घरों व परिसरों पर छापेमारी की गयी। अधिकारी ने बताया कि सोपोर स्थित यूएपीए अदालत के विशेष न्यायाधीश से वैध छापेमारी वारंट प्राप्त करने के बाद एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में यह कार्रवाई की गई। छापेमारी में बरामद चीजों की जांच जारी है।

थाईलैंड में लूथरा बंधु पुलिस हिरासत में

नाइट क्लब अग्निकांड

पणजी, एजेंसी

गोवा में नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत के बाद भारत से भागे सौरभ और गौरव लूथरा को थाईलैंड पुलिस ने हिरासत में लिया है और उन्हें भारत लाने की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। हादसे के बाद लूथरा बंधु थाईलैंड के फुकेट भाग गए थे। नाइटक्लब के सह-मालिकों गौरव और सौरभ को भारत सरकार के अनुरोध पर हिरासत में लिया गया है। दोनों के खिलाफ इंटरपोल का ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी हुआ था।

वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्टि की है कि दोनों को थाईलैंड के फुकेट में हिरासत में लिया गया है और उन्हें भारत लाने की प्रक्रिया जारी है। जैसे ही लूथरा बंधुओं की गिरफ्तारी की खबर सामने आई, हथकड़ी पहने उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर प्रसारित होने लगीं। उत्तरी गोवा के अरपोरा स्थित नाइट क्लब 'बर्च बाय रोमियो लेन' में लगी भीषण आग के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए एक घंटे में दोनों ने छह-सात दिसंबर की रात फुकेट के लिए टिकटें बुक की थीं।

अजय को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

गोवा की अदालत ने गुरुवार को नाइट क्लब के सह-मालिक अजय गुप्ता को सात दिन के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। गुप्ता को पूछताछ के लिए बुधवार रात दिल्ली से गोवा ट्रांजिट रिमांड पर लाया गया था। उन्हें विस्तृत जांच के लिए अंजुना पुलिस थाने ले जाया गया। इससे पहले गुप्ता के खिलाफ 'लुकआउट सर्कुलर' (एलओसी) जारी किया गया था। गोवा पुलिस ने नाइट क्लब में आग लगने के मामले में पांच प्रबंधकों और कर्मचारियों को भी गिरफ्तार किया है।

उत्तरी गोवा में कृषि भूमि पर बना नाइट क्लब सील

अग्निकांड के बाद अवैध नाइट क्लब पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने उत्तरी गोवा के वागाटोर स्थित 'गोया द नाइट क्लब' को सील कर दिया। यह क्लब कृषि भूमि पर था। यह कार्रवाई बरदेज तालुका के राजस्व अधिकारी के आदेश पर की गई।

आईएसआईएस से जुड़े मामले में चार राज्यों में छापा

मुंबई। ईडी ने वैश्विक आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) के घोर कट्टरपंथी मॉड्यूल के खिलाफ आतंकवाद वित्तपोषण से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत कई राज्यों में छापे मारे। अधिकारियों ने बताया कि सुबह से शुरू हुई छापेमारी में महाराष्ट्र में ठाणे जिले के पडघा-बोरीवली क्षेत्र के गांवों, रत्नागिरी जिले, दिल्ली, कोलकाता और उत्तर प्रदेश सहित 40 स्थानों पर तलाशी ली गई।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में ईडी की टीमों को राज्य के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा सुरक्षा दी गई जबकि अन्य राज्यों में केंद्रीय सुरक्षा बलों ने सुरक्षा प्रदान की।

वर्ल्ड ब्रीफ

कनाडा के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा

टोरंटो। कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त ने हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच संसदीय संबंधों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ साझा लोकतांत्रिक मूल्यों एवं भविष्य के सहयोग पर चर्चा की। जनवरी में भारत, राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) में कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष फ्रांसिस स्कार्पालेगिया के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी करेगा। ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत-कनाडा संसदीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष फ्रांसिस स्कार्पालेगिया से मुलाकात की। साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और भविष्य के सहयोग पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ।

अमेरिका में बुजुर्गों से धोखाधड़ी पर भारतीय को 90 महीने की सजा

न्यूयॉर्क। अमेरिका में बुजुर्गों समेत अन्य लोगों के साथ धोखाधड़ी करने के मामले में एक भारतीय नागरिक को दोषी करार देते हुए उसे 90 महीने की सजा सुनाई गई है। न्याय विभाग ने बुधवार को एक बयान में कहा कि लिग्नेश कुमार एच. पटेल (38) को वायर फ्रॉड और वित्तीय संस्थान धोखाधड़ी करने की साजिश रचने के मामले में दोषी पाया गया। पटेल ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। न्यायाधीश ने उसे मुआवजे के तौर पर 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक का भुगतान करने का आदेश दिया। पटेल ने अमेरिका के पांच प्रांतों के बुजुर्ग लोगों सहित 11 लोगों को ठगी का शिकार बनाया।

अमेरिका: सैनिकों का वेतन बढ़ाने को निचले सदन में विधेयक पारित

वाशिंगटन। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने एक व्यापक रक्षा नीति विधेयक को मंजूरी दी है, जिसके तहत 900 अरब डॉलर के सैन्य कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में सैनिकों का वेतन बढ़ाना और रक्षा विभाग की हथियार खरीद प्रक्रिया में आमूलचूल परिवर्तन शामिल है। यह विधेयक ऐसे समय में पारित हुआ है जब रिपब्लिकन बहुमत वाली संसद और ट्रंप के प्रशासन के बीच सेना से संबंधित मामलों को लेकर तनाव बढ़ रहा है। इस विधेयक में सैनिकों के वेतन में 3.8 प्रतिशत वृद्धि और सैन्य ठिकानों पर आवास व सुविधाओं में सुधार का भी प्रस्ताव है। इस विधेयक को राजनीतिक दलों के बीच समझौते के तौर पर भी देखा जा रहा है, जिसके तहत ट्रंप के एजेंडे के अनुरूप जलवायु और विविधता प्रयासों में कटौती की जाएगी।

पाकिस्तान: पूर्व आईएसआई प्रमुख को 14 साल की सजा

इस्लामाबाद, एजेंसी

● सेना के कानूनों के उल्लंघन का आरोप है फैज हमीद पर

पाकिस्तान की एक सैन्य अदालत ने खुफिया एजेंसी 'आईएसआई' के पूर्व प्रमुख फैज हमीद को सेना के कानूनों का उल्लंघन करने के आरोप में 14 साल की सजा सुनाई। सेना की ओर से जारी एक बयान के अनुसार लेफ्टिनेंट जनरल रह चुके हमीद के खिलाफ 12 अगस्त, 2024 को पाकिस्तान सेना अधिनियम के प्रावधानों के तहत फील्ड जनरल कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया शुरू की गई थी।

हमीद पर राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने, राज्य की सुरक्षा व हितों के लिए आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम का उल्लंघन करने, अधिकारों व सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग करने से संबंधित आरोप लगाए गए थे। यह पहली बार है, जब आईएसआई के किसी पूर्व प्रमुख को दोषी ठहराया गया है। हमीद ने 2019 से 2021 तक आईएसआई के महानिदेशक के रूप में कार्य किया। हमीद ने 10 दिसंबर, 2022 को समयपूर्व सेवानिवृत्ति ले ली थी और इससे पहले उन्होंने एक कोर के कमांडर के रूप में भी सेवाएं दी थी।

क्यों राजनीतिक मुद्दा बनी हुई है

ब्रिटिश इतिहासकार और राजनीतिज्ञ थॉमस बबिंगटन मैकाले ने 2 फरवरी 1835 को 'भारतीय शिक्षा पर कार्यवृत' प्रस्तुत किया। तत्कालीन गवर्नर जनरल विलियम बेंटिक की ओर से 7 मार्च 1835 को मंजूरी दिए जाने के बाद यह नीति ब्रिटिश-भारतीय शैक्षिक नीति की आधारशिला बन गई। भारत में इस शिक्षा प्रणाली को लागू करने का उद्देश्य भारतीयों के लिए पश्चिमी आधारित अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा प्रणाली शुरू करना था। कहा जाता है कि इस ने पारंपरिक भारतीय शिक्षण प्रणालियों की उपेक्षा करते हुए एक ऐसे वर्ग का निर्माण का लक्ष्य रखा जो ब्रिटिश प्रशासन का मददगार हो। भारत में मैकाले की शिक्षा प्रणाली बार-बार मुद्दा बनती है क्योंकि इसे ब्रिटिश औपनिवेशिक मानसिकता का प्रतीक माना जाता है, यह बहस भारत की पहचान, सांस्कृतिक विरासत और आधुनिकता के बीच गहरे अंतर्द्वंद्व को दर्शाती है।

मैकाले की शिक्षा प्रणाली

क्या खास है इस प्रणाली में

- मैकाले ने तर्क दिया था कि अंग्रेजी को शिक्षा का मुख्य माध्यम होना चाहिए, इस वजह से कई स्थानीय भारतीय भाषाएं दरकिनार हो गईं।
- सरकारी धन का उपयोग केवल पश्चिमी विज्ञान, साहित्य और दर्शन को बढ़ावा देने के लिए किया जाना था, न कि पूर्वी शिक्षा के लिए।
- डाउनवर्ड फिल्ट्रेशन थ्योरी के तहत शिक्षा एक छोटे उच्च वर्ग को दी जानी थी, उसी से जनसामान्य तक ज्ञान पहुंचने की अवधारणा थी।

राजनीतिक मुद्दा बनने के कारण

- इस प्रणाली को एक औपनिवेशिक उपकरण के रूप में देखा जाता है, जिसने भारतीयों में अपनी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों के प्रति हीनता की भावना पैदा की।
- तर्क दिया जाता है कि इस नीति ने अंग्रेजी शिक्षित अभिजात वर्ग और बहुसंख्यक स्थानीय आबादी के बीच एक बड़ा सामाजिक और भाषाई अंतर पैदा कर दिया।
- शिक्षा प्रणाली को विऔपनिवेशिक करने और भारतीय लोकाचार में फिर स्थापित करने की बात की जाती है जिससे यह मुद्दा राजनीतिक विमर्श में बना रहता है।

क्या हुए परिणाम

- मुख्य उद्देश्य भारतीयों का एक ऐसा वर्ग तैयार करना था जो स्वाद, राय, नैतिकता और बुद्धि में अंग्रेज हो ताकि ब्रिटिश हितों पर असर न पड़े।
- गुरुकुल और मदरसों जैसे पारंपरिक भारतीय शिक्षण संस्थान धीरे-धीरे सरकारी समर्थन और धन से वंचित हो गए, इससे उनका पतन हुआ।
- इस प्रणाली ने भारत के शैक्षिक और सांस्कृतिक परिदृश्य पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा और आधुनिक भारतीय शिक्षा प्रणाली की नींव पड़ी।

समाज पर दुष्प्रभाव

- स्वदेशी शिक्षण विधियां हाशिए पर चली गईं। आयुर्वेद, खगोल विज्ञान और दर्शन जैसे स्वदेशी ज्ञान क्षेत्रों को नुकसान।
- भारतीयों के एक वर्ग को अपनी विरासत से अलग कर दिया, पश्चिमी विचारों और जीवन शैली को श्रेष्ठ माना जाने लगा।
- अंग्रेजी माध्यम शिक्षा ने संस्कृत, फारसी समेत स्थानीय भाषाओं का महत्व कम हो गया, समाज में भाषाई खाई बन गई।

मैकाले प्रणाली के ये लाभ भी

- मैकाले शिक्षा प्रणाली ने भारतीयों को पश्चिमी विज्ञान, साहित्य और आधुनिक प्रशासनिक ज्ञान से परिचित कराया, जो भारत के आधुनिकीकरण में सहायक हुआ।
- अंग्रेजी शिक्षा ने ऐसे शिक्षित वर्ग का निर्माण किया, जिसने आधुनिक राजनीतिक विचारों को समझा और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया।
- इस प्रणाली ने देश में एक समान आपराधिक कानून और योग्यता आधारित प्रशासन की नींव रखी, जिसने जाति आधारित और भेदभावपूर्ण संरचनाओं को चुनौती दी।

ट्रंप ने नोबल पुरस्कार के लिए भारत से शत्रुता ठान ली, यह हास्यास्पद

अमेरिकी सांसद ने कहा- राष्ट्रपति की नीतियां अपनी ही नाक काटने जैसी

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

कैलिफोर्निया से डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद सिडनी कैमलेजर डॉव ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत के प्रति नीतियां रणनीतिक भरोसे और पारस्परिक समझ को वास्तविक व स्थायी नुकसान पहुंचा रही हैं। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को हुए नुकसान को कम करने के लिए वॉशिंगटन को अविश्वसनीय तत्परता के साथ कदम उठाने होंगे और अगर ट्रंप अपनी नीति में बदलाव नहीं किया तो वह भारत को खो देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति बन जाएंगे।

डॉव ने कहा, ज्यादा साफतौर पर कहा जाए तो ट्रंप ने भारत को दूर कर रूसी साम्राज्य को सशक्त किया। उन्होंने ट्रांसअटलांटिक गठबंधन को तोड़ा है और लातिन अमेरिका को खतरे में डाला है। जब इतिहास की किताबें लिखी जाएंगी और बताया जाएगा कि भारत के प्रति ट्रंप की शत्रुता कहां से शुरू हुई तो वे ऐसी चीज की ओर इशारा करेंगी जिसका हमारे दीर्घकालिक रणनीतिक हितों से कोई लेनादेना नहीं है। यह है उनका नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर व्यक्तिगत जुनून। यह भले ही हास्यास्पद हो, लेकिन इसका जो नुकसान होगा, उसे बिल्कुल भी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

कैमलेजर डॉव संसद की दक्षिण और मध्य एशिया विदेश मामलों की उप समिति की बैठक में 'यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिपः सिक्योरिंग अ फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक' विषय पर बोल रही थीं। कैमलेजर डॉव ने ट्रंप की कड़ी आलोचना करते हुए कहा, ट्रंप की नीतियों को 'अपनी ही नाक काटने' के तौर पर वर्णित किया जा सकता है।

मोदी-पुतिन की तस्वीर दिखाकर कहा- दुश्मन की बांहों में धकेल दिया अपने रणनीतिक साझेदार को

कैमलेजर डॉव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तस्वीर दिखाते हुए कहा, स्पष्ट तौर पर कहूं तो दबाव बनाने वाला साथी होने की अपनी कीमत होती है और यह पोस्टर हजार शब्दों के बराबर है। इस तस्वीर में दोनों नेता नई दिल्ली में एक कार में साथ दिख रहे हैं। ये तस्वीर पुतिन के दिल्ली आगमन पर पालम हवाई अड्डे पर मोदी की ओर से उनका स्वागत करने के बाद की थी। कैमलेजर डॉव ने कहा, आप अमेरिकी रणनीतिक साझेदारों को हमारे दुश्मनों की बाहों में धकेलकर नोबेल शांति पुरस्कार नहीं जीत सकते।

पानी फेर दिया अमेरिका के वर्षों के प्रयासों पर

कैमलेजर डॉव ने ट्रंप प्रशासन की आलोचना करते हुए कहा कि उसने भारत-अमेरिकी साझेदारी को मजबूत बनाने के लिए किए गए वर्षों के प्रयासों पर पानी फेर दिया। उन्होंने कहा, रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी के शासनकाल में भारत-अमेरिका के बीच विश्वास बरकरार रखने और सहयोग को प्रगाढ़ बनाने के लिए वर्षों तक कठिन परिश्रम किया गया। जब ट्रंप ने इस साल की शुरुआत में पद संभाला तब द्विपक्षीय संबंध चरम पर थे। क्वॉड सक्रिय था, उभरती रक्षा प्रौद्योगिकी साझेदारी कायम थी और एक विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला भागीदारी बनी हुई थी। उन्होंने कहा, ये कड़ी मेहनत से हासिल की गईं उपलब्धियां थीं, और फिर क्या हुआ। दशकों में अमेरिका द्वारा संचित पूंजी को सिर्फ ट्रंप की व्यक्तिगत शिकायतों की खातिर और हमारे राष्ट्रीय हितों की कीमत पर टॉयलेट में बहा दिया गया।

अर्थव्यवस्था और आव्रजन के मुद्दे पर ट्रंप की लोकप्रियता में भारी गिरावट

वाशिंगटन। अर्थव्यवस्था और आव्रजन को लेकर ट्रंप की लोकप्रियता में इस साल भारी गिरावट आई है। यह ताजा संकेत है कि जिन दो मुद्दों के आधार पर ट्रंप एक साल पहले चुनाव जीते थे, वे अब उनके लिए परेशानी बन सकते हैं। उनकी पार्टी 2026 के मध्यावधि चुनावों की तैयारी शुरू कर रही है। द एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च के सर्वेक्षण में पाया गया है कि अब सिर्फ 31 प्रतिशत अमेरिकी वयस्क ही ट्रंप के अर्थव्यवस्था संभालने के तरीके से सहमत हैं। मार्च में यह आंकड़ा 40 प्रतिशत था। यह ट्रंप के पहले या दूसरे कार्यकाल में सर्वेक्षण में दर्ज की गई सबसे कम रेटिंग है।

वीजा उल्लंघनः चीनी नागरिक हिरासत में कश्मीर से दिल्ली भेजा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अनधिकृत यात्रा के आरोप में हिरासत में लिए गए 29 वर्षीय चीनी नागरिक को बुधवार शाम वापस नई दिल्ली भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि पकड़ा गया चीनी नागरिक न सिर्फ अनधिकृत रूप से कश्मीर गया और होटल में रुका बल्कि उसने भारतीय सिम भी हासिल किया।

चीन के शेनजेन गुआंगडेंग के रहने वाले इस व्यक्ति की पहचान लुकाल्फो बेहु उर्फ हू कोंगताई के रूप में हुई है। वह 19 नवंबर को पर्यटक वीजा पर नई दिल्ली आया था। उसे सिर्फ वाराणसी, आगरा, नई दिल्ली, जयपुर, सारनाथ, गया और कुशीनगर जाने की इजाजत थी। मगर वह एक दिसंबर को कश्मीर गया, जिसके बाद पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने वीजा उल्लंघन के लिए उससे पूछताछ की। चीनी नागरिक को बडगाम जिले के हुमहामा में फ्रेंड्स एन्क्लेव स्थित होमस्टे हाउस रोज कॉटेज से हिरासत में लिया गया और उसका मोबाइल फोन जांच के लिए जब्त कर लिया गया जो कश्मीर से वापस भेजने से पहले उसे लौटा दिया गया।

पाकिस्तान को एफ- 16 लड़ाकू विमान की उन्नत तकनीक बेचेगा अमेरिका

इस्लामाबाद, एजेंसी

● अनुमानित मूल्य 68.6 करोड़ डॉलर के सौदे को दी मंजूरी

अमेरिका ने पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमानों के लिए उन्नत तकनीक और सहायता बेचने को मंजूरी दे दी है, जिसका मूल्य 68.6 करोड़ डॉलर है। अमेरिकी रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) की ओर से सोमवार को संसद को भेजे गए एक पत्र में इस बिक्री को मंजूरी दी है।

इस पैकेज में लिंक-16 सिस्टम, क्रिप्टोग्राफिक उपकरण, एवियोनिक्स अपडेट, प्रशिक्षण और व्यापक साजोसामान संबंधी सहायता शामिल है। डीएससीए के पत्र में इस बिक्री का कारण स्पष्ट किया गया है। इसमें कहा गया है कि यह कदम अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगा, क्योंकि इससे पाकिस्तान को आतंकवाद-रोधी अभियानों और भविष्य की आकस्मिक परिस्थितियों की तैयारी में अमेरिकी और साझेदार बलों के साथ अंतर-परिचालन बनाए रखने में मदद मिलेगी। प्रस्तावित बिक्री का उद्देश्य पाकिस्तान के एफ-16 बेड़े का आधुनिकीकरण करना और परिचालन सुरक्षा संबंधी चिंताओं का समाधान करना भी है। क्षेत्रीय संतुलन को लेकर चिंताओं पर भी पत्र में कहा गया है कि उपकरणों की प्रस्तावित बिक्री और समर्थन क्षेत्र में बुनियादी सैन्य संतुलन को नहीं बदलेगा। इस बिक्री का कुल अनुमानित मूल्य 68.6 करोड़ डॉलर है, जिसमें 3.7 करोड़ डॉलर मूल्य का प्रमुख रक्षा उपकरण और 64.9 करोड़ डॉलर मूल्य की अन्य सामग्री शामिल है।

अमेरिका को नया शांति प्रस्ताव भेजेगा यूक्रेनः जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन बुधवार को अपना नया शांति प्रस्ताव अमेरिकी वार्ताकारों को सौंपने वाला है।

यह कदम लगभग 30 देशों के नेताओं के साथ होने वाली उनकी अहम बैठक से एक दिन पहले उठाया जा रहा है, जो रूस के साथ युद्ध को स्वीकार्य शर्तों पर समाप्त करने के प्रयास में कीव का समर्थन करते हैं।

इस बीच, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर और फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर चर्चा की। यूरोपीय नेताओं ने बयानों में कहा कि वार्ताएं एक निर्णायक मोड़ पर हैं। ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की को वास्तविकता समझनी होगी और यूरोपीय नेता इस सप्ताहांत अमेरिका तथा यूक्रेन के साथ एक बैठक चाहते हैं।

साइबर दासता का गढ़ बन गया है म्यांमार

नई दिल्ली, एजेंसी

● सीबीआई ने डिजिटल अरेस्ट पर दाखिल किया आरोप पत्र

सीबीआई ने दक्षिणपूर्व एशियाई देशों में स्थित सरगनाओं द्वारा नियंत्रित साइबर धोखाधड़ी घोटालों के आरोप में 13 व्यक्तियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। एजेंसी ने दक्षिणपूर्व एशिया में साइबर-दासता और संगठित डिजिटल शोषण नेटवर्क की समानांतर जांच भी की, जिसमें म्यांमार और पड़ोसी क्षेत्रों में कुछ इलाके शामिल हैं, जो इस तरह की धोखाधड़ी के केंद्र के रूप में उभर रहे हैं।

सीबीआई ने एक विशेष अदालत में दायर आरोपपत्र में कहा कि घोटाले के नेटवर्क से जुड़े 15,000 'आईपी एड्रेस' के तकनीकी विश्लेषण से पता चला है कि पीड़ितों से धन लेने और उसे अन्यत्र भेजने के लिए इस्तेमाल किए गए कई प्रमुख बैंक खातों को विदेश से नियंत्रित किया जा रहा था। एजेंसी ने बताया कि ये खाते कंबोडिया, हांगकांग और चीन स्थित सरगनाओं द्वारा नियंत्रित किए जा रहे थे। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने कहा, महत्वपूर्ण रूप से, अब कई तरह के साक्ष्य यह संकेत देते हैं कि म्यांमार और पड़ोस के इलाकों से संचालित होने वाले ''स्लेव कंपाउंड'' डिजिटल अरेस्ट घोटाले के बड़े केंद्र के रूप में उभर रहे हैं, जहां मानव तस्करी कर ले जाए गए भारतीय नागरिकों को साइबर अपराध के लिए मजबूर किया जाता है।

उन्होंने कहा, ये निष्कर्ष दक्षिण-पूर्व एशिया में साइबर-गुलामी और संगठित डिजिटल शोषण नेटवर्क पर सीबीआई द्वारा की गई समानांतर जांच के दौरान जुटाई गई खुफिया जानकारी के अनुरूप हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने उन्नत तकनीक का उपयोग करते हुए 15,000 'आईपी एड्रेस' खंगाले, जिसके परिणामस्वरूप इस वर्ष अक्टूबर में तीन अहम संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई।

बांग्लादेशः 12 फरवरी को होंगे आम चुनाव

ढाका। बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव कराए जायेंगे। अगस्त 2024 में छात्रों के हिंसक प्रदर्शन में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद यह पहले चुनाव होंगे।

सीईसी एएमएम नासिर उद्दीन ने बृहस्पतिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, मतदान 12 फरवरी, को सुबह साढ़े सात से शाम साढ़े चार बजे तक होगा। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय सहमति आयोग के सुधार प्रस्तावों पर जनता की राय जानने के लिए मतदान के दिन, 12 फरवरी को एक साथ जनमत संग्रह भी कराया जाएगा।

भारत तालिबान के साथ व्यवहारिक संबंधों का पक्षधर

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

● सुरक्षा परिषद में भारत का तर्क उचित नहीं रहेंगे दंडात्मक कदम

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया है कि वह तालिबान के साथ व्यावहारिक संबंध कायम करने का पक्षधर है, क्योंकि केवल दंडात्मक कदमों पर ध्यान केंद्रित करने से पुराने दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलेगा। अफगानिस्तान की स्थिति पर बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पार्वथनेनी हरीश ने कहा, भारत अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील करता है कि वह ऐसे नीतिगत कदम उठाए, जिनसे अफगानिस्तान के लोगों को स्थाई लाभ पाने में मदद मिले।

उन्होंने अफगानिस्तान के लोगों की विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। हरीश ने कहा कि काबुल में दिल्ली के तकनीकी मिशन का दूतावास का दर्जा बहाल करने का भारत सरकार का हालिया निर्णय इस संकल्प को मजबूती से दर्शाता है। उन्होंने कहा, हम सभी संबंधित पक्षों के साथ अपने संबंध बनाए रखेंगे ताकि अफगानिस्तान के समग्र विकास, मानवीय सहायता और दक्षता विकास पहल में अपना योगदान बढ़ा सकें।

अक्टूबर में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी नई दिल्ली आए थे। इस दौरान दिल्ली के तकनीकी मिशन को काबुल में दूतावास का दर्जा देने की घोषणा की गई और अफगानिस्तान में विकास कार्यों को फिर शुरू करने का संकल्प लिया गया। भारत ने अगस्त 2021 में काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद अपने दूतावास से अधिकारियों को बुला लिया था। जून 2022 में, भारत ने काबुल में एक तकनीकी टीम को तैनात कर अपनी कूटनीतिक उपस्थिति फिर से स्थापित की। हरिश ने कहा कि भारत अफगानिस्तान में सुरक्षा स्थिति पर करीबी नजर रखता है।

उन्होंने पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा प्रतिबंधित संगठनों जैसे आईएसआईएल, अलकायदा और लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद समेत उनके सहयोगियों तथा लश्कर-ए-तैयबा के छद्म संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट के खिलाफ सामूहिक प्रयासों को समन्वित करना चाहिए, ताकि वे सीमा पार आतंकवाद में लिप्त न हों।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 12 दिसंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अष्टमी 14.56 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

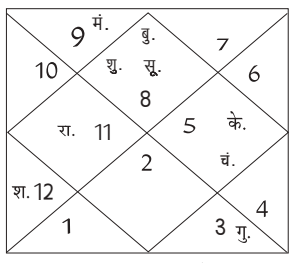

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तराफाल्गुनी 13 दिसंबर 05.50 तक तत्पश्चात हस्त।

मेष आज जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर अवश्य करें। यदि स्वास्थ्य में कुछ समस्या हो तो चिकित्सक से शीघ्र संपर्क करें। व्यापार में बड़ी व स्थायी पार्टनरशिप हो सकती है। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ने वाली है।

वृष आज छोटी-छोटी बातों पर क्रोध न करें। अपनी प्रतिभा को निखारने का प्रयास करेंगे। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। प्रेम संबंधों को लेकर कड़वाहट हो सकती है। संपत्ति की खरीदी में परेशानियों का सामना कर पड़ सकता है।

मिथुन आज यात्रा के दौरान असुविधा होने की संभावना है। इसीलिए यदि बहुत आवश्यक न हो, तो यात्रा से बचें। परिजनों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। बेरोजगार लोग नौकरी को लेकर थोड़े चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

कर्क आज कार्यक्षेत्र में जोखिम लेना चाह रहे हैं, तो दिन अत्यंत शुभ है। व्यापारिक डील के लिए समय बहुत अच्छा है। आपकी तार्किक क्षमता की लोग प्रशंसा करेंगे। किसी कारणवश दूसरे शहर की यात्रा कर सकते हैं। बुद्धिमान लोगों का सानिध्य प्राप्त होगा।

सिंह आज का दिन आपके लिए अत्यंत शुभ रहने वाला है। आप अपने वचनों में नियंत्रण रखें। मौसमी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। भोजन में शुद्धता और पौष्टिकता का ध्यान अवश्य रखें।

कन्या आज कारोबार में नया प्रयोग करने के लिए दिन उत्तम है। विवादित मामलों के सुलझने के योग बन रहे हैं। परिवार की जरूरतों का ध्यान रखें। भोग-विलास में आप धन खर्च करेंगे। प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है।

तुला आज आर्थिक स्थिति को लेकर थोड़ा तनाव रहेगा, लेकिन आपको गलत मार्गों का चयन करने से बचना चाहिए। नजदीकी लोग आपकी भावनाओं को ठेस पहुंचा सकते हैं। इसीलिए गंभीर विषयों पर चर्चा करने से बचें।

वृश्चिक आज का दिन राजनीति से जुड़े लोगों के लिए विशेष रूप से शुभ है आपके व्यवहार से सभी लोग प्रसन्न रहेंगे। आयात-निर्यात संबंधी व्यवसाय से बड़ा लाभ अर्जित कर सकते हैं। जोड़ों में दर्द और गठिया से पीड़ित जातकों के स्वास्थ्य में सुधार आएगा।

धनु आज व्यावसायिक अनुबंधों के लिए दिन अत्यंत शुभ है। मध्यस्थता से कई अटके हुए मामलों का समाधान कर लेंगे। आपकी तर्कशक्ति दूसरों की समस्याओं का भी समाधान करने में सहायता करेगी। पुराने मित्रों से अचानक मुलाकात हो सकती है।

मकर आज दूसरों के साथ अपनी तुलना न करें। धार्मिक कार्यों में आप अत्यधिक रुचि लेंगे। अपनी अधूरी इच्छाओं को पूरा करने का अवसर प्राप्त होगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव हो सकता है। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई को लेकर अत्यंत सावधान रहेंगे।

कुंभ आज गूढ़ ज्ञान-विज्ञान को लेकर अत्यधिक जिज्ञासु रहने वाले हैं। अधिक सोच-विचार करने के कारण तनाव में आ सकते हैं। प्रेमी जोड़ों को परिवार के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। दूसरों के विश्वास पर अपने कार्य न छोड़ें।

मीन आज काम को आगे बढ़ाने के बेहतरीन अवसर मिलेंगे। व्यवसाय में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। अनेक दिनों से रुका हुआ काम पूरा होने से आपका मन शांत रहेगा। अविवाहितों को विवाह प्रस्ताव मिल सकते हैं। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

सुडोकू-188

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1							
2								
		1						
						2	3	
				4				
			5		1			
	9							
		2						

सुडोकू - 187 का हल

9	4	5	8	7	1	2	6	3
2	3	8	4	9	6	5	7	1
6	1	7	3	2	5	4	8	9
3	8	4	1	6	2	7	9	5
7	2	6	9	5	3	8	1	4
1	5	9	7	8	4	6	3	2
5	9	2	6	1	7	3	4	8
8	7	3	2	4	9	1	5	6
4	6	1	5	3	8	9	2	7

मुझे बस क्रिकेट पसंद है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि दो गेंदों का क्रिकेट हो या 100 गेंदों का या 100 ओवर का। क्रिकेट तो क्रिकेट है। गोल्फ तो गोल्फ है, आप कोई भी प्रारूप खेलें। आखिर में आप गोल्फ का मजा लेते हैं।

-कपिल देव

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

करणदीप ने दुबई में पहला आईजीपीएल खिताब जीता

दुबई। करणदीप कोच्चर ने बृहस्पतिवार को यहां आईजीपीएल आमंत्रण यूएई गोल्फ टूर्नामेंट में लगातार तीसरे दौर में तीन अंडर 69 के स्कोर से अपना पहला आईजीपीएल खिताब जीता। कोच्चर का कुल स्कोर नौ अंडर रहा। उन्होंने युवा वीर गणपति और पुखराज सिंह को पछाड़ा। आईजीपीएल आमंत्रण कोलकाता में उप विजेता रहे कोच्चर ने आईजीपीएल के पहले सत्र में 10वें टूर्नामेंट में पहली खिताबी जीत दर्ज की। गणपति अंतिम दौर में पार 72 के स्कोर से कोच्चर से एक शॉट पीछे रहे। पुखराज भी उनके साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। दोनों का कुल स्कोर आठ अंडर रहा। आईजीपीएल मुंबई में खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली प्रणवी उर्स (71) कुल सात अंडर के स्कोर से चौथे स्थान पर रहीं।

बीसीसीआई की बैठक 22 दिसंबर को

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) 22 दिसंबर को एपेक्स काउंसिल की वर्चुअल बैठक में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस सहित अन्य पांच एजेंडों पर चर्चा करेगा। ऐसा माना जा रहा है कि बीसीसीआई घरेलू टूर्नामेंट में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस में बदलाव करने की योजना बना रहा है। महिला टीम की शानदार एकदिवसीय विश्व कप जीत के बाद मैच फीस में बदलाव की उम्मीद थी और बीसीसीआई ने इस मुद्दे पर बैठक में चर्चा करने का फैसला किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरुष और महिलाओं के बीच सैलरी में समानता है, घरेलू प्रतियोगिताओं में असमानताएं बनी हुई हैं।

सिंधु और लक्ष्य राष्ट्रीय टीम में

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी को तीन से आठ फरवरी तक चीन के किंगदाओ में होने वाली बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारत इस प्रतियोगिता के महिला वर्ग में गत चैंपियन है जबकि पुरुष टीम ने अतीत में दो कांस्य पदक जीते हैं। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने एक बयान में कहा रैंकिंग, प्रदर्शन और अनुभव के आधार पर चुनी गई महिला टीम की अगुवाई एक बार फिर पूर्व विश्व चैंपियन और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु करेंगी। दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य शीर्ष रैंकिंग वाले पुरुष एकल खिलाड़ी होंगे जबकि किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, अमेरिकी ओपन विजेता आयुष शेट्टी और तरुण मन्नेपल्ली को भी जगह मिली है।

एशियाई युवा पैरा खेलों में इंदौरी को दो स्वर्ण

दुबई। भारतीय तैराक अब्दुल कादिर इंदौरी ने यहां एशियाई युवा पैरा खेलों के पहले दिन 50 मीटर बटरफ्लाई और 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इंदौरी ने बेहतरीन खेल और अपने इरादे से पूल में दबदबा बनाया। इस प्रदर्शन से वह बुधवार को दो बार पोडियम पर शीर्ष पर रहे। एशियाई युवा पैरा खेलों का उद्घाटन समारोह भी बुधवार को बड़े उत्साह, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अलग-अलग एशियाई देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले युवा पैरा खिलाड़ियों की भागीदारी के साथ आयोजित किया गया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम में दो खिलाड़ी भारतीय मूल के

मेलबर्न। भारतीय मूल के दो खिलाड़ियों आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स को नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से छह फरवरी तक होने वाले पुरुषों के अंडर19 क्रिकेट विश्व कप के लिए मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। आर्यन उपयोगी बल्लेबाज और धीमी गति के बाएं हाथ के स्पिनर हैं जबकि जेम्स ऑलराउंडर हैं जो दाएं हाथ से मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं। यह दोनों उस टीम का हिस्सा थे जो सितंबर में युवा टेस्ट और वनडे सीरीज में भारत के खिलाफ खेली थी।

दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज में बराबरी की

दूसरे टी-20 में भारत को 51 रनों से हराया, क्विंटन डिकॉक ने खेली 90 रनों की तेज तर्रार पारी

90 रन
46 गेंद
05 चौके
07 छक्के
क्विंटन डिकॉक।

मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़), एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (90 रन) की धमाकेदार अर्धशतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत को 51 रनों से हराकर बृहस्पतिवार को पांच मैच की टी20 सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। दूसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 213 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारत 19.1 ओवरों में 162 रन ही बना सका। भारत की तरफ से तिलक वर्मा ने सर्वाधिक 62 रन बनाए।

इससे पहले डिकॉक की 46 गेंद की पारी में सात छक्के और पांच चौके जड़े थे। उन्होंने एडन मार्करम (29 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 47 गेंद में 83 रन की भागीदारी निभाई। अंत में डोनोवन फरेरा ने नाबाद 30 रन और डेविड मिलर ने नाबाद 20 रन का योगदान दिया।

भारतीय गेंदबाजों में वरुण चकव्रर्ती ने 29 रन देकर दो विकेट झटके। अक्षर पटेल ने एक विकेट लिया। भारत ने अंतिम 10 ओवर में 123 रन लुटाए। दक्षिण अफ्रीका की पारी में 15 छक्के और 10 चौके शामिल रहे। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। डिकॉक पहले ओवर में तीसरी गेंद पर रन आउट होने से बचे। उन्होंने अगली गेंद पर दो रन बनाकर खाता खोलने के बाद अर्शदीप (चार ओवर में 54 रन) की पांचवीं गेंद को बैकवर्ड स्क्वायर पर छक्के के लिए भेज दिया। फिर तीसरे ओवर में इसी गेंदबाज पर एक छक्का और एक चौका लगाया। रीजा हेंड्रिक्स (08) और डिकॉक ने अगले ओवर में जसप्रीत बुमराह (चार ओवर में 45 रन) पर एक एक छक्का लगाया। सूर्यकुमार ने पांचवें ओवर में स्पिनरों को लगाया और उन्हें पहली सफलता हेंड्रिक्स के रूप में मिली। वरुण चक्रवर्ती ने आते ही पहली ही गेंद पर हेंड्रिक्स को बोल्ड कर दिया। पर डिकॉक ने भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाना जारी रखा। उन्होंने अक्षर पटेल पर छक्का और चौका जड़कर दक्षिण अफ्रीका को पावरप्ले में एक विकेट पर 53 रन तक पहुंचाया। इस तरह डिकॉक ने नौवें ओवर में 26 गेंद में अर्धशतक जड़ दिया। अर्शदीप पर दबाव साफ दिख रहा था उन्होंने 11वें ओवर में सात वाइड से 13 गेंद डाली जिसमें 18 रन बने।

अनचाहा रिकॉर्ड : अर्शदीप सिंह ने एक ओवर में 7 वाइड गेंद फेंक कर एक अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह पहले भारतीय हैं, जिन्होंने टी20 अंतर्राष्ट्रीय में इतना बड़ा ओवर फेंका है। उन्होंने 11वें ओवर 13 गेंदें डाली। इस ओवर की पहली गेंद पर क्विंटन डिकॉक ने छक्का जड़ा, इसके बाद अर्शदीप की लाइनलेंग्थ बिगड़ गई। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका

213/4 (20 ओवर)

क्विंटन डिकॉक रन आउट	90
रीजा हेंड्रिक्स बो वरुण चक्रवर्ती	08
मार्करम का पटेल बो वरुण चक्रवर्ती	29
ब्रेविस का तिलक वर्मा बो पटेल	14
डोनोवन फरेरा नाबाद	30
डेविड मिलर नाबाद	20

अतिरिक्त : 22

गेंदबाजी : अर्शदीप सिंह 4-0-54-0, जसप्रीत बुमराह 4-0-45-0, वरुण चक्रवर्ती 4-0-29-2, अक्षर पटेल 3-0-27-1, हार्दिक पंड्या 3-0-34-0, शिवम दुबे 2-0-18-0

युवराज और हरमनप्रीत के नाम पर स्टैंड

मुल्लांपुर विश्व कप विजेता क्रिकेटर युवराज सिंह और हरमनप्रीत कौर के सम्मान में बृहस्पतिवार को चंडीगढ़ स्टेडियम के दो स्टैंड उनके नाम पर किए गए। वनडे विश्व कप 2011 के 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' रहे युवराज और भारत को हाल में पहला महिला विश्व कप दिलाने वाली कप्तान हरमनप्रीत इस मौके पर अपने परिवार, दोस्तों के साथ थे। पंजाब के सीएम भगवंत मान मौजूद थे।

खिलाड़ियों की भूमिका से ज्यादा छेड़छाड़ करना सही नहीं : डिविलियर्स

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा कि वह भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के इस विचार से 'कुछ हद तक' सहमत हैं कि वनडे बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है लेकिन उन्होंने टीम में लचीलापन और खिलाड़ियों की मुख्य भूमिका के बीच संतुलन बनाने की जरूरत पर जोर दिया। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे शृंखला में 2-1 से जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें लगता है कि वनडे प्रारूप में बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा मैं उनसे कुछ हद तक सहमत हूं। मुझे वनडे में बल्लेबाजों के क्रम में बदलाव करना पसंद रहा है। लेकिन यह एक नाजुक मामला है क्योंकि आप खिलाड़ियों की भूमिकाओं के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं कर सकते। उन्होंने कहा इसमें शीर्ष तीन, चार से छह नंबर के बल्लेबाज शामिल होते हैं। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों की बारी आती है। यह लगभग तीन खंडों की तरह है और आप वास्तव में इसके साथ रचनात्मक हो सकते हैं। दाएं और बाएं हाथ के संयोजन बनाने के लिए और खेल की कुछ विशेष परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करना सही है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीता जो उसकी 31 मैचों में 27वीं जीत है। डिविलियर्स ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ करते हुए कहा भारत का प्रदर्शन विशेषकर टी20 प्रारूप में अविश्वसनीय रहा है। यह तीनों प्रारूपों में सबसे अस्थिर प्रारूप है और ऐसे में अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने का मतलब है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

अंडर-19 एशिया कप में वैभव सूर्यवंशी होंगे आकर्षण का केंद्र

दुबई, एजेंसी

- यूएई के खिलाफ भारत आज शुरू करेगा अभियान, रविवार को पाकिस्तान से होगा मुकाबला

टीम

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश सिंह, युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलन ए पटेल, नमन पुष्पक, डी दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह, उद्धव मोहन व आरोन जॉर्ज।

भारत के एशिया कप अंडर-19 अभियान की अगुवाई युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे करेंगे, लेकिन सभी का ध्यान इस बात पर भी रहेगा कि क्या भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इन युवा खिलाड़ियों को अपने पाकिस्तानी समकक्षों से हाथ मिलाने की इजाजत देगा या नहीं।

मुंबई और चेन्नई सुपरकिंग्स के आक्रामक सलामी बल्लेबाज म्हात्रे की कप्तानी में भारतीय अंडर-19 टीम शुक्रवार को यूएई के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी तो वहीं रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाला मैच निश्चित रूप से जूनियर महाद्वीपीय चैंपियनशिप में सबसे अधिक सुर्खियां बटोरेगा जिसे अगले साल की शुरुआत में होने वाले विश्व कप के लिए ड्रेस रिहर्सल के तौर पर देखा जा रहा है। भारतीय खिलाड़ियों ने भारतीय सेना और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के साथ एकजुटता दिखाते सीनियर पुरुषों के एशिया कप, उसके बाद महिला एकदिवसीय विश्व कप और राइजिंग स्टार्स एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था। हालांकि जब अंडर-19 क्रिकेटर्स की बात आती है तो माना जाता है कि आईसीसी भी चाहता है कि राजनीति को इससे दूर रखा जाए और खेल भावना के सामान्य नियमों का पालन किया जाए। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर पीटीआई को बतायालड़कों को कुछ नहीं कहा गया है लेकिन जाहिर है कि बीसीसीआई ने अपने मैनेजर आनंद दातार को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। अब अगर भारतीय लड़के पाकिस्तान टीम से हाथ नहीं मिलाते हैं तो मैच रेफरी को पहले से सूचित करना होगा।

पाकिस्तान में मैच के बाद मारपीट की जांच शुरू

कराची : पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ और पाकिस्तान ओलंपिक संघ कराची में पाकिस्तान आर्मी और वाप्डा टीम के बीच खेले गए सेमीफाइनल मैच के बाद खिलाड़ियों के आपस में भिड़ने की घटना की जांच कर रहे हैं, जिसमें कई खिलाड़ी और अधिकारी घायल हो गए थे। केपीटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में राष्ट्रीय खेलों की फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए और अधिकारी भी बीच में कूद पड़े। वे एक-दूसरे को मुक्के और लात मार रहे थे।

मैच का सीधा प्रसारण होने के दौरान ही इस घटना के दृश्य कैमरे में कैद हो गए और बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गए, जिसके बाद कई लोगों ने दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। यह झड़प तब शुरू हुई जब आर्मी के खिलाड़ियों द्वारा अपने डगआउट के सामने जीत का जश्न मनाने पर वाप्डा के कुछ सदस्यों ने गुस्सा जताया।

टी-20 विश्व कप 2026 के लिए टिकटों की बिक्री शुरू

मुंबई, एजेंसी

- भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में सात फरवरी से आठ मार्च तक होगा टूर्नामेंट

टी-20 विश्व कप 2026 के टिकटों की बिक्री बृहस्पतिवार से शुरू हो गई है जिसमें कुछ जगहों के लिए पहले चरण में कीमत 100 रुपये या 1000 श्रीलंकाई रुपये जितनी कम रखी गई है। भारत और श्रीलंका सात फरवरी से आठ मार्च तक मिलकर टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने प्लेटफॉर्म पर टी20 विश्व कप के 10वें चरण के टिकटों की बिक्री की घोषणा की जिसमें 20 टीम का टूर्नामेंट आठ जगहों पर खेला जाएगा। भारत में विश्व कप के लिए अहमदाबाद, चेन्नई, नयी दिल्ली, मुंबई और कोलकाता मेजबान शहर होंगे जबकि श्रीलंका में कोलंबो (दो जगह) और कैंडी दो स्थान होंगे। गत चैंपियन भारत टूर्नामेंट के पहले दिन तीन मैचों में से एक में अमेरिका से भिड़ेगा। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने कहा टिकट बिक्री का पहला चरण अब तक के सबसे सुलभ और वैश्विक आईसीसी टूर्नामेंट को आयोजित करने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए हमारा नजरिया स्पष्ट है कि हर प्रशंसक को विश्व स्तरीय क्रिकेट का स्टेडियम में अनुभव करने का मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा सिर्फ 100 रुपये और 1000 श्रीलंकाई रुपये से शुरू होने वाले टिकटों के साथ हम अपनी रणनीति के केंद्र में किफायतीपन को रख रहे हैं। यह लाखों लोगों को क्रिकेट के जश्न का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करने के बारे में है। 20 टीम और 55 मैच वाला 2026 चरण इतिहास का सबसे महत्वाकांक्षी और समावेशी टी20 विश्व कप होगा।

चैंपियंस लीग : मैनचेस्टर सिटी से हारा रियल मैड्रिड

मैनचेस्टर (इंग्लैंड), एजेंसी

रियल मैड्रिड को चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में मैनचेस्टर सिटी से 2-1 से हार का सामना करना पड़ा जिससे उसके कोच जाबी अलोंसो के भविष्य को लेकर सवाल उठने लग गए हैं। आर्सेनल ने क्लब ब्रुग के खिलाफ 3-0 की जीत से अपना अजेय अभियान जारी रखा और वह अंक तालिका में तीन अंकों की बढ़त बनाए हुए है। मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने एथलेटिक बिलबाओ के खिलाफ मैच गोलरहित ड्रॉ खेला।

रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के बीच बुधवार को हुआ मुकाबला इस राउंड का सबसे चर्चित मैच था। इस सप्ताह के शुरू में खबरें आई थी कि अलोंसो का पद खतरे में है और अब एक और हार के बाद उनकी स्थिति को लेकर अटकलें और तेज होने की संभावना है। रियल मैड्रिड ने अब तक आठ मैचों में सिर्फ दो में जीत हासिल की है। रोड्रिगो ने 28वें मिनट में रियाल मैड्रिड को बढ़त दिलाई थी, लेकिन हाफ टाइम से पहले निको ओरेली और एर्लिंग हालैंड के गोल ने मैनचेस्टर सिटी की जीत सुनिश्चित कर दी। रिकॉर्ड 15 बार का यूरोपीय चैंपियन रियल मैड्रिड तालिका में सातवें स्थान पर है। केवल शीर्ष आठ टीमें ही सीधे राउंड ऑफ 16 में प्रवेश करेंगी। इस बीच आर्सेनल का शानदार प्रदर्शन बरकरार है। उसकी तरफ से नोनी मैडुके ने दो जबकि गैब्रियल मार्टिनेली ने एक गोल किया। पीएसजी का बिलबाओ के खिलाफ पूरे अंक हासिल करने का सपना पूरा नहीं हो पाया।

साक्षात्कार जूनियर हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम के लिए सबसे ज्यादा छह गोल करने वाले दिलराज की किट के लिए मां ने बेचे थे गहने

हॉकी के मैदान पर याद आता है मां का संघर्ष : दिलराज

चेन्नई, एजेंसी

पढ़ाई से बचने के लिए हॉकी का दामन थामने वाले दिलराज सिंह के दिल को तब ठेस पहुंची जब उन्हें पता चला कि उन्हें गोलकीपिंग किट दिलाने के लिए उनकी मां को अपने गहने बेचने पड़े थे और तभी से उन्होंने ठान ली थी कि खेल के मैदान पर नाम कमाकर परिवार को अच्छे दिन दिखाना है।

यहां जूनियर हॉकी विश्व कप में नौ साल बाद कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा छह गोल करने वाले दिलराज अपने जन्मदिन पर मिली जीत के बाद भावुक हो गए और कहा जीत के बाद सबसे पहले मैंने मां (रूपिंदर कौर) से बात की और वह काफी भावुक हो गई थी। वह मेरा मैच नहीं देखती क्योंकि उनको डर लगता है। वह उतने समय अरदास करती रहती हैं। शुरुआती दिनों में गोलकीपर के तौर पर खेलने वाले पंजाब के इस खिलाड़ी ने बताया कि उनके पिता ठीक नहीं रहते थे और मां ने काफी कठिनाइयां झेलकर उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है।

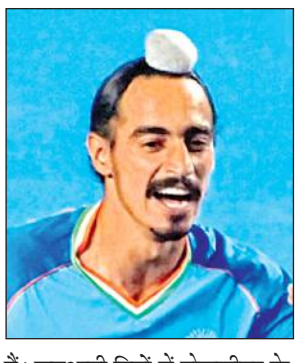

उन्होंने कहा मैने जब पहली गोलकीपिंग किट ली थी तो मेरी मां को अपने गहने बेचने पड़े थे। उनके और मेरे अलावा किसी को यह नहीं पता था। मुझे फिर बहुत दुख हुआ और मैं बहुत संजीदगी से खेलने लगा क्योंकि मैं जब भी मैदान पर उतरता था तो मेरी मां की कुर्बानियां याद आती थी। मेरे पापा ठीक नहीं रहते थे तो सब कुछ मां पर ही निर्भर था और उनकी वजह से ही मैं यहां तक पहुंचा। उन्होंने कहा हालात इतने खराब थे कि कई बार मेरे पास टूर्नामेंट में जाने के लिए भी पैसा नहीं होता था। किसी टूर्नामेंट में ईनाम मिल जाता तो काम चल जाता था।

पिछले साल जोहोर कप (तीन गोल) में कांस्य और जूनियर एशिया कप (सात गोल) में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे दिलराज ने कहा कि विश्व कप में मिला पदक इसलिए भी बहुत मायने रखता है क्योंकि इससे भविष्य में उन्हें नौकरी मिलने का मौका बनेगा। उन्होंने भाषा को दिए इंटरव्यू में कहा मेरे लिये यह पदक बहुत अहम है क्योंकि इससे मुझे नौकरी मिलने का मौका बन सकता है। इसके साथ ही सीनियर टीम में जाने के दरवाजे भी खुलेंगे। घर के हालात ऐसे ही हैं लिहाजा नौकरी मिल जाने से अच्छा होगा। बीस साल के इस फारवर्ड ने बताया कि बचपन में उनकी शरारतों से परेशान होकर उन्हें हॉकी अकादमी में डाला गया जिसे वह छोड़कर भी आ गए थे। उन्होंने कहा मेरा पढ़ाई में उतना मन नहीं लगता था तो घर वालों ने बटाला, पंजाब में चीमा हॉकी अकादमी में डाल दिया। मेरे तायाजी का लड़का खेलता था। उसको देखकर मैं भी अकादमी चला गया था और रोता रहता था।

उन्होंने कहा मैं गोलकीपर के तौर पर वहां गया था लेकिन फिर छोड़कर आ गया क्योंकि बीच में (मिडफील्ड) खेलना चाहता था, गोलकीपर नहीं बनना था। फिर मैं फॉरवर्ड खेलने लगा और घुमन कलां पिंड में कोच कुलविंदर सिंह के साथ खेलना शुरू किया और फिर सुरजीत हॉकी अकादमी में चयन हो गया।

पहली कमाई सौंपी थी मां के हाथों में

दिलराज ने बताया कि उन्हें सबसे ज्यादा खुशी क्लब के लिए खेलते हुए पहली कमाई मिलने पर हुई थी जो उन्होंने अपनी मां को सौंपी थी। उन्होंने कहा सबसे पहले मुझे लखनऊ में चीमा अकादमी की ओर से खेलते हुए एक टूर्नामेंट में पांच या छह हजार रूपये मिले थे और मैने सारे पैसे मां को दे दिये थे और इतनी खुशी हुई कि बता नहीं सकता। जूनियर विश्व कप से मिली सीख के बारे में पूछने पर दिलराज ने कहा कि इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और दबाव में खेलने का हुनर मजबूत हुआ है। इस टूर्नामेंट से यह सीखा कि जीत के साथ हार भी जुड़ी होती है। दबाव का सामना कैसे करना है और अब लगता है कि अपेक्षाओं का दबाव झेलकर खेल सकता हूं। अभी आगे बहुत कुछ हासिल करना है।